THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 59 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.14 2080 गुरुवार, 18 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

सिद्धा पर मुहर के बाद डीके अड़े

✻ डीके ने कहा-सीएम से कम कोई पद मंजूर नहीं ✻ लोकसभा में 20-22 सीटें लाने का दावा किया

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को कर्नाटक का नया मुख्यमंत्री बनाने का फैसला कर लिया है। लेकिन डीके शिवकुमार को यह फैसला मंजूर नहीं है।

उन्होंने साफ कह दिया है कि वे सीएम से कम कोई भी पद नहीं चाहते हैं। हाईकमान को यह भी कहा है कि लोकसभा की 20 से 22 सीटें वे जितवा सकते हैं। इधर सोनिया और राहुल गांधी के बाद अब डीके को समझाने के लिए प्रियंका गांधी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे डीके से वन-टु-वन मुलाकात करेंगी। इन सबके बीच बेंगलुर में शपथ ग्रहण की जो तैयारियां चल रही थीं उन्हें रोक दिया गया है। उनका कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो उनकी लीडरशिप में काम करने को तैयार हैं। इस बीच कर्नाटक कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया जारी है। फैसला होते ही हम ऐलान कर देंगे। कैबिनेट का गठन 2-3 दिन में हो जाएगा। लेकिन बेंगलुरु के कांटीरवा स्टेडियम में शपथ की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

सीएम पद को लेकर पिछले चार दिनों से बेंगलुरु से लेकर दिल्ली तक कई बैठकें हुईं। सिद्धारमैया रेस में सबसे आगे चल रहे थे। इससे पहले रविवार को भी कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सभी एमएलए ने नेता चुनने के लिए खड़गे को अधिकृत किया था। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने ऑब्जर्वर्स से सभी विधायकों से वन-टु-वन बात करने को कहा था। इनमें 80 से ज्यादा विधायकों ने सिद्धारमैया के फेवर में वोट किया था।

इन 3 फॉर्मूला पर हुई डीके और सिद्धारमैया से बात

पहला : सीएम सिद्धारमैया बनें। डीके शिवकुमार के पास डिप्टी सीएम के साथ, ऊर्जा और सिंचाई मंत्रालय और प्रदेश अध्यक्ष का पद रहेगा।

दूसरा : सिद्धारमैया को पहले दो साल तक सीएम बना दीजि्। फिर दो साल बाद कुर्सी डीके को दी जाए। >12

जल्द हो जायेगी मुख्यमंत्री की घोषणा : सुरजेवाला

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक का मुख्यमंत्री तय करने के लिए कांग्रेस में चल रही बातचीत के बीच कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा अगले 48-72 घंटों में मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा हो जाएगी।

मुख्यमंत्री के नाम पर पार्टी में लगातार आलाकमान की निगरानी में चर्चा जारी है। उन्होंने कहा कर्नाटक मुख्यमंत्री को लेकर जो भी निर्णय लिया जाएगा उसकी घोषणा कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे।

सत्यपाल के करीबियों पर सीबीआई की रेड

पूर्व गवर्नर मलिक बोले-जिसने शिकायत की उसे ही परेशान कर रही जांच एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के इंश्योरेंस और किरू हाइड्रो प्रोजेक्ट स्कैम से जुड़े केस में सीबीआई ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर, दिल्ली और राजस्थान में 12 ठिकानों पर छापेमारी की।

तलाशी सत्यपाल मलिक के मीडिया सलाहकार रहे सुनक बाली के घर भी हुई। मलिक ने इस पर कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीबीआई इस मामले में शिकायतकर्ता को परेशान कर रही है। सुनक बिना किसी सरकारी वेतन के जम्मू-कश्मीर में मेरे सेक्रेटरी थे। ये मामला तब सामने आया था जब सत्यपाल मलिक 23 अगस्त 2018 से लेकर 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे। मलिक ने खुद इस मामले की शिकायत की थी।

उन्होंने कहा था कि फाइलों को मंजूरी देने के बदले उन्हें 150-150 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। सीबीआई ने इस पर केस दर्ज किया था। सत्यपाल मलिक के भी बयान दर्ज किए थे। सत्यपाल मलिक केंद्र सरकार की काफी आलोचना करते रहे हैं। ये बात उन्होंने तब कही थी, जब वह 2021 में मेघालय के राज्यपाल थे। मलिक ने जिन दो फाइलों का जिक्र किया था, उसके बारे में कभी खुलकर नहीं बताया। रिपोर्ट के मुताबिक, सत्यपाल मलिक सरकारी कर्मचारियों, पेंशनर्स और पत्रकारों के लिए लाए गए ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़ी एक फाइल का जिक्र कर रहे थे। इसमें अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी शामिल थी।

मलिक ने रिलायंस के साथ डील कैंसिल कर दी थी

बाद में मलिक ने कुछ गड़बड़ी के अंदेशे को देखते हुए रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ यह डील कैंसिल कर दी थी। दो दिन बाद गवर्नर ने एंटी-करप्शन ब्यूरो को इस डील की जानकारी देते हुए कहा था कि वो इस कॉन्ट्रैक्ट की तह तक जांच-पड़ताल करे कि क्या इसमें किसी तरह का भ्रष्टाचार हुआ है?

संघ का भी लिया था नाम, फिर मांगी थी माफी

इंश्योरेंस स्कैम मामले में मलिक ने एक कार्यक्रम में आरएसएस का भी नाम लिया था। इस बात का जिक्र उन्होंने पिछले साल 17 अक्टूबर को राजस्थान के झुंझुनू में एक सम्मान समारोह में किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि इंश्योरेंस वाली डील में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का एक पदाधिकारी भी शामिल था।

आतंकी कनेक्शन को लेकर एनआईए की छापेमारी

राजस्थान, एमपी समेत 100 से अधिक ठिकानों पर तलाशी, रेड में 200 अफसर शामिल

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। एनआईए ने बुधवार को देशभर के 6 राज्यों में 100 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई आतंकवादी-गैंगस्टर और नशीले पदार्थ के स्मगलर्स के नेक्सस मामले में चल रही है। करीब 200 अफसर हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में स्थानीय पुलिस के साथ संदिग्धों के परिसरों पर छापेमारी की कार्रवाई कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब और चंडीगढ़ में 65 जगह पर एनआईए का छापा पड़ा है। वहीं उत्तर प्रदेश में भी 3 जगह, राजस्थान में 18 जगह और मध्य प्रदेश में 2 जगह पर एनआईए छापेमारी कर रही है। एनआईए का पिछले तीन दिनों में यह दूसरा बड़ा सर्च ऑपरेशन है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर में टेरर फंडिंग को लेकर एनआईए ने छानबीन की थी।

पिछले साल दर्ज मामलों पर छापेमारी

एनआईए की तरफ से ये छापेमारी पिछले साल दर्ज किए गए तीन अलग-अलग मामलों के सिलसिले में की जा रही है।

एजेंसी ने इस साल 25 जनवरी को दीपक रंगा को गिरफ्तार किया था। दीपक मई 2022 में मोहाली स्थित पंजाब पुलिस के इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर पर हमले का मुख्य आरोपी था।

इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर पर हमले के अलावा दीपक कई अन्य आतंकवादी और आपराधिक मामलों में भी शामिल रहा है। उस पर विदेशों में बैठे आतंकियों से भी संबंध रहे हैं। वह कनाडा में गैंगस्टर से आतंकी बने लखबीर सिंह संधू और पाकिस्तान में रह रहे आतंकी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा का भी करीबी सहयोगी रह चुका है। >12

इमरान के घर में छिपे हैं आतंकी, सरकार ने कहा-पुलिस को सौंपें नहीं तो होगी कार्रवाई

कराची, 17 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में चल रहे सियासी हालात में सुधार नहीं दिख रहा है। पिछले दिनों भ्रष्टाचार को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी और उसके बाद हुई हिंसा को काबू पाने में सरकार को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। कोर्ट के आदेश पर इमरान खान की रिहाई के बाद अब फिर से विवाद शुरू हो गया है। इस बीच इमरान खान ने अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और उनके अपहरण की निंदा की है। बताया जा रहा है कि लाहौर स्थित इमरान खान के घर पर 30-40 आतंकियों ने शरण ले रखी है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को उन्हें पुलिस को सौंपने के लिए 24 घंटे का वक्त दिया है। सरकार ने चेतावनी दी है कि वे खुद ही आतंकियों को पुलिस को सौंप दें नहीं तो कानून अपने स्तर से इससे निपटेगा।

कानून-व्यवस्था राज्य का मसला : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आदेश दिया कि मणिपुर सरकार हिंसा प्रभावित लोगों को दी जा रही राहत, सुरक्षा, पुनर्वास पर नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे। सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि भले ही सुरक्षा और कानून राज्य का विषय है, लेकिन सर्वोच्च अदालत के नाते यह देखना हमारी जिम्मेदारी है कि राजनेता आंखें ना मूंद लें।

मैतेई आदिवासियों को शेड्यूल ट्राइब (एसटी) लिस्ट में शामिल किए जाने के हाईकोर्ट के ऑर्डर पर भी सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की।

सुप्रीम कोर्ट ने डीके शिवकुमार को दी राहत

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के अध्यक्ष डीके शिवकुमार के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के मामले में जांच पर अंतरिम रोक से संबंधित कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर सुनवाई 14 जुलाई तक स्थगित कर दी।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने शिवकुमार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी के यह कहने के बाद मामले को स्थगित कर दिया कि मामले में 23 मई को उच्च न्यायालय में सुनवाई होनी है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 10 फरवरी को शिवकुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। बाद में अलग-अलग तारीखों पर रोक को और बढ़ा दिया गया। आयकर विभाग ने 2017 में शिवकुमार के खिलाफ छापा मारा था, जिसके आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ जांच शुरू की थी। ईडी की जांच के बाद सीबीआई ने बाद में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए राज्य सरकार से मंजूरी मांगी थी।

राहुल गांधी मानहानि मामला

झारखंड हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों से कहा- पेश कीजिए दलीलें अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस नेता ने दिया था बयान

रांची, 17 मई (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले में अहम निर्देश दिया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों को अपनी-अपनी दलीलें पेश करने को कहा है। राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी नेता नवीन झा ने केस दर्ज कराया था। कोर्ट ने राहुल गांधी और नवीन झा के वकीलों से कहा कि वे अपनी दलीलों का सारांश पेश करें। 2018 में राहुल गांधी ने झारखंड के चाइबासा में भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था। इसके चलते भाजपा के स्थानीय नेता नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

2018 में राहुल गांधी ने दिया था अमित शाह के खिलाफ बयान

आरोप है कि 2018 में कांग्रेस की एक बैठक में राहुल गांधी ने कहा था, सिर्फ बीजेपी में हत्या का आरोपी पार्टी अध्यक्ष बन सकता है। यह कांग्रेस में संभव नहीं है। इस बयान के चलते नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत की थी। राहुल गांधी की ओर से कोर्ट में केस खारिज किए जाने की गुहार लगाई गई है। दोनों पक्षों द्वारा अपनी दलीलों का सार पेश किए जाने पर कोर्ट तय करेगी कि राहुल के खिलाफ मानहानि के मामले में क्या आदेश सुनाया जाए।

लोअर कोर्ट ने भेजा था राहुल गांधी को नोटिस

इस मामले में लोअर कोर्ट ने राहुल गांधी को नोटिस भेजा था। लोअर कोर्ट के आदेश को राहुल गांधी की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। इससे पहले मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट ने इस मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस अंबुजनाथ की कोर्ट में बहस पूरी हो गई है। राहुल गांधी की ओर से वकील पीयूष चित्रेश और दीपांकर राय ने पक्ष रखा। हाईकोर्ट ने पहले आदेश दिया था कि 12 मई तक राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। इसे 16 मई तक बढ़ा दिया गया है।

झुग्गी बस्ती में लगी आग, दो घायल

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। मुंबई के बांद्रा इलाके में बुधवार को तड़के एक झुग्गी बस्ती में आग लगने से दो लोग घायल हो गए। नगर निकाय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बांद्रा (पश्चिम) में नरगिस दत्त नगर स्थित झुग्गी बस्ती में तड़के चार बज कर करीब 40 मिनट पर लगी आग में किसी की मौत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि दमकल की आठ गाड़ियों, पानी के सात टैंकर और कई अन्य अग्निशमन उपकरणों को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया और आग पर सुबह आठ बजे के आसपास काबू पा लिया गया। अधिकारी के अनुसार, घटना में दो लोग घायल हुए हैं, जिनकी उम्र 19 साल और 30 साल है। उन्होंने बताया कि दोनों घायलों को बांद्रा के सरकारी भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह फिलहाल पता नहीं चल सकी है।

डीएमके ने शिवाजी कृष्णमूर्ति का निलंबन किया रद्द

तमिलनाडु के राज्यपाल के खिलाफ की थी टिप्पणी

चेन्नई, 17 मई (एजेंसियां)। (तमिलनाडु), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने बुधवार को पार्टी नेता शिवाजी कृष्णमूर्ति के निलंबन को रद्द कर दिया, महीनों बाद उन्हें इस साल जनवरी में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के खिलाफ उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए निलंबित कर दिया गया था। पार्टी ने कहा कि कृष्णमूर्ति ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांग ली है। डीएमके ने एक बयान में कहा कि शिवाजी कृष्णमूर्ति का पार्टी से निलंबन रद्द कर दिया गया है। डीएमके महासचिव दुरईमुरुगन ने कहा कि शिवाजी कृष्णमूर्ति ने अपने कृत्यों के लिए माफी मांगी है। इसके बाद उनका निलंबन रद्द किया जाता है। इस साल जनवरी में, कृष्णमूर्ति को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के खिलाफ उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए 'अस्थायी रूप से निलंबित' कर दिया गया था। डीएमके के अनुसार, कृष्णमूर्ति को पार्टी की गैरकानूनी गतिविधियों के कारण निलंबित किया गया था। कृष्णमूर्ति के अनुसार, यदि राज्यपाल अपने विधानसभा भाषण में अंबेडकर का नाम लेने से इनकार करते हैं, तो क्या मैं उन पर हमला कर सकता हूं?

हिंद महासागर में मछली पकड़ने में इस्तेमाल चीनी नौका के डूबने की खबर 39 लोग लापता

बीजिंग, 17 मई (एजेंसियां)। हिंद महासागर में चीन की मछली पकड़ने वाली एक नौका डूब गई है और उस पर सवार चालक दल के सभी 39 सदस्य लापता हैं। चीन के सरकारी मीडिया ने इस बारे में खबर दी है। 'सीसीटीवी' चैनल ने कहा है कि नौका डूबने की घटना तड़के करीब तीन बजे हुई। खबर में कहा गया है कि चालक दल में चीन के 17, इंडोनेशिया के 17 और फिलीपीन के पांच लोग शामिल हैं। चीन के नेता शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली क्विंग ने जीवित बचे लोगों की खोज में सहायता के लिए विदेशों में तैनात चीनी राजनयिकों, साथ ही कृषि और परिवहन मंत्रालयों को आदेश दिया है। 'लुपेंगलाइयुआन्यू नंबर 8' नामक नौका का संचालन पेंगलाईजिंग्यु कंपनी लिमिटेड करती थी और इसका परिचालन पूर्वी प्रांत शैनडोंग के समुद्री क्षेत्र में होता था।

अंबाला में स्कूल बस के नीचे आया मासूम

अंबाला, 17 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला जिले में स्कूल बस के नीचे आने से ढाई साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। बस ठोल (कुरुक्षेत्र) के एक प्राइवेट स्कूल की थी और हादसा अंबाला के गांव कलेरा में हुआ। बच्चे के परिजनों ने बस ड्राइवर पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। नग्गल थाना पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सोनीपत में युवती के मर्डर केस में खुलासा

गर्भवती मिलने पर मां ने हाथ पकड़े, जीजा ने गला दबाया; हार्टअटैक बता शव दफनाया था

सोनीपतहरियाणा के सोनीपत के ग्यासपुर गांव में युवती मनीषा की हत्या और शव को दफना देने का मामला ऑनर किलिंग में बदल गया है। मनीषा 7 से 8 सप्ताह की गर्भवती थी। मां को जब बेटी के बदचलन होने का पता चला तो उसने अपने दामाद के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। युवती दूसरे समुदाय के युवक से प्रेम करती थी और शादी करने पर अड़ी थी। पुलिस के अनुसार मां महमून ने उसके हाथ पकड़े और दामाद आबिद ने उसका गला घोंटा। दोनों की गिरफ्तारी हो गई है।

रेवाड़ी में फेसबुक फ्रेंड ने रेप किया

नाबालिगा को मां से मिलाने के बहाने बुलाया, होटल में नशीला पदार्थ पिलाकर संबंध बनाए

रेवाड़ी, 17 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी जिले में रहने वाली एक नाबालिग युवती के साथ उसके फेसबुक फ्रेंड ने ही रेप कर दिया। आरोपी ने उसे अपनी मां से मिलवाने के बहाने पहले झज्जर बुलाया और फिर रोहतक के एक होटल में ले गया। यहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ रेप किया। आरोपी ने किसी को बताने पर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। महिला थाना पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

एआईवाईसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास को मिली अग्रिम जमानत

एससी ने दिए जांच में सहयोग करने के निर्देश

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी को असम में अब निष्कासित महिला पार्टी सदस्य के अपमान के मामले में अग्रिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने श्रीनिवास को जांच अधिकारी के सामने पेश होने और जांच में सहयोग करने के लिए कहा है। श्रीनिवास ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के गुवाहाटी उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बी आर गवई और संजय करोल की पीठ ने असम सरकार और अन्य को नोटिस जारी कर इस मामले में 10 जुलाई तक जवाब मांगा है। हमने (सीआरपीसी की धारा) 164 के बयान का अवलोकन किया है, जिसे अभियोजन पक्ष ने बड़ी शालीनता से हमारे सामने रखा है। हम इस समय राज्य के खिलाफ कुछ भी नहीं कहना चाहते हैं। पीठ ने कहा, प्राथमिकी दर्ज करने में एक महीने की देरी को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता अंतरिम सुरक्षा का हकदार है। शीर्ष अदालत ने श्रीनिवास को जांच में सहयोग करने और 22 मई को पुलिस के सामने पेश होने का भी निर्देश दिया है। 5 मई को, गौहाटी उच्च न्यायालय ने श्रीनिवास की असम युवा कांग्रेस की निष्कासित प्रमुख अंगकिता दत्ता द्वारा दायर एक मामले में अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें श्रीनिवास पर उन्हें मानसिक पीड़ा देने का आरोप लगाया गया था। दत्ता ने 18 अप्रैल को कई ट्वीट्स में आईवायसी अध्यक्ष के खिलाफ आरोप लगाए थे।

महाराष्ट्र में 'दंगों की प्रयोगशाला

खोलने की कोशिश कर रही है भाजपा : शिवसेना (उद्धव)

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह महाराष्ट्र में सामाजिक शांति भंग करने और मतदाताओं के ध्रुवीकरण के लिए 'दंगों की प्रयोगशाला' खोलने की कोशिश कर रही है। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक संपादकीय में कहा गया है कि हो सकता है कि वे समाज को विभाजित करके चुनाव लड़ना चाहते हों, जैसे उन्होंने महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए, 'शिवसेना को तोड़ दिया।' पार्टी का इशारा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में कुछ शिवसेना विधायकों द्वारा पिछले साल की गई बगावत की तरफ था, जिससे महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे नीत महा विकास आघाडी एमवीए) सरकार गिर गई थी और शिंदे भाजपा के समर्थन से राज्य के नए मुख्यमंत्री बने थे। 'सामना' में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया है कि राज्य के लोगों को सतर्क हो जाना चाहिए, क्योंकि वे उन लोगों से घिरे हुए हैं, जो संविधान, राष्ट्रीय एकता और धार्मिक सह-अस्तित्व की भावना को दरकिनार कर सत्ता पाने की लालसा रखते हैं। महाराष्ट्र में पिछले शनिवार और रविवार को क्रमशः अकोला शहर और अहमदनगर जिले के शेवगांव गांव में सांप्रदायिक झड़पें हुई थीं, जिनमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 13 अन्य घायल हो गए थे। एक अन्य घटना में, एक अलग धर्म के सदस्यों ने कथित तौर पर नासिक जिले के प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर मंदिर में जबरन घुसने की कोशिश की, जिसके बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। संपादकीय में दावा किया गया है कि जब से एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस की गठबंधन सरकार सत्ता में आई है, तब से राज्य लगातार धार्मिक और सामाजिक तनाव का गवाह बन रहा है। इसमें आरोप लगाया गया है, महाराष्ट्र में भाजपा और उसके समर्थक 'दंगों की प्रयोगशाला' बनाकर सामाजिक शांति को भंग करने और मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। संपादकीय में कहा गया है, कुछ मुद्दों को आपसी समझ से सुलझाया जा सकता है, लेकिन ऐसा लगता है कि वे समाज को विभाजित करके चुनाव लड़ना चाहते हैं, जैसे उन्होंने महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए शिवसेना को तोड़ दिया था। इसमें कहा गया है कि अकोला, शेवगांव और नासिक में हुई हालिया घटनाएं चिंता का सबब हैं। संपादकीय में दावा किया गया है कि महाराष्ट्र में राजनीतिक कारणों से जानबूझकर सामाजिक तनाव पैदा किया जा रहा है और ऐसा व्यवस्थित एवं योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है। इसमें कहा गया है, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के यह कहने के बावजूद कि वह मुख्य साजिशकर्ता का पर्दाफाश करेंगे, इस दिशा में कुछ भी नहीं हुआ है।

हवा में हिचकोले खाने लगी दिल्ली-सिडनी एयर इंडिया फ्लाइट कई यात्री चोटिल

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली-सिडनी एयर इंडिया फ्लाइट में अचानक आपात स्थिति पैदा हो गई। हवा में ही अचानक फ्लाइट टर्बुलेंस (बीच हवा में अचानक मौसम खराब, तूफान जैसी स्थिति बनती है तो फ्लाइट हिचकोले खाने लगती है) होने लगा। इसमें कई यात्री घायल हो गए। हालांकि किसी भी पैसेंजर को अस्पताल ले जाने की नौबत नहीं थी। फर्स्ट एड दे दिया गया है। सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जैसे ही फ्लाइट झटके लेने लगी तो यात्री घबरा गए। लेकिन क्रू मेंबर्स ने लोगों को समझाया। हालांकि टर्बुलेंस इतना तेज था कि कई यात्री चोटिल हो गए। हालांकि किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आई हैं। आमतौर पर ऐसा तब होता है जब मौसम में खराबी आ जाए। ऐसी स्थिति में एनाउंस भी किया जाता है। लेकिन फ्लाइट के अंदर तेजी से आवाज होती है। ऑक्सीजन लेवल भी कभी-कभी कम होने लगता है। हालांकि यहां पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। जल्द ही हालात को नियंत्रण में लिया गया।

अवैध हथियारों को लेकर सख्त सुप्रीम कोर्ट

कहा- सरकार को इसे गंभीरता से लेना होगा

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिना लाइसेंस वाले हथियारों को एक बड़ी समस्या बताया और कहा कि सरकार को इसे गंभीरता से लेना होगा। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिना लाइसेंस वाले हथियारों पर हर हाल में अंकुश लगना चाहिए। दरअसल, अलग-अलग राज्यों में क्राइम के बढ़ते मामलों के साथ ही अवैध हथियारों को लेकर मिली प्रतिक्रियाओं के बाद सुप्रीम कोर्ट का ये बयान सामने आया है। इससे पहले 13 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बिना लाइसेंस वाले हथियारों से जुड़े क्राइम के बारे में पता लगाने और इससे जुड़े खतरे से निपटने के लिए पुलिस और संबंधित प्रशासन की ओर से उठाए गए कदम को लेकर नोटिस जारी किया था। नोटिस जारी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार ये भी बताए कि उन्होंने बिना लाइसेंस हथियार रखने वालों पर कितने मुकदमे दर्ज किए हैं।

ठाणे में शिक्षिका के किंडरगार्टन के छात्र को पीटने के आरोप में मामला दर्ज

ठाणे, 17 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में निजी 'ट्यूशन' पढ़ाने वाली एक शिक्षिका के खिलाफ किंडरगार्टन के एक छात्र को पीटने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भायंदर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 11 मई की है, जब बच्चा भायंदर इलाके में शिक्षिका के पास अंग्रेजी विषय में ट्यूशन पढ़ने गया था। उन्होंने बताया कि सीनियर के. जी. कक्षा का छात्र अंग्रेजी शब्द 'संडे' और 'मंडे' का हिज्जे (स्पेलिंग) ठीक से नहीं बता पा रहा था, जिसके बाद शिक्षिका ने कथित तौर पर उसे बेंत से पीटा। अधिकारी ने बताया कि बच्चे को चोटें आई हैं। वह रोता हुआ घर पहुंचा और घटना की जानकारी अपनी मां को दी, जिन्होंने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और सोमवार को शिक्षिका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 324 (स्वेच्छा से खतरनाक हथियारों या साधनों से चोट पहुंचाना) और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत शिक्षिका के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

14 साल बाद डकैती का आरोपी गिरफ्तार

पालघर, 17 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर में डकैती के मामले में 14 साल से अधिक समय से फरार आरोपी को पुलिस ने सतारा जिले से गिरफ्तार कर लिया है। धिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक राहुल राख ने कहा कि 21 अगस्त, 2008 को कुछ लोग विरार इलाके में एक मकान में घुसे और वहां रहने वाले लोगों को लोहे की छड़ों से पीटने के साथ ही 17,000 रुपये मूल्य के सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि आरोपियों में से एक की पहचान तेचर बंद्या काले के रूप में हुई। पुलिस ने इसके बाद इस संबंध में डकैती का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। बाद में इसमें काले तथा अन्य आरोपियों के खिलाफ सख्त महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के प्रावधान भी जोड़े गए। पुलिस को यह पता चला कि काले डकैती के कई अन्य मामलों में भी शामिल है और वह गिरफ्तारी से बच रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस जांच टीम ने तकनीकी और खुफिया सूचनाओं की मदद ली और उन्हें सतारा में पुसेगांव गांव में काले के होने का पता चला, जहां वह छिपा हुआ था। उन्होंने बताया कि आरोपी को पकड़ लिया गया।

'आरएसएस से जुड़े कुलपतियों पर क्या कहेंगे?', पीएम मोदी के नियुक्तियों पर दिए बयान पर बोले सिब्बल

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा एमपी और वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने नौकरियों में भाई भतीजावाद को समाप्त करने के पीएम मोदी के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में आरएसएस और संघ की विचारधारा वाले कुलपतियों की नियुक्ति भाई-भतीजावाद का जीता जागता उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को रोजगार मेले में करीबन 71,000 लोगों को नियुक्ति पत्र बांटे थे। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा था कि भर्ती प्रणाली में उनकी सरकार द्वारा लाए गए बदलावों ने भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को समाप्त किया है। पीएम मोदी के इसी बयान का कटाक्ष करते हुए सिब्बल ने ट्वीट में कहा- भर्ती प्रणाली में बदलावों से भ्रष्टाचार तथा भाई भतीजावाद समाप्त हुआ है। इसके लिए बधाई, लेकिन विश्वविद्यालयों में आरएसएस तथा उसकी विचारधारा वाले कुलपतियों की नियुक्तियां'भाई भतीजावाद के जीते जागते उदाहरण' हैं। इस पर आप क्या कहते हैं प्रधानमंत्री जी? सिब्बल संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल केन्द्रीय मंत्री रह चुके हैं। पिछले साल उन्होंने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था। राज्यसभा में उनकी नियुक्ति निर्दलीय सदस्य के तौर पर की गई थी। हाल ही में अन्याय के खिलाफ लड़ने के मकसद के साथ सिब्बल ने एक गैर चुनावी मंच 'इंसाफ' का गठन किया है।

पंजाब : पाक ड्रोन से गिराए गए 15 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ बरामद

जालंधर (पंजाब), 17 मई (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान की ओर से भारत में भेजे गए एक ड्रोन को मार गिराया तथा 15 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ बरामद किया। एक वरिष्ठ धिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तान से एक ड्रोन भारतीय हवाई क्षेत्र में घुस आया था जिसे अमृतसर के कक्कर गांव में सुरक्षा बलों ने गोली मारकर नीचे गिरा दिया। उन्होंने बताया कि ड्रोन से कुल 15.5 किलोग्राम वजन के दो बड़े पैकेट बरामद किए गए और इन पैकेट में हेरोइन होने की आशंका है। वहीं, ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद इलाके में ड्रोन से गिरी अन्य सामग्री की तलाश की जा रही है। पंजाब पाकिस्तान के साथ 500 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा साझा करता है, जिसकी निगरानी बीएसएफ करती है। यहां पिछले तीन-चार साल से पड़ोसी देश से ड्रोन और मानव रहित यान (यूएवी) के जरिए मादक पदार्थ, हथियार एवं गोला-बारूद भेजा जाना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

शादी के बाद अधिक वक्त साथ नहीं रह पाते प्रेमी जोड़े सुप्रीम कोर्ट ने कहा

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। क्या प्रेम विवाह करने वाले जोड़े माता-पिता की मर्जी से शादी करने वालों की तुलना में अधिक समय तक साथ नहीं रह पाते। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से इस बात पर बहस शुरू हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तलाक से जुड़े एक मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि तलाक के अधिकतर मामले प्रेम विवाह से जुड़े होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लव मैरिज से तलाक की नौबत आ रही है। जस्टिस बीआर गवई और संजय करोल की पीठ ने यह टिप्पणी की। पीठ विवाह से जुड़े विवाद के मामले को ट्रांसफर किए जाने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मामले में अपनी दलील दे रहे वकील ने कोर्ट को बताया कि जिस विवाह को लेकर विवाद हुआ वह प्रेम विवाह था।

चार्टर्ड प्लेन से नहीं सरकारी एंबुलेंस से बीमार बेटे को मुंबई लेकर गए गुजरात के सीएम

पीएम मोदी ने ऐसे की तारीफ

अहमदाबाद, 17 मई (एजेंसियां)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के बेटे अनुज पटेल मुंबई के अस्पताल में भर्ती हैं। इस बीच सीएम की जमकर तारीफ हो रही है। दरअसल, बीमार बेटे को देखने के लिए सीएम ने सरकार द्वारा वित्तपोषित चार्टर्ड विमान को छोड़ दिया। मुख्यमंत्री ने न केवल अपने बेटे से मिलने के लिए घरेलू उड़ान का इस्तेमाल किया बल्कि सरकार द्वारा वित्तपोषित एयर एंबुलेंस के लिए भी भुगतान किया जिसके जरिए उनके बेटे को अहमदाबाद से मुंबई लाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोजी ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की तारीफ की है। पीएम ने ट्वीट कर लिखा, गुजरात के सीएम भूपेंद्रभाई पटेल ने सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और सादगी का एक उदाहरण पेश किया है। मुझे विश्वास है कि उनका आचरण सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बनेगा। मैं उनके बेटे अनुज के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भूपेंद्र पटेल के बेटे अनुज को 30 अप्रैल के दिन ब्रेन स्ट्रोक हुआ था जिसके चलते वो कोमा में चला गए थे। अनुज को अहमदाबाद के केडी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था लेकिन वहां के डॉक्टरों ने उन्हें मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में जाने की सलाह दी थी। सीएम भूपेंद्र ने तब बेटे को मुंबई ले जाने के लिए एक सरकारी एयर एंबुलेंस किराए पर ली जिसका उन्होंने भुगतान किया।

आय से अधिक संपत्ति मामला : डीके शिवकुमार के आग्रह पर एससी में सुनवाई टली

बेंगलूरू, 17 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। डीके शिवकुमार की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी के आग्रह पर सुनवाई टाली गई है। उनकी ओर से ये दिप्पणी की गई कि फिलहाल दो- तीन दिन पब्लिसिटी से बचना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट मामले की सुनवाई कर रहा है। अगर सीबीआई चाहे तो वेकेशन बेंच में आ सकती है। दरअसल, डीके शिवकुमार की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि कर्नाटक हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश था। हाईकोर्ट में 23 मई को सुनवाई होनी है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संजय करोल की बेंच ने सुनवाई की। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार को लेकर दायर सीबीआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। कर्नाटक हाईकोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति मामले की की जांच पर रोक लगा दी थी, जिसके खिलाफ सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सीबीआई ने अंतरिम रोक के आदेश को रद्द करने और एजेंसी को कांग्रेस नेता की जांच करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। कर्नाटक हाइकोर्ट ने 10 फरवरी को आदेश पारित किया था। डीके शिवकुमार के खिलाफ 3 अक्टूबर 2020 को एक एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में बताया गया था कि डीके शिवकुमार की संपत्ति 2013 से 2018 तक असमान रूप से बढ़ी। उन पर आरोप लगाया गया था कि डीके शिवकुमार ने भ्रष्टाचार के माध्यम से 74.93 करोड़ रुपये कमाए। इसके बाद राज्य की बीजेपी सरकार ने भी जांच के आदेश दिए थे। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट कर्नाटक कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत देने वाले कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सीबीआई की अपील पर सुनवाई कर रहा है। हाईकोर्ट ने 10 फरवरी, 2023 को सीबीआई द्वारा आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में उनके खिलाफ जांच पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट ने 24 फरवरी तक के लिए अस्थायी रोक लगा दी और जांच एजेंसी को तब तक जांच रोकने का निर्देश दिया।

मेरा हैदराबाद

सुविचार
यदि मैं अपने सारे लेन-देन ईमानदारी से करता हूँ तो मुझे कभी भी भय का अनुभव नहीं होगा

फर्जी इमिग्रेशन कंसल्टेंसी रैकेट का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

एसओटी एलबी नगर जोन और नेरेडमेट पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष अभियान दल (एसओटी) एलबी नगर की टीम और नेरेडमेट पुलिस ने मिलकर ने फर्जी इमिग्रेशन कंसल्टेंसी रैकेट का भंडाफोड़ किया।

पुलिस टीम ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में गरलपति वेंकट दुर्गा नागेश्वर सिद्धार्थ निवासी श्रवंती नगर, माचा बोलाराम, सिकंदराबाद (वीसा एजेंट), नथाला प्रभाकर राव निवासी सिटीजन कॉलोनी, ओल्ड अलवाल, मेडचल मल्कजागिरी, नागेश्वर निवासी बुसापुर (वी), मंडोर (एम) निजामाबाद, गोटुकुला नागराजू निवासी ईस्ट वेकट रेड्डी कॉलोनी, बोडुप्पल (अवैध फाइनेंसर) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों के पास से विभिन्न विभागों के तेलंगाना राज्य सरकार के कर्मचारियों के रूप में फर्जी आईडी कार्ड 16, पासपोर्ट 5, अग्रिम हस्ताक्षर के साथ वीज़ा उम्मीदवारों की चेक बुक, फर्जी एप्वाइंमेंट लेटर 10, एक्सिस बैंक की यूएस वीज़ा शुल्क रसीदें 23, नकदी आदि बरामद हुआ है। आरोपी गरलापति वेंकट दुर्गा नागेश्वर सिद्धार्थ उर्फ विल्सन चौधरी अपने सहायक प्रभाकर राव की मदद से पिछले छह वर्षों से सिकंदराबाद में सेंट एंथोनी के आप्रवासन के नाम पर एक परामर्श चला रहा है।

वह प्रोसेसिंग फीस के रूप में 5 लाख रुपये और शुरुआत में 1.5 लाख रुपये की राशि ले रहा था। आरोपी विल्सन ने धोखे से अमेरिका में रहने वाले एक भारतीय जोड़े के वास्तविक प्रायोजन पत्र का इस्तेमाल किया।

उसकी नकल की और उसका उपयोग वीजा उम्मीदवारों की प्रविष्टियों के लिए कर लिया। वह प्रायोजक पत्र के साथ उम्मीदवारों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर रहा है और फर्जी आईडी कार्ड भी तैयार कर रहा है कि उम्मीदवार सरकारी कर्मचारी हैं और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों को यह विश्वास दिला रहे हैं कि उम्मीदवार यूएसए में अपने रिश्तेदारों से मिलने के बाद भारत वापस आ जाएंगे। इस काम जी. नागराजू निजी फाइनेंसर भी मदद कर रहा था। आरोपी विल्सन वीजा चाहने वालों को अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में व्यवहार और पूछताछ प्रक्रिया के बारे में भी शिक्षित कर रहा है और उन्हें खुद को वास्तविक परिवार के सदस्य के रूप में पेश करने का निर्देश दे रहा है। अगर आकांक्षी को वीजा मिल जाता है, तो वह 3 से 4 लाख रुपये चार्ज करेगा।

आरोपी विल्सन के अब तक 50 से 60 आवेदकों को यूएस वीजा साक्षात्कार के लिए भेजा था, जहां 10 उम्मीदवार सफल हुए और फर्जी सरकारी कर्मचारी आईडी कार्ड, फर्जी प्रायोजन पत्र और बैंक बैलेंस का उपयोग करके यूएसए चले गए। कुछ महिला आवेदकों ने नौकरानियों या दाई के रूप में नौकरी पाने के लिए अमेरिकी वीजा के लिए भी आवेदन किया है। पुलिस टीम ने बुधवार को राघवेंद्र होटल, डिफेंस कॉलोनी, नेरेडमेट एक्स रोड्स के पास विल्सन और नागराजू के साथ अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया।

आरोपियों की गिरफ्तारी डी एस चौहान पुलिस आयुक्त, राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय की सीधी निगरानी में डी. जानकी, डीसीपी, मलकाजगिरी जोन के मार्गदर्शन में के. मुरलीधर, डीसीपी, एसओटी, एलबी नगर-महेश्वरम जोन के देखरेख में ए. सुधाकर, इंस्पेक्टर एसओटी, एलबी नगर जोन टीम और नेरेडमेट पुलिस द्वारा की गई।

तीन एकड़ से अधिक क्षेत्र में पौधारोपण का मॉडल तैयार करें : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने सिंचाई, वन व पंचायत राज विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने सिंचाई, पंचायत राज और वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और सिंचाई भूमि पर वृक्षारोपण के लिए किए गए उपायों का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय), डीएफओ, डीआरडीओ और जिला सिंचाई अधिकारियों की संयुक्त टीमों के पुनरीक्षण के बाद नहर बांधों के साथ 389 ब्लॉकों के लिए सूक्ष्म योजना की पहचान की गई है। प्रस्तावित प्रजातियां लकड़ी और फल देने वाले पौधे हैं जो वन और ग्राम पंचायत नर्सरियों में आसानी से उपलब्ध हैं।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को तीन एकड़ से अधिक क्षेत्र में पौधरोपण का मॉडल तैयार करने को कहा। उन्होंने सुझाव दिया कि फल देने वाले पौधों को उन क्षेत्रों में लगाया जाना चाहिए जो गांवों के करीब हैं। अधिकारियों को यह भी कहा गया कि वे तीन एकड़ से अधिक के क्षेत्रों में ट्रेंचिंग करने के लिए एक डिजाइन विकसित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि 15 जून से कार्य प्रारंभ किया जाए। बैठक में पीसीसीएफ आर एम डोबरियाल, प्रधान सचिव पीआर एंड आरडी संदीप कुमार सुल्तानिया, आयुक्त पीआर एंड आरडी हनुमंत राव और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

पालमुरु रंगारेड्डी परियोजना की उपेक्षा के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : कृषिमंत्री

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भट्टी विक्रमार्क को पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर लोगों को गुमराह करने के लिए फटकार लगाई।

बुधवार को यहां मीडिया से बात करते हुए मंत्री निरंजन रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता भट्टी विक्रमार्क संयुक्त महबूबनगर जिले में चल रही अपनी पदयात्रा के दौरान सिंचाई परियोजनाओं पर राज्य सरकार के खिलाफ झूठ फैला रहे हैं और बेहतर होगा कि विक्रमार्क कम बोलें।

सिंचाई परियोजनाओं पर क्योंकि पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के पूरा होने में देरी के लिए केवल कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार है। निरंजन रेड्डी ने कहा कि सबसे पहले, पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को कांग्रेस पार्टी द्वारा दोषपूर्ण डिजाइन किया गया है, जिसने श्रीशैलम परियोजना की 263 टीएमसी क्षमता से पानी लेने के बजाय जुराला परियोजना की 6 टीएमसी क्षमता से पानी लेने की योजना बनाई है।

बाद में, कांग्रेस नेताओं ने परियोजना में बाधा डालने के लिए अदालतों में कई मामले भरे हैं।

दूसरी ओर, उन्होंने कृष्णा नदी से अवैध रूप से पोथिरेड्डीपाडू हेड रेगुलेटर परियोजना में पानी खींचने की अनुमति दी है। अपने कुकर्मों को भूलकर, कांग्रेस नेता हैं अब पलामुरु परियोजनाओं पर मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं।

यह कहते हुए कि बीआरएस सरकार ने कल्वाकुर्ती, नेटमपडु और भीमा परियोजनाओं को पूरा कर लिया है और संयुक्त महबूबनगर जिले में जुराला परियोजना से कृषि क्षेत्रों को सिंचाई के पानी की पूरी क्षमता प्रदान कर रही है, मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के पास बोलने का कोई अधिकार नहीं है परियोजनाओं और सूचित किया कि वर्तमान सरकार पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रैफिक फ्रंटलाइन पुलिसकर्मियों के बॉडी वियर कैमरे भी रखेंगे लोगों पर नजर : सीवी आनंद

नगर पुलिस आयुक्त ने टैंकबंड पर पेलिकन सिग्नल का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सुरक्षित शहर परियोजना के तहत वित्तपोषित कुल 30 पेलिकन सिग्नल पैदल चलने वालों की परेशानी को कम करते हुए आज से चालू कर दिए गए।

पैदल यात्री सुरक्षा को बढ़ाने में इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर को चिन्हित करते हुए, शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने ऊपरी टैंकबंड में एक पेलिकन सिग्नल का उद्घाटन किया। यह प्रणाली पैदल चलने वालों को चौराहों के अलावा अन्य स्थानों पर सड़कों को पार करने की अनुमति देती है और इसे पैदल चलने वालों और चालकों दोनों के लिए सुरक्षा में सुधार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

विकलांग या चलने-फिरने में अक्षम लोगों के लिए बेहतर पहुंच, ड्राइवरों के लिए क्रॉसवॉक की बढ़ी हुई दृश्यता, यातायात का विनियमित और सुरक्षित प्रवाह इस इंजीनियरिंग उपाय से प्राप्त प्रमुख लाभ हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, शहर के पुलिस प्रमुख ने कहा कि पुलिस और जीएचएमसी की टीमों ने इन संकेतों को स्थापित करने के लिए स्थानों की पहचान करने के लिए मिलकर काम किया। कई रोड क्रॉसिंग सिस्टम जैसे फुट ओवर ब्रिज विभिन्न कारणों से अनुपयोगी हो गए क्योंकि उनमें से कई में जागरूकता की कमी, सड़क नियमों की अवहेलना है। हालाँकि विदेशों में पेलिकन क्रॉसिंग आम हैं, यहाँ हमारे शहर में हमने देखा है कि कई ड्राइवर इन संकेतों पर नहीं रुकते हैं। इसलिए हमें इन संकेतों को संचालित करने और इन बिंदुओं को संचालित करने के लिए स्वयंसेवकों के एक पूल को प्रशिक्षित करना पड़ा, जो भारत में पहली बार हो रहा है।

ये सभी सिग्नल स्वयंसेवकों द्वारा मैन्युअल रूप से संचालित किए जाएंगे और दोनों दिशाओं में वाहनों के सिग्नल को लाल करके सड़क को सुरक्षित रूप से पार करने के लिए 15-20 सेकंड का समय देंगे। सुरक्षित शहर परियोजना के अन्य घटकों जैसे सीडीईडब्ल्यू, भरोसा केंद्र आदि की स्थिति साझा करते हुए उन्होंने कहा कि अगले 15 दिनों में अधिकांश सुविधाएं काम करना शुरू कर देंगी। श्री आनंद ने ट्रैफिक विंग की सराहना की और जनता से स्वयंसेवकों और ट्रैफिक अधिकारियों के साथ सहयोग करने की अपील की और जीएचएमसी के अधिकारियों से त्रि-आयुक्तों में शेष सिग्नल स्थापित करने में तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने ट्रैफिक फ्रंटलाइन अधिकारियों को 100 बॉडी वियर कैमरे भी जारी किए।

पुलिस प्रवर्तन, दुर्घटनाओं और अन्य घटनाओं के दौरान जनता के साथ अपनी बातचीत को रिकॉर्ड कर सकती है। बॉडी वियर कैमरे के फीड को ट्रैफिक कंट्रोल रूम से लाइव देखा जा सकता है। इससे यातायात प्रबंधन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व में सुधार होगा और उल्लंघनकर्ताओं और प्रवर्तन अधिकारियों के अवांछित व्यवहार पर नियंत्रण रहेगा। उन्होंने कुछ परेशान सड़क नियमों के उल्लंघनकर्ताओं द्वारा की गई शिकायतों का जिक्र करते हुए कहा कि यह उन अधिकारियों को दोषमुक्त करने में भी मदद करता है जब उनके खिलाफ झूठे दावे किए जाते हैं। कल्याणकारी गतिविधि के तहत, सीपी आनंद ने ट्रैफिक कांस्टेबलों और होमगार्डों को किट वितरित किए। किट में रेन कोट, रेन बूट, ग्लूकोज पैकेट, पानी की बोतल और धूप का चश्मा शामिल हैं। उन्होंने गश्ती अधिकारियों को कठोर टैब भी वितरित किए जो उन्हें डायल 100 आपातकालीन कॉल, स्क्रीन संदिग्धों में शामिल होने और आंतरिक अनुप्रयोगों और भू-स्थानिक सुविधाओं का उपयोग करने और वास्तविक समय में विभाग के डेटा तक पहुंचने के लिए हिस्ट्री शीटर्स पर कड़ी नजर रखने में मदद करेंगे। इस अवसर पर जी.सुधीर बाबू आईपीएस, अतिरिक्त सीपी यातायात, श्रीमती प्रियंका आईएएस, जीएचएमसी नोडल अधिकारी- सुरक्षित शहर, गजराव भूपाल, संयुक्त सीपी (समन्वय और एसएमआईटी), यातायात के कर्मचारी अधिकारी, एचसीपी के आईटी सेल, जीएचएमसी के अधिकारी उपस्थित थे।

मूसी नदी में महिला का कटा सिर मिला

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में मलकपेट शहर में उस समय दहशत फैल गई जब बुधवार सुबह मूसी नदी में एक महिला का कटा हुआ सिर मिला। पुलिस के मुताबिक, अज्ञात अपराधियों ने महिला का सिर नदी में फेंकने से पहले बेरहमी से उसका सिर काट दिया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि जघन्य अपराध पिछली रात को हुआ था। यह पता चला है कि पीड़िता सोने की बालियां पहने पाई गई थी। पुलिस को संदेह है कि हत्या पारिवारिक विवाद या संभावित विवाहेतर संबंध से जुड़ी हो सकती है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करते अधिकारी। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

कंटी वेलुगु के तहत 10 लाख से अधिक लोगों का परीक्षण किया गया

निजामाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती निजामाबाद जिले के विभिन्न चिकित्सा शिविरों में परिहार्य-अंधापन मुक्त तेलंगाना हासिल करने के उद्देश्य से कांटी वेलुगु कार्यक्रम के तहत अब तक लगभग 10 लाख लोगों की जांच की जा चुकी है। निजामाबाद के डीएमएचओ सुदर्शनम ने कहा कि बुधवार तक जिले भर में 5,96,589 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। डीएमएचओ ने कहा कि आंखों की जांच के बाद करीब 89,409 लोगों को मुफ्त चश्मा मिला है। कामारेड्डी डीएमएचओ डॉक्टर लक्ष्मण सिंह के मुताबिक अब तक कुल 4,13,609 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है तथा 57,912 व्यक्तियों को चश्मा और दवाएं दी गईं। खम्मम जिले में 18 जनवरी को शुरू हुई कल्याणकारी योजना का दूसरा चरण 100 कार्य दिवसों में 16,533 विभिन्न स्थानों पर 1.5 करोड़ लोगों की जांच करने की गति पर है। राज्य सरकार को कंटी वेलुगु फेज 2 को 15 जून तक पूरा करने की उम्मीद है।

बुर्का पहने एक व्यक्ति को स्थानीय लोगों ने पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया

खम्मम, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम शहर के चेरुवु बाज़ार क्षेत्र के निवासियों द्वारा बुर्का पहने एक व्यक्ति को अपहरणकर्ता होने के संदेह में पकड़ा गया और उसे वन-टाउन पुलिस को सौंप दिया गया। यह कहा गया है कि उस व्यक्ति की पहचान शहर के गोलागुडेम के 25 वर्षीय शैक अशरफ के रूप में की गई और वह पिछले तीन दिनों से चेरुवु बाजार इलाके में बुर्का पहने दोपहिया वाहन पर संदिग्ध रूप से घूम रहा था। नजीमा नाम की एक स्थानीय ने मीडिया को बताया कि दो दिन पहले जब स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह उनसे बच निकला।

मंगलवार शाम को वह फिर से एक दो साल के लड़के से बात करता पाया गया और स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया, जिसने उसे पुलिस को सौंपने से पहले उसकी पिटाई की। कुछ ने कहा कि वह इलाके में एक महिला के घर जा रहा था। स्थानीय लोगों द्वारा पकड़े जाने के बाद आरोपी ने बुर्का उतारकर नाले में फेंक दिया, जिस वाहन पर वह चलता हुआ पाया गया, उस पर एक पुलिस स्टीकर लिखा हुआ था। कस्बे की पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

आसिफाबाद में 262 क्विंटल पीडीएस चावल जब्त

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर कस्बे में एक झोपड़ी में रखे सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए रखे गए 262 क्विंटल चावल को राजस्व अधिकारियों ने बुधवार को जब्त कर लिया। दो वैन भी सीज की गई हैं। संयुक्त कलेक्टर (राजस्व) वी राजेशम ने बताया कि रेलवे स्टेशन के समीप स्थित झोपड़ी से पीडीएस का चावल बरामद किया गया. उन्होंने कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने अनाज खरीदा और झोपड़ी में झोपड़ी में फेंक दिया। एक मामला दर्ज किया गया था और जांच की गई थी।

सरकार 8 जून से तीन दिवसीय फिश फूड फेस्टिवल आयोजित करेगी

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य की दसवीं वर्षगांठ समारोह के तहत, मत्स्य विभाग ने राज्य भर में 8 जून से तीन दिवसीय मछली भोजन उत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया है। राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर फिश फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है। फूड फेस्टिवल के दौरान 20 से 30 किस्मों के फिश डिश स्टॉल प्रदर्शित किए जाएंगे और विजया डेयरी उत्पादों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने बुधवार को यहां सचिवालय में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और 8 जून को मछली की दवा की व्यवस्था की समीक्षा की, जिसे मृगशिरा के शुरुआती दिन बथिनी परिवार द्वारा प्रशासित किया जाना है। समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने निर्देश दिया है कि फिश फूड फेस्टिवल को भव्य पैमाने पर मनाया जाए और संबंधित जिलों के मंत्रियों और विधायकों को उत्सव के लिए आमंत्रित किया जाए। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि फिश फूड फेस्टिवल को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य कार्यक्रमों के संचालन सहित विस्तृत व्यवस्था की जाए।

रंगारेड्डी जिले में भीषण गर्मी, कलेक्टर ने सुरक्षा परामर्श जारी किया

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चिलचिलाती धूप रंगारेड्डी जिले पर अपना कहर बरपा रही है और गर्मी दिन-ब-दिन तेज होती जा रही है। जैसा कि पारा खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है, रंगा रेड्डी जिला कलेक्टर, डॉ. एस. हरीश ने ट्विटर पर एक चेतावनी जारी की है और निवासियों को सलाह दी है कि जब तक बिल्कुल आवश्यक न हो, वे दिन के चरम समय के दौरान घर के अंदर रहें। जिले के अधिकांश क्षेत्र गर्मी से जूझ रहे हैं, डॉ. हरीश ने लू से बचने के लिए पर्याप्त सावधानी बरतने के महत्व पर जोर दिया। अपने ट्वीट में, उन्होंने लोगों से हाइड्रेटेड रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी और छाछ का सेवन करने और दमनकारी गर्मी के शिकार होने के जोखिम को कम करने का आग्रह किया। रंगारेड्डी जिले में पारा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। तेज धूप के दौरान बाहर न निकलें जब तक कि यह आपात स्थिति न हो। हीटस्ट्रोक से बचने के लिए उचित सावधानी बरतें और पर्याप्त मात्रा में पानी और छाछ का सेवन करें।

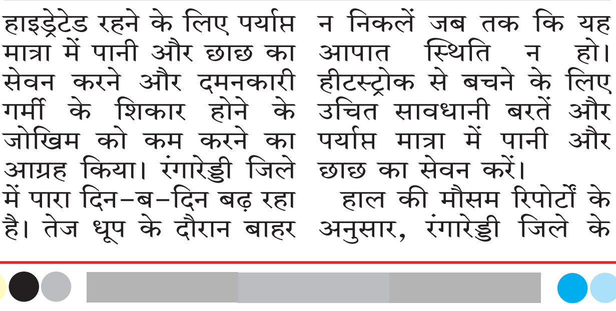

हाल की मौसम रिपोर्टों के अनुसार, रंगारेड्डी जिले के भीतर कई क्षेत्रों में असाधारण उच्च तापमान का अनुभव हुआ है। बुधवार को, गचीबोवलीने 41.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया, इसके बाद अमंगल ने 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

चिलकुर मृगवानी और शबद दोनों में तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गर्मी से राहत मिलने के आसार निकट भविष्य में नजर नहीं आ रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जिले में आने वाले दिनों में भीषण गर्मी का कहर जारी रहेगा, जिससे लू की स्थिति और विकराल होगी।

अंडा खरीदने बाजार गई 10 साल की बच्ची से गैंगरेप

मासूम ने ऐसे बचाई अपनी जान

पटना, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी जिले से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां 10 साल की बच्ची के साथ कुछ दरिंदों ने गैंगरेप किया। मामला नानपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, शाम को बच्ची बाजार में अंडे खरीदने के लिए गई थी। पप्पू बहला फुसलाकर बच्ची को अपने साथ बंसवारी ले गया। वहां पहले से ही उसके कुछ दोस्त भी मौजूद थे। सभी लोगों ने बच्ची के साथ बारी-बारी से गैंगरेप किया। बच्ची रोती रही, चिल्लाती रही। लेकिन उसकी चीख सुनने वाला वहां कोई भी नहीं था। क्योंकि वह एक सुनसान जगह थी। लाचार बच्ची ने जैसे-तैसे करके एक आरोपी के हाथ को दांत से काट डाला। जैसे ही आरोपी दर्द से चिल्लाने लगा, बच्ची मौका पाकर वहां से भाग निकली। घर पहुंचते ही उसने पूरी बात परिवार को बताई। बच्ची की हालत काफी गंभीर थी। परिवार वाले उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई। पुपरी के डीएसपी विनोद कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच कर पूरे मामले की तहकीकात की। उधर एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि एक आरोपी पप्पू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की भी पहचान की जा चुकी है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एसएसबी जवानों ने सीतामढ़ी में पांच बच्चों के साथ मानव तस्कर को पकड़ा

सीतामढ़ी, 17 मई (एजेंसियां)। बीआईटी तथा एवं एंटी ह्यूमन ट्रेफेकिंग यूनिट की मदद से मानव तस्करी कर रहे तस्कर को 5 बच्चों सहित गिरफ्तार किया गया है। बरामद बच्चों को उसके चंगुल से टीम ने छुड़ाकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। बता दें कि भारत नेपाल के सीमा पर इन दिनों तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शराब तस्करी, गांजा तस्करी के साथ-साथ अब तस्करों के द्वारा मानव तस्करी भी की जा रही है। ताजा मामला भारत नेपाल की सीमा बैरगनिया बॉर्डर का है। जहां, एसएसबी के जवानों ने मानव तस्करी करते 5 बच्चों सहित एक तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

डेढ़ लाख रुपये में 20 दिन तक झोलाछाप डॉक्टर ने किया इलाज

बच्ची का काटना पड़ा पैर, डिप्टी सीएम ने लिया संज्ञान, एफआईआर दर्ज

बहराइच, 17 मई (एजेंसियां)। यूपी के जनपद बहराइच के दौलतपुर गांव निवासी एक ग्रामीण ने घायल बेटी का इलाज झोलाछाप के यहां कराया। लड़की के पिता के मुताबित झोलाछाप डॉक्टर ने इलाज के नाम पर डेढ़ लाख रूपये भी ले लिया। लेकिन जब कोई फायदा नहीं हुआ तो लखनऊ रेफर कर दिया। जहां सड़ने की वजह से केजीएमयू के डॉक्टर ने पैर को काट दिया। पिता ने डीएम को पत्र देकर झोलाछाप के विरुद्ध कार्यवाई की मांग की। थी। डीएम के निर्देश के बावजूद सीएमओ ने कोई एक्शन नहीं लिया। लेकिन जब मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इसका संज्ञान लिया और कार्रवाई के निर्देश दिए। जिसके बाद सीएमओ ने अस्पताल को सीज कर दिया और झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

गाजियाबाद से लेकर मेरठ तक, यूपी में अगले 2 दिनों तक कहां-कहां हो सकती है बारिश

गाजियाबाद, 17 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मई के महीने में मौसम लगातार करवट बदल रहा है। वैसे तो मई का महीना प्रचंड गर्मी के लिए जाना जाता है। मगर इस बार मई की शुरुआत में नोएडा और इसके आसपास के जिलों में लोगों ठंडे मौसम का अहसास किया और कोहरा भी देखा। इसके बाद मौसम में फिर बदलाव हुआ और गर्मी की मार लोगों ने झेली। अब फिर एक बार भारतीय मौसम विभाग ने मौसम को लेकर नई संभावना जताई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी यूपी के कई इलाकों में अगले दो दिनों तक धूल भरी आंधी के साथ हल्की तीव्रता वाली बारिश देखने को मिल सकती है। वहीं, मौसम विभाग ने 30-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का भी अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने बताया है कि लोनी देहात, हिंडन एयरफोर्स स्टेशन, गाजियाबाद, इंदिरापुरम छपरौला, बड़ौत, बागपत, मेरठ, खेकड़ा, मोदीनगर, किठौर, गढ़मुक्तेश्वर, पिलखुआ, हापुड़, सियाना, बुलंदशहर, सिकंदराबाद, जहांगीराबाद में हल्की तीव्रता वाली बारिश हो सकती है।

माफिया मुख्तार अंसारी

14 साल पुराने हत्या के प्रयास मामले में बरी

गाजीपुर, 17 मई (एजेंसियां)। गैंगस्टरमुख्तार अंसारी को एमपी एमएलए कोर्ट ने बुधवार को बड़ी राहत दी है। मोहम्मदाबाद थाने में दर्ज 14 साल पुराने हत्या के प्रयास मामले में कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को बरी कर दिया है। 2009 में करंडा के सुआपुर के रहने कपिल देव सिंह की हत्या हुई थी। वहीं, गैंगस्टर मामले में कोर्ट ने फैसले की तारीख 20 मई को नियत की है। लिखित बहस पर सुनवाई के बाद कोर्ट गैंगस्टर मामले में शनिवार को फैसला सुनाएगा। कपिल देव सिंह हत्याकांड मामले में माफिया मुख्तार अंसारी पर 2010 में गैंगेस्टर का मामला दर्ज हुआ था। मोहम्मदाबाद थाने में मीर हसन ने 307 के तहत एक मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें मुख्तार अंसारी नामजद अभियुक्त नहीं था। बल्कि, विवेचना के दौरान 120बी में उसका नाम जोड़ा गया था, जबकि इस मामले में मुख्य अभियुक्त सोनू बरी हो चुका है। इस मामले में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो चुकी थी। मुख्तार अंसारी के वकील लियाकत अली ने भी बताया कि करंडा थाना क्षेत्र के सुआपुर में कपिल देव सिंह की हत्या 2009 में हुई थी। उस समय मुख्तार अंसारी जेल में था। लेकिन, उस पर फर्जी तरीके से 120बी के तहत इसमें मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में भी कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को बरी कर दिया है। माफिया मुख्तार अंसारी के गैंगस्टर मामले को लेकर वकील लियाकत अली ने बताया कि एमपी-एमएल कोर्ट में 19 अप्रैल को आने वाले फैसले के दिन एडीजीसी क्रिमिनल ने लिखित बहस का अवसर मांगा था। इस पर कोर्ट ने लिखित बहस के लिए 27 अप्रैल की तारीख नियत की थी। 27 अप्रैल को एडीजीसी क्रिमनल ने लिखित बहस की कॉपी कोर्ट में पेश की थी। अब गैंगेस्टर के मामले में 20 मई को फैसला सुनाया जाएगा।

बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के

अध्यक्ष जफरयाब जिलानी का निधन, अयोध्या मामले में थे वकील

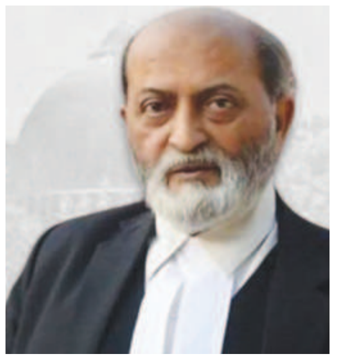

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। लखनऊ के वरिष्ठ अधिवक्ता और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव जफरयाब जिलानी का बुधवार की सुबह निधन हो गया। सूत्रों की मानें तो उनका निधन लखनऊ में हुआ है, बीते लंबे वक्त से जफरयाब जिलानी सिर में चोट लगने के बाद वो कई तरह की समस्याओं से जुझ रहे थे। वरिष्ठ अधिवक्ता जफरयाब जिलानी ने अयोध्या के राम जन्मभूमि केस में बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी का पक्ष रखा था। उन्होंने इस केस में बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के ओर से सुप्रीट में वकालत की थी। हालांकि इससे पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त एडीजी के तौर पर भी अपनी सेवा दी थी। सूत्रों की मानें तो मई 2021 में वकील जफरयाब जिलानी के सिर में चोट लगी थी। उनके सिर में गंभीर चोट लगने के बाद इलाज मेदांता अस्पताल में चल रहा था। हालांकि उस वक्त उनकी हालत गंभीर बताई गई थी, जिसके बाद उनको आईसीयू में रखा गया था।

हुई थी सर्जरी

हालांकि डॉक्टरों की मानें तो सिर में चोट लगने के बाद से उनके ब्रेन में खून का थक्का जमा हुआ था और उनका ब्रेन हैमरेज भी हुआ था। हालांकि सफल सर्जरी करने के बाद उसका खून का जमा हुआ थक्का हटाया जा सका था। जिसके कुछ दिन बात वो स्वस्थ हो गए थे। 90 के दशक से ही जफरयाब जिलानी लगातार सुर्खियों में रहे हैं।

खाना खाने आए पुलिसकर्मी को होटल मालिक ने पीटा, तीन को किया गिरफ्तार

संभल, 17 मई (एजेंसियां)। होटल पर खाना खाने गए पुलिसकर्मी से मारपीट का मामला सामना आया है। इसमें पुलिसकर्मी का सिर फट गया। आरोप है कि मामूली कहासूनी को लेकर पुलिसकर्मी और होटल स्वामी के बीच मारपीट हो गई। इसके बाद होटल मालिक और उसके पुत्र ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सिपाही को बुरी तरह पीटा। मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल कार्रवाई की जा रही है। वहीं, घायल सिपाही का सरकारी अस्पताल में मेडिकल कराया गया।दरअसल, रजपुरा थाना इलाके की डीएसएम पुलिस चौकी के सामने एक होटल है। यहां पुलिस चौकी के एक सिपाही नवनीत कुमार मंगलवार की रात को खाना खाने गए थे। आरोप है कि होटल मालिक और उसके पुत्र से उनकी कहासुनी हो गई। इसके बाद होटल मालिक और उसके सहयोगियों ने उससे मारपीट शुरू कर दी। होटल मालिक की पिटाई से सिपाही का सिर फट गया। बता दें कि इस बीच सिपाही से मारपीट की सूचना पर थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

ग्रेटर नोएडा में पकड़ी गई 300 करोड़ की ड्रग्स, अफ्रीकी मूल के 9 आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, 17 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की ग्रेटर नोएडा में पहली बार 300 करोड़ की ड्रग्स बरामद की गई है। स्वाट टीम ने 300 करोड़ की ड्रग्स के साथ 9 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी अफ्रीकी मूल के बताए जा रहे हैं। इसी के ही साथ पुलिस ने ड्रग्स की फैक्ट्री भी पकड़ी है। सूरजपुर इलाके में ये ड्रग्स की फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। इस फैक्ट्री को विदेशी नागरिक ही चला रहे थे। ये केवल देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी ड्रग्स की सप्लाई कर रहे थे। इससे पहले दिल्ली और मुंबई पुलिस उत्तर प्रदेश में बड़ी मात्रा में ड्रग्स पकड़ चुकी हैं, लेकिन पहली बार यूपी पुलिस के हाथ ड्रग्स की इतनी बड़ी खेप लगी है। पकड़ी गई 300 करोड़ की ड्रग्स में से लगभग 200 करोड़ रुपये की नारकोटिक्स एमडीएमए बरामद हुई है, जो दवाओं के रुप में हैं। इसी के ही साथ लगभग 100 करोड़ रुपये का कच्चा माल रिकवर हुआ है। प्रदेश के मुखिया सीएम योगी आदित्यनाथ ने ड्रग्स माफिया के खिलाफ राज्य में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। सीएम ने साफ निर्देश दिए हैं कि नशे के धंधे में लिप्त लोगों की संपत्ति कुर्क की जाए। उनका कहना है कि ड्रग माफिया समाज के दुश्मन हैं, ऐसे में इस पूरे नेटवर्क का खात्मा होना बेहद जरूरी है।

जाति आधारित गणना को लेकर

बिहार सरकार की अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली, ये है वजह

पटना, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार में जातीय जनगणना कराने से जुड़ी राज्य सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। जस्टिस संजय करोल ने सुनवाई के लिए गठित बेंच से खुद को अलग कर लिया है। करोल पटना हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। पटना हाईकोर्ट की रोक के फैसले को सरकार ने चुनौती दी है और मामले में जल्द सुनवाई के लिए याचिका दायर की गई है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय के पास तीसरी बार यह केस पहुंचा है। इससे पहले भी दो बार जाति आधारित गणना को असंवैधानिक करार देने के लिए याचिकाकर्ताओं ने अपील की थी लेकिन दोनों बार उच्चतम न्यायालय ने इसे उच्च न्यायालय का मसला बताया था। जातीय जनगणना पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाईः पटना हाइकोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह माना था कि बिहार सरकार के पास जाति आधारित गणना कराने का कोई वैधानिक क्षेत्राधिकार नहीं है। साथ ही अदालत ने इसे लोगों की निजता का उल्लंघन भी माना था। यही वजह है कि इस पर तत्काल रोक लगाते हुए 3 जुलाई को सुनवाई की अगली तारीख तय की थी। जिसके बाद राज्य सरकार ने शीघ्र सुनवाई के लिए याचिका दायर की थी। जिस पर 9 मई को सुनवाई करते हुए हाइकोर्ट ने साफ कर दिया कि 3 जुलाई को ही मामले में सुनवाई होगी। जिसके बाद नीतीश सरकार ने फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी। जातीय जनगणना पर कानून बनाने की तैयारीः माना जा रहा है कि अगर सुप्रीम कोर्ट से भी फैसला सरकार के पक्ष में नहीं आता है तो जातीय जनगणना को लेकर कानून भी बनाया जा सकता है। संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी कह चुके हैं कि जरूरत पड़ी तो सरकार कानून भी बनाएगी। वहीं जल संसाधन मंत्री संजय झा ने भी कहा था कि नीतीश सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए जो भी संभव होगा, वह करेंगे।

लालू परिवार से सीबीआइ ने मांगा संपत्ति का ब्योरा

मुजफ्फरपुर, 17 मई (एजेंसियां)। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले की जांच के क्रम में सीबीआइ ने लालू परिवार के सभी सदस्यों के नाम से खरीदी गई संपत्ति का ब्योरा मांगा है। वर्ष 2004 से 2009 तक तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद, मंत्री तेजप्रताप एवं मीसा भारती समेत लालू की सभी सात बेटियों के नाम से खरीदी, गिफ्ट की गई या लीज पर दी गई अचल संपत्ति का विवरण मांगा गया है। सीबीआइ के पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध इकाई-द्वद्व ने राज्य के निबंधन महानिरीक्षक (आइजी) को पत्र भेजकर ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। इसके आलोक में सहायक निबंधन महानिरीक्षक मनोज कुमार संजय ने राज्य के सभी जिला अवर निबंधक एवं अवर निबंधक को निर्देश जारी किया है। इसमें सभी विवरण सीधे सीबीआइ के पुलिस अधीक्षक को भेजने को कहा गया है। सीबीआइ के पुलिस अधीक्षक ने पत्र में लिखा है कि रेलवे में नौकरी के बदले जमीन की जांच की जा रही है। इसके लिए वर्ष 2004 से 2009 के दौरान बिहार में लालू प्रसाद एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों के नाम से खरीदी, गिफ्ट की गई या लीज पर दी गई अचल संपत्ति की जांच भी जरूरी है। यहां यह महत्वपूर्ण है कि सभी लोगों के एक से अधिक पते हैं। इस कारण उक्त अवधि में लालू प्रसाद की बेटियों के पति के नाम से भी कोई संपत्ति खरीदी, गिफ्ट की गई या लीज पर दी गई हो तो उसका ब्योरा उपलब्ध कराया जाए। विदित हो कि इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लालू समेत परिवार के आठ सदस्यों, करीबी भोला यादव एवं चार कंपनियों की कुल संपत्ति का ब्योरा मांगा था।

बागेश्वर बाबा के पोस्टर पर कालिख पोती

लिखा- 420; वजह- आचार्य कुणाल को बाउंसर ने धकेला

पटना, 17 मई (एजेंसियां)। पटना में जहां एक ओर बागेश्वर धाम वाले बाबा वीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम में लाखों श्रधालुओं की भीड़ उमड़ रही है वहीँ दूसरी ओर असामाजिक तत्वों के द्वारा उनके पोस्टरों को फाड़कर उनका विरोध किया जा रहा है। इसी क्रम में बीती देर रात बदमाशों ने अब पटना के डाकबंगला पर लगाई गई पोस्टल पर बागेश्वर धाम वाले बाबा धीरेंद्र शास्त्री के पोस्टर पर उनके चेहरे पर कालिख पोतकर चोर 420 लिख दिया है।

आचार्य किशोर कुणाल को भी सुरक्षाकर्मियों ने घेरे से रखा बाहर

धीरेंद्र शास्त्री मंगलवार को पटना के महावीर मंदिर में दर्शन करने गए थे। इस दौरान उनके सुरक्षाकर्मियों ने धीरेन्द्र शास्त्री को सुरक्षा देने के लिए सुरक्षा कवच बना रहे थे जिस क्रम में सुरक्षाकर्मियों का कंधा आचार्य किशोर कुणाल से लग गया। आचार्य किशोर कुणाल को भी सुरक्षाकर्मियों ने बाबा के नजदीक आने नहीं दिया। महावीर मंदिर के कई लोग भी इस बात से नाराज हैं।

चुनाव में मिली हार को

कोर्ट में चैलेंज करेंगी काजल निषाद, कहा- 'मेरे पास सबूत, बीजेपी ने की गड़बड़'

गोरखपुर, 17 मई (एजेंसियां)। गोरखपुर से समाजवादी पार्टी की महापौर प्रत्याशी काजल निषाद ने निकाय चुनाव में मिली हार को कोर्ट में चैलेंज करने की बात कही है। उन्होंने कहा भाजपा ने चुनाव जीतने के लिए तीन पांच किया है। मेरे पास सबूत हैं कि कैसे 3.50 लाख वोटों को 5 लाख किया गया। काजल ने निर्वाचन आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। सपा नेता ने कहा कि उन्हें जनता ने सहयोग किया। कारवां बढ़ता जा रहा था। परिवर्तन का माहौल था। भाजपा जनता का मजाक उड़ाने का काम करती है। भाजपा कहती है, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। जबकि बेटी रुलाने का काम करते हैं। योगी जी काजल निषाद को रुलाएंगे। मोदी जी खिलाड़ी बेटियों को रुलाएंगे। वो धरने पर बैठी रो रही हैं। वो आम बेटियां नहीं हैं। खास बेटियां हैं। हमारा गौरव हैं। खिलाड़ी बेटियां हैं जो मेडल लेकर आती हैं। मोदी जी गर्व के साथ अपनी फोटो लगाते हैं। योगी जी भी प्रसन्न होते हैं। तुरंत अपना बड़का फोटो लगाकर खिलाड़ी बेटियों का छोटा-छोटा फोटो लगाकर कहते हैं, हमारी वजह से मिला मैडल। वही बिटिया जब रोए तो न योगी जी ध्यान देंगे न मोदी जी ध्यान देंगे।

यूपी में फिर बनेगा महागठबंधन?

इस बार कांग्रेस भी होगी शामिल, अखिलेश यादव ने बदला रुख

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बीजेपी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। पार्टी के सभी दिग्गजों ने पूरे जोरशोर से चुनाव प्रचार किया लेकिन पार्टी को जीत नहीं दिला सकते। हालांकि कांग्रेस की इस जीत के बाद कई बीजेपी की विरोधी पार्टियों के सुर बदले हुए से नजर आ रहे हैं। तमाम पार्टियां अब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का साथ देने का संकेत देने लगी हैं। दरअसल, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव यूपी में लोकसभा चुनाव से पहले नए गठबंधन की अटकलों पर विराम लगाते नजर आ रहे थे। इतना ही नहीं उन्होंने बीते महीनों में कांग्रेस के पुराने गढ़ रहे अमेठी और रायबरेली में भी उम्मीदवार उतारने के संकेत तक दे दिए थे। लेकिन अब उनके सुर बदले हुए नजर आने लगे हैं। सपा प्रमुख पर कर्नाटक चुनाव के रिजल्ट का रंग चढ़ने लगा है। उनका रुख अब कांग्रेस को लेकर नरम होते नजर आ रहा है।

क्या दिए संकेत?

इसका अंदाजा अखिलेश यादव के हालिया बयान से लगाया जा सकता है। ये बयान उन्होंने कर्नाटक चुनाव का रिजल्ट आने के बाद दिया है। अखिलेश यादव के इस बयान के आधार पर अब यूपी में फिर से महागठबंधन बनने की अटकलें तेज हो गई है। सपा प्रमुख अब अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ जाने को राजी होते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को समर्थन देने के संकेत भी दिए हैं। इसके अखिलेश यादव के रुख में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। हालांकि इससे पहले उन्होंने कहा था, लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी यूपी में अब किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी अपने वर्तमान सहयोगियों के साथ अच्छा तालमेल कर चुनाव लड़ेगी। सपा प्रमुख के इस बयान से राज्य में किसी नए गठबंधन की अटकलों पर विराम लग गया था। हालांकि अब फिर से उन्होंने अपने बयान से विपक्षी एकता को मजबूत करने वाले संकेत दिए हैं।

ट्रेन की चपेट में आया बाइक सवार, शरीर के हुए सैकड़ों टुकड़े

बक्सर, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार के बक्सर में डुमरांव रेलवे स्टेशन के पश्चिमी रेलवे गुमटी पर एक दिल दहला देने वाली घटना हुई है। जिसे देखकर लोगों की रूह कांप गई है। शादी समारोह से घर लौट रहे बाइक सवार युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई है। वह रेलवे क्रोसिंग बंद होने के बावजूद भी रेलवे फाटक के नीचे से अपने बाइक को नीकालकर रेलवे क्रोसिंग पार करने लगा। इसी दौरान सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में आते ही बाइक के साथ युवक के शरीर के भी सैकड़ो टुकड़ा हो गए। इस दृश्य को देखर रेलवे क्रोसिंग खुलने का इंतजार कर रहे लोगो का दिल दहल गया।

बिहार में पेट्रोल के दाम में 43 और डीजल में 40 पैसे की कमी

पटना, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार में पेट्रोल और डीजल नए रेट जारी कर दिए गए हैं। आज 17 मई बुधवार को राज्य में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 08 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। जिसके मुताबिक यहां पेट्रोल की कीमत 109.23 रुपये और डीजल की कीमत 95.88 रुपये हो गई है। वहीं अगर राजधानी पटना में देखें तो यहां पेट्रोल की कीमत में कोई बदवाल नहीं हुई है। डीजल की कीमत भी स्थिर बनी हुई है। जिसके मुताबिक पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये हो गई है।

साध्वी प्राची ने कहा- 'सोनिया गांधी, ममता बनर्जी भी देखें फिल्म 'द केरला स्टोरी', मैं बुक करा दूंगी टिकट'

बुलंदशहर, 17 मई (एजेंसियां)। फायर ब्रांड नेता साध्वी प्राची यूपी के बुलंदशहर जनपद पहुंची, जहां उन्होंने श्री कृष्ण जन्मभूमि का सर्वे कराये जाने की मांग कोर्ट में स्वीकार होने पर खुशी जताई और कहा कि यूपी में सीएम योगी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'द केरला स्टोरी' का विरोध करने वालों पर भी निशाना साधा और कहा कि फिल्म में दिखाई गई सच्ची कहानी को सुनकर उनके पेट में दर्द हो रहा है। सोनिया गांधी और ममता बनर्जी को ये फिल्म देखनी चाहिए। उनकी टिकट मैं बुक करा दूंगी बस वो ये बता दें कि वो कहां पर इसे देखना चाहती हैं। साध्वी प्राची ने कहा कि हिंदूवादी संगठनों ने कृष्ण भूमि के सर्वे की मांग की थी, इस मांग को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। अब इसका बाकायदा सर्वे किया जाएगा। उन्होंने धर्मांतरण पर कहा कि वैसे तो इस पर कानून बना हुआ है और योगी जी यूपी में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। अगर कोई जबरन धर्म परिवर्तन करा रहा है तो वो गलत है, मैं उनसे कहूंगी कि वह सीधा पुलिस के पास जाएं शिकायत करें, पुलिस कार्रवाई करेगी और उनकी सही से ठुकाई कर देगी। साध्वी प्राची ने फिल्म 'द केरला स्टोरी' पर कहा कि जब मैं लव जिहाद के बारे में बोलती थी तो लोग कहते थे साध्वी प्राची विवादित बयान देती हैं। आज ये सच हो गया है। 'द केरला स्टोरी' में जो दिखाया गया वो सच है। इस रियल्टी को देख-सुनकर उनके पेट में दर्द हो रहा है। 'द कश्मीर फाइल' भी सच थी और 'द केरला स्टोरी' भी सच है। आज किसी खान की जरूरत नहीं है कि वह प्रचार प्रसार करें। अब तो रिजल्ट देखने के लिए लोग उत्सुक होने लगे हैं। इस फिल्म मे तो एक परसेंट सच्चाई दिखाई गई है जबकि 32 हजार लड़कियां गायब हैं। अभी तो बंगाल फाइल्स भी बननी चाहिए।

सोनिया गांधी और ममता बनर्जी को नसीहत

बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है। गवर्नर को वहां तक नहीं आने दिया जहां घर जलाए गए थे। हिंदुओं की बस्ती में गवर्नर तक को जाने की इजाजत नहीं थी। बंगाल में भी लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने कहा कि सवाल ये नहीं है कि द केरला स्टोरी ने कितने कमाए बल्कि सवाल ये है कि ये फिल्म करोड़ों बेटियों की आंखे खोलेगी। ये फिल्म बंगाल की बेटियों को भी देखनी चाहिए। राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, हिमाचल सबको देखनी चाहिए और टैक्स फ्री होनी चाहिए, क्योंकि इसमें बेटी की सुरक्षा है। बेटी बचेगी तो ये देश बचेगा। साध्वी प्राची ने कहा इस फिल्म को बुर्के वालियों को भी देख लेना चाहिए कि कितना पाप हमारी बेटियों के साथ हो रहा है। ममता बनर्जी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी भी इस फिल्म को देखें। इनकी टिकट मैं बुक करा दूंगी बताइए कहां देखनी है।

कब तक झूठ बोलकर राजनीति करते रहेंगे सीएम अरविंद केजरीवाल

बीजेपी नेता ने दी आप के दावे को चुनौती

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी विधायक रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने दिल्ली के सीएम से पूछा है कि वह और उनके साथी कब तक झूठ बोलकर राजनीति करते रहेंगे। मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर होते हुए उन्हें इस तरह झूठ बोलना शोभा नहीं देता। बीजेपी नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सीईईडब्ल्यू के इंडियन रेजिडेंशल एनर्जी के बिजली सर्वे के बारे में केजरीवाल के दावे को चुनौती दी है। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सीएक केजरीवाल द्वारा मंगलवार को ट्वीट में किए गए दावे को झूठ का पुलिंदा करार दिया है। इस ट्वीट में उन्होंने कहा कि पंजाब और दिल्ली में फ्री बिजली है। इन्हीं दोनों राज्यों में सबसे कम पॉवर कट है। दरअसल, अरविंद केजरीवाल ने जिस सर्वे का हवाला दिया है, वह 2020 का है। रामवीर सिंह बिधूड़ी कहा है सीएम केजरीवाल ने जनता को भ्रम में डालने के लिए जानबूझ कर झूठा दावा किया।पंजाब में 2020 में तो आम आदमी पार्टी की सरकार ही नहीं थी। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार मार्च 2022 में आई है जबकि यह सर्वे उससे दो साल पहले का है।

तोड़ मरोड़कर पेश किया सीईईडब्ल्यू रिपोर्ट

दिल्ली विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता बिधूड़ी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने सर्वे के साथ आपराधिक छेड़छाड़ भी की है। उन्होंने अपने सर्वे में पंजाब को दिल्ली के बाद दूसरे नंबर पर होने का दावा किया है। जबकि सच्चाई कुछ और ही है। हकीकत यह है कि सर्वे में दिल्ली पहले नंबर पर जरूर है लेकिन पंजाब का स्थान केरल, गुजरात और तमिलनाडु के बाद पांचवें नंबर पर है। दिल्ली भी शहरी इलाकों में पावर कट के मामले में केरल और गुजरात के बाद आती है लेकिन ग्रामीण इलाकों में पावर कट न होने के कारण दिल्ली पहले नंबर पर है। जबकि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने इस सर्वे को अपने पक्ष में दिखाने के लिए इसके साथ छेड़छाड़ की है।

झूठ बोलकर गलत दावा

बीजेपी नेता बिधूड़ी ने मांग की है कि मुख्यमंत्री केवल दिल्ली की ही नहीं बल्कि पूरे देश की जनता से माफी मांगें, क्योंकि उन्होंने एक बार फिर झूठ बोलकर एक गलत दावा पेश किया है।

भगवानपुर में आम के बाग की रखवाली कर रहे तीन युवकों पर गुलदार ने किया हमला, दो हायर सेंटर रेफर

भगवानपुर, 17 मई (एजेंसियां)। रुड़की के भगवानपुर के मानक मजरा गांव में गुलदार ने तीन युवकों पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहीं, एक युवक को हल्की चोट आई है। घटना मंगलवार देर रात की है। तीनों युवक आम के बाग की रखवाली कर रहे थे। तभी अचानक गुलदार ने हमला कर दिया। उस समय बाग में नवाब व मोनिश और साजेब रखवाली कर रहे थे। मोनिश और नवाब गंभीर रूप से घायल हो गए और साजेब कम घायल हुआ। गुलदार ने युवकों पर पंजों और दांतों से हमला कर बुरी तरह घायल किया है। जानकारी मिलने पर परिजनों व ग्रामीण की भीड़ जमा हो गई।

पीर पंजाल घाटी बना आतंकवादियों का नया ठिकाना

वाईएसएमएस तकनीक से दे रहे चकमा

श्रीनगर, 17 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की पीर पंजाल घाटी में सुरक्षा एजेंसियों को मात देने और 'अफगानिस्तान के पहाड़ों की तरह कठोर' क्षेत्र में लंबे समय तक जीवित रहने के लिए आतंकवादी अपना रास्ता बदल रहे हैं। घाटी में राजौरी और पुंछ के जुड़वां जिले शामिल है। इसके साथ ही नियंत्रण रेखा (एलओसी) और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) सहित 225 किमी का क्षेत्र पीर पंजाल घाटी के अंतर्गत आता है, जहां आतंकवादी वाईएसएमएस तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं, इसी वजह से इन आतंकवादियों का पता लगाना और भी मुश्किल हो जाता है क्योंकि ये इनक्रिप्टेड संदेश अपने पीछे कोई डिजिटल सुराग नहीं छोड़ते हैं और इसे 'लगभग अभेद्य' बनाते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 'पीर पंजाल घाटी में ऐसे पॉकेट हैं, जहां पाकिस्तान से सेलुलर सेवाएं सक्रिय हैं और फोन पर भी इसका पता लगाया जा सकता है।' प्रौद्योगिकी का एक अन्य उपयोग ऑफ़लाइन सिम-रहित फोन सक्रियण है, जहां संचार के लिए ब्लूटूथ का इस्तेमाल किया जाता है और फोन पर ऑफ़लाइन एप्लिकेशन पर प्री-फेड स्थानों को फॉलो किया जाता है। 1 जनवरी को डांगरी और 20 अप्रैल को बुट्टा डूरियन के हमलावरों ने पूर्व-पोषित मार्गों पर हमले के बाद बचने के लिए 'अल्पाइन' जैसे ऑफ़लाइन सिस्टम का सबसे अधिक इस्तेमाल किया है।

पीर पंजाल के दक्षिण का क्षेत्र का पहाड़ी इलाका जो जम्मू क्षेत्र से कश्मीर घाटी को विभाजित करता है – ने ऐसी चुनौतियाँ पेश की हैं जो कहीं अधिक कठिन और जटिल हैं। 1990 से 2007 तक, जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर हिंसा देखी गई, जिनमें से लगभग 35 प्रतिशत ऐसी घटनाएं पीर पंजाल के दक्षिण में क्षेत्रों में हुईं। पीर पंजाल के दक्षिण में इसकी सीमा जम्मू-सांबा-कठुआ मैदानों से पहाड़ी क्षेत्र राजौरी-पुंछ तक मैदान के रूप में फैली हुई है।

देश में फिर एक हजार के पार हुए कोरोना के केस

नई दिल्ली, देश में कोरोना के मामलों में फिर उछाल देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के एक हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोविड-19 के कुल 1,021 नए मरीज मिले हैं। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, देश में कोरोना के एक्टिव केस लगातार कम हो रहे हैं। मौजूदा दौर में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 11,393 हो गई है। 15 मई को एक्टिव केस 14,493 थे, जबकि 16 मई को ये 13,037 हो गए। वही, कोरोना से बीते 24 घंटे में इस दौरान चार लोगों की मौत भी हुई है। इसके साथ ही मृतकों की संख्या अब 5 लाख 31 हजार 794 हो गई है। कोरोना के अब तक कुल 4 करोड़ 49 लाख 83 हजार 152 मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा कोरोना से अब तक कुल 4 करोड़ 44 लाख 39 हजार 965 लोग ठीक भी हो चुके हैं। इसके अलावा देश में अभी तक 220.66 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना वैक्सीन भी लग चुकी है। 102.74 करोड़ से ज्यादा लोगों को पहली डोज दी जा चुकी है, जबकि 95.19 करोड़ से ज्यादा दूसरी खुराक लग चुकी है। इसके अलावा 22.72 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रीकाशन डोज भी लग चुकी है।

शिवराज का बड़ा दांव, युवाओं के लिए सीखो-कमाओ योजना को दी मंजूरी

भोपाल, 17 मई (एजेंसियां)। चुनावी साल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हर वर्ग को साधने में जुटे हुए है। इसके तहत ही शिवराज कैबिनेट ने बुधवार को बेरोजगार युवाओं के लिए मुख्यमंत्री सीखा-कमाओ योजना को मंजूरी दे दी। इसके लिए बेरोजगार युवाओं को आठ से दस हजार रुपये प्रतिमाह काम सीखने के दौरान दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोजगारी भत्ता देना बेमानी है। इस वजह से हम बैसाखी नहीं बल्कि उड़ने के लिए पंख दे रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को बताया कि बेरोजगार बेटे-बेटियों के लिए एक नई योजना सीखो-कमाओ को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इस योजना में काम सीखने के बदले पैसा दिया जाएगा।

'परमबीर सिंह को एमवीए सरकार की बदनामी करने के लिए मिला इनाम

कांग्रेस नेता नाना पटोले ने लगाया आरोप

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने पूर्ववर्ती महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार की छवि खराब करने के इनाम स्वरूप भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी परमबीर सिंह पर लगे सभी आरोप हटा दिए हैं। शिंदे सरकार ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के आदेश के बाद मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त सिंह पर लगे सभी आरोप हटा दिए हैं।

नाना पटोले ने सरकार पर लगाया आरोप

मुंबई में संवाददाताओं से बातचीत में पटोले ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शिंदे और राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'पूर्व आईपीएस अधिकारी के खिलाफ दर्ज मामले को जानबूझकर कमजोर किया और यह सुनिश्चित किया कि वह तकनीकी आधार पर आरोप मुक्त हो जाएं।' कांग्रेस नेता ने कहा कि सिंह ने महाराष्ट्र के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर एमवीए सरकार को बदनाम किया था।

कांग्रेस नेता ने लगाया आरोप

एमवीए में शिवसेना का उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला धड़ा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस शामिल हैं। पटोले ने कहा कि बंबई उच्च न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को जांच के बाद सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के स्पष्ट निर्देश दिए थे और मामले की विभागीय जांच कराए जाने की भी उम्मीद थी। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि हालांकि, शिंदे-फडणवीस सरकार ने इस दिशा में कुछ नहीं किया और यह सुनिश्चित किया कि सिंह के निलंबन आदेश को आगे न बढ़ाया जाए।

परमबीर सिंह के खिलाफ जारी निलंबन आदेश को किया गया रद्द

एक अधिकारी ने पिछले शुक्रवार को कहा था कि महाराष्ट्र सरकार ने विभागीय जांच के दौरान सिंह पर लगाए गए सभी आरोपों को हटा दिया है और उनके खिलाफ जारी निलंबन आदेश को रद्द कर दिया है। हालांकि, अधिकारी ने स्पष्ट किया था कि सीबीआई सिंह के खिलाफ दर्ज पांच मामलों की जांच करना जारी रखेगी। सिंह जबरन वसूली, भ्रष्टाचार और कदाचार के कई मामलों का सामना कर रहे हैं। फडणवीस ने पिछले हफ्ते कहा था कि महाराष्ट्र सरकार ने कैट द्वारा सिंह के खिलाफ विभागीय जांच बंद करने के फैसले के बाद उनके निलंबन आदेश को रद्द करने का निर्णय लिया है।

परमबीर सिंह को मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से ट्रांसफर कर दिया गया

उन्होंने कहा था कि कैट के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि विभागीय जांच गलत थी। उद्योगपति मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास 'एंटीलिया' के पास खड़ी एक एसयूवी में विस्फोटक मिलने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाजे की गिरफ्तारी के बाद सिंह को मार्च 2021 में मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से स्थानांतरित कर दिया गया था।

एमवीए सरकार ने परमबीर सिंह को किया था निलंबित

इसके बाद, 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी सिंह ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखा था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख ने पुलिस अधिकारियों को मुंबई के होटल व्यवसायियों से एक महीने में 100 करोड़ रुपये की वसूली करने का निर्देश दिया था। देशमुख ने सिंह द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया था। साथ ही तत्कालीन एमवीए सरकार ने सिंह को निलंबित करते हुए उनका वेतन रोक दिया था।

असम पुलिस की 'लेडी सिंघम

जूनमोनी राभा की एक्सीडेंट में मौत परिवार ने खड़े किए सवाल

गुवाहाटी, 17 मई (एजेंसियां)। असम पुलिस की 'लेडी सिंघम' कही जाने वाली महिला सब इंस्पेक्टर जूनमोनी राभा की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई है। 30 साल की राभा हादसे के वक्त अपनी निजी कार से थीं और पुलिस की वर्दी भी नहीं पहन रखी थी। यह हादसा उस समय हुआ जब नागांव जिले में राभा की कार और सामने से आ रही ट्रक कंटेनर की भिड़ंत हो गई। कार में राभा के अलावा और कोई नहीं था। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना की सूचना मिलने के बाद रात करीब ढाई बजे पुलिस की एक गश्ती टीम मौके पर पहुंची और राभा को नजदीक के अस्पताल ले गई लेकिन महिला सब इंस्पेक्टर की जान नहीं बच पाई और डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कंटेनर ट्रक को जब्त कर लिया है जबकि हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया है राभा की कार का जिस ट्रक कंटेनर से टक्कर हुई है वो उत्तर प्रदेश से आ रहा था। 30 साल की राभा को अपराधियों के प्रति सख्त रवैये के लिए जाना जाता था। यही वजह है कि उन्हें 'लेडी सिंघम' या दबंग पुलिस अधिकारी भी कहा जाता था। राभा वर्तमान में मोरीकोलोंग पुलिस चौकी प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। विवादों में रहने वाली राभा की कार हादसे में मौत पर परिवार वालों ने सवाल भी उठाया है। परिवार ने गड़बड़ी की आशंका जताते हुए हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना को लेकर असम के डीजीपी जीपी सिंह ने कहा कि परिवार समेत कई समाजिक संगठनों के मांग के आधार पर केस की जांच असम सीआईडी को ट्रांसफर कर दिया गया है।

केदारनाथ धाम में दर्शन के लिए टोकन सिस्टम लागू

लाइन से मिली छुट्टी, रेन शेल्टर भी बने

देहरादून, 17 मई (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम में यात्रियों की सहूलियत के लिये टोकन सिस्टम लागू कर दिया गया है। टोकन में मिले समय के अनुसार ही अब भक्त बाबा केदार के दर्शन कर रहे हैं। टोकन सिस्टम लागू होने से भक्तों को अतिरिक्त लाइन से निजात मिलेगी। रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड): केदारनाथ धाम पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों को प्रशासन की ओर से इस बार टोकन सिस्टम के जरिए दर्शन कराए जा रहे हैं। जिससे तीर्थ यात्री अपनी बारी आने पर ही दर्शन कर रहे हैं। इससे यात्रियों को घंटों तक लाइन में नहीं लगना पड़ रहा है। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के दिन केदारनाथ मंदिर में दर्शनों को लेकर भक्तों की भारी भीड़ मची थी। स्थिति यह थी कि भक्तों के बीच धक्का मुक्की तक हो रही है। इसी को देखते हुए पुलिस को भी सख्त रवैया अपनाना पड़ा। धाम पहुंचने वाले भक्तों को घंटों तक लाइन में ना लगना पड़े और कम समय में अच्छे दर्शन हों, इसके लिए यात्रियों को टोकन दिया जा रहा है। टोकन में दिए गए समय के अनुसार ही यात्री दर्शन करने आ रहे हैं। इस व्यवस्था से जहां मंदिर में दर्शनों के लिए लंबी लाइन नहीं लग रही है, वहीं भक्त कम समय में बाबा केदार के अच्छे दर्शन कर रहे हैं। दूसरी ओर दर्शनों के लिए लगने वाली लाइन की जगह पर रेन शेल्टर का भी निर्माण किया गया है। इतना ही नहीं धाम पहुंच रहे जरूरतमंद लोगों को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से रेन कोट, छाते और गर्म कपड़े भी वितरित किए जा रहे हैं। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि यात्रियों की सहूलियत को देखते हुए टोकन सिस्टम लागू किया गया है। रेन शेल्टर भी लगाए गए हैं। जरूरतमंद यात्रियों को गर्म कपड़े, छाते आदि का भी वितरण किया जा रहा है।

बेटी का शव बाइक पर लेकर जाने को मजबूर हुआ पिता

अस्पताल ने एंबुलेंस देने से किया इनकार

शहडोल, 17 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल शहडोल से एक मानवता को झकझोरने वाली खबर सामने आई है। यहां एक पिता को अपनी बेटी का शव बाइक पर ले जाना पड़ा, क्योंकि कथिततौर पर अस्पताल ने एंबुलेंस देने से इनकार कर दिया था। इस घटना से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। सोमवार रात कोटा गांव में रहने वाले 13 साल की माधुरी गोंड, जो सिकल सेल अनीमिया से पीड़ित थी उसकी मौत हो गई। माधुरी के माता-पिता ने बेटी के शव को अपने गांव तक ले जाने के लिए शव वाहन के इंतजाम की कोशिश की, लेकिन कथित तौर पर उनसे कहा गया कि नियम के मुताबिक, 15 किलोमीटर की दूरी के लिये वाहन मिल सकता है, जबकि उनका गांव अस्पताल से 70 किलोमीटर दूर है। गरीब परिजन निजी शव वाहन का खर्च नहीं उठा सकते थे। इसलिए मोटरसाइकल पर ही शव रखकर चल पड़े। लेकिन जैसे कि मोटरसायकल बीच शहर से निकली, रात में ही इसकी सूचना कलेक्टर वंदना वैद्य को किसी ने फोन कर दी। कलेक्टर वंदना वैद्य ने खुद आधी रात को शव ले जाते परिजनों को रास्ते में जाकर रुकवाया और सिविल सर्जन को फटकार लगाकर तत्काल शव वाहन भेजने के निर्देश दिए।

9 साल बाद चोर ने लौटाए 'श्रीकृष्ण' के चोरी किए गए गहने, साथ ही छोड़ी ये चिट्ठी

पुरी, 17 मई (एजेंसियां)। ओडिशा से एक अनोखी घटना सामने आ रही है यहाँ के एक मंदिर से प्रभु श्री श्रीकृष्ण के 9 वर्ष पहले आभूषण चोरी कर लिए गए थे। 9 वर्ष गुजर जाने के पश्चात भी पुलिस चोरों का पता नहीं लगा सकी थी। फिर एक दिन मंदिर के दरवाजे के सामने एक बैग प्राप्त हुआ। जब उसे खोल कर देखा गया तो लोग दंग रह गए। क्योंकि बैग में वर्षों पहले चोरी किए गए कीमती आभूषण मौजूद थे। इसके साथ ही कुछ रुपये और दो नोट (पर्ची) उपस्थित थे। जिस पर लिखा हुआ था कि आभूषण चोरी करने के बाद से मैं ठीक से सो नहीं सका हूं, मुझे बुरे सपने आते हैं, मैं अपनी गलती मान रहा हूं तथा आभूषणों को वापस लौटा रहा हूं। आभूषण चुराने वाले उस व्यक्ति ने 9 वर्ष तक परेशान रहने के पश्चात आभूषण वापस कर दिए। इस घटना की चर्चा क्षेत्र में हर किसी की जुवां पर है। प्राप्त एक खबर के अनुसार, वर्ष 2014 में ओडिशा के बलेश्वर जिले के गोपीनाथपुर गांव में उपस्थित गोपीनाथ मंदिर से प्रभु श्री कृष्ण तथा राधा जी के लाखों रुपये भाव के आभूषण चुरा लिए गए थे। चोरी को अंजाम उस समय दिया गया था, जब मंदिर में यज्ञ चल रहा था। चोरी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई थी।

लेकिन, पुलिस अपराधी को तलाशने में सफल नहीं हो सकी थी। वहीं, मंदिर के पुजारियों ने भी आभूषणों के मिलने की उम्मीद छोड़ते हुए भगवान के लिए दूसरे आभूषणों की व्यवस्था की थी। हाल ही में मंदिर के बाहर प्रातः के समय एक बैग प्राप्त हुआ। जब उस बैग को खोल कर देखा गया तो उसमें 9 वर्ष पहले चोरी किए गए आभूषण, जिसमें चांदी का मुकुट, कान की बाली, कंगन एवं एक बांसुरी थी। मंदिर के पुजारी श्री देवेश चंद्र मोहंती गहनों को देख दंग रह गए। बैग में 300 रुपये तथा दो पर्ची भी प्राप्त हुई, जिसमें कुछ लिखा हुआ था। बैग से प्राप्त हुई पर्चियों में आभूषण चोरी करने वाले शख्स ने अपना और पते का जिक्र नहीं करते हुए लिखा कि 9 वर्ष पूर्व यज्ञ शाला (जहां यज्ञ की रस्म होती है) में एक यज्ञ से मैंने भगवान के कीमती आभूषण चोरी कर लिए थे। तब से लेकर अब तक मैं ठीक से सो नहीं सका हूं, मुझे बुरे सपने आते हैं।

जानें कौन हैं आईएएस आशीष मोरे जिन्हें केजरीवाल सरकार से मिला था नोटिस

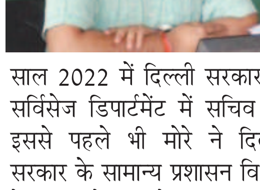

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दिल्ली में इन दिनों एक नाम की चर्चा तेजी से हो रही है। वो हैं आईएएस आशीष मोरे। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आशीष मोरे वर्तमान में दिल्ली सरकार के सर्विसेज डिपार्टमेंट में सचिव हैं। सुप्रीच कोर्ट के फैसले के बाद दिल्ली सरकार ने इनका ट्रांसफर कर दिया था, पर अतिरिक्त सचिव ने इस पर कहा था कि केजरीवाल सरकार के पास अभी अधिकारियों को ट्रांसफर या पोस्टिंग करने का अधिकार नहीं है क्योंकि गृह मंत्रालय ने अपना आदेश न ही रद्द किया है और न ही वापस लिया है। बता दें कि दिल्ली सरकार के विभागीय मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मोरे को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। आशीष मोरे का जन्म 1980 में हुआ था। ये महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। इनका पीरा नाम आशीष माधवराव मोरे। जानकारी के मुताबिक, मोरे 1995 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने आर्ट स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया है। मोरे साल 2022 में दिल्ली सरकार के सर्विसेज डिपार्टमेंट में सचिव हैं। इससे पहले भी मोरे ने दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव के रूप में काम किया है। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आईएएस मोरे को कारण बताओ नोटिस देते हुए जवाब मांगा था। बता दें कि नए सचिव (सेवा विभाग) की तैनाती के संबंध में मंत्री के निर्देशों का पालन करने से इंकार करने और बिना बताए कार्यालय से अनुपस्थित रहने के बाद मोरे को ये नोटिस थामाया गया था। वहीं, इससे पहले 11 मई को मंत्री ने मोरे को इस पद से अपना ट्रांसफर करने और उनकी जगह अन्य अधिकारी की तैनाती के लिए फाइल तैयार करने को कहा था।

मध्य प्रदेश में सजी चुनावी चौसर, कांग्रेस और भाजपा के धनुर्धर तरकस में तीर एकत्र करने में जुटे

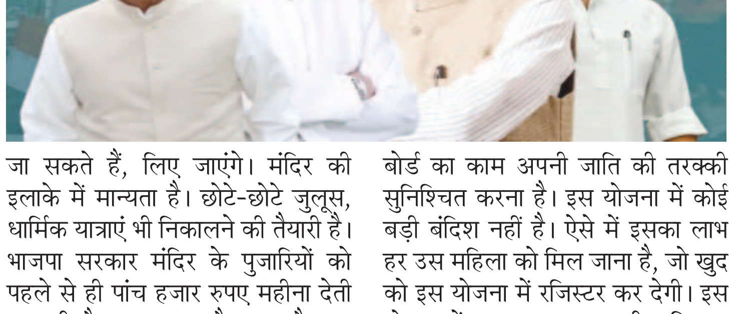

भोपाल, 17 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भाजपा एवं विपक्षी दल कांग्रेस जोर-शोर से जुट गए हैं। अभी तक की जो तैयारियां सामने आई हैं, उसके मुताबिक कांग्रेस का फोकस यूथ, एससी-एसटी, बेटियों की तरक्की है तो भाजपा बेटियों, महिलाओं, मंदिरों के विकास और जातिगत बोर्ड के जरिए हर समुदाय के विकास की बातें कर रही है। सरकार में होने की वजह से भाजपा जहां एक्शन में भी दिखाई दे रही है तो कांग्रेस अपने वेदों-इरादों के साथ मैदान में उतर चुकी है। अभी तक की तैयारियां बता रही हैं कि अनेक योजनाओं के साथ भारतीय जनता पार्टी हिंदू मतों को एकजुट करने की कोशिशों में भी जुटी हुई है। उज्जैन महाकाल मंदिर की तरह ओंकारेश्वर मंदिर को बनाने की तैयारी है। सीएम शिवराज चौहान के क्षेत्र में स्थित सकलनपुर देवी मंदिर के जीर्णोद्धार की एक चुनावी योजना पर भाजपा काम कर रही है। इसकी औपचारिक शुरुआत आगामी 31 मई से होने जा रही है। हर घर से एक ईंट एकत्र करने पर पार्टी फोकस कर रही है। माना जा रहा है कि देवी मां के इस मंदिर में जितने ज्यादा से ज्यादा लोगों के छोटे-छोटे सहयोग लिए जा सकते हैं, लिए जाएंगे। मंदिर की इलाके में मान्यता है। छोटे-छोटे जुलूस, धार्मिक यात्राएं भी निकालने की तैयारी है। भाजपा सरकार मंदिर के पुजारियों को पहले से ही पांच हजार रुपए महीना देती आ रही है। अब एक और बड़ा फैसला लिया गया है, जिसका लाभ सीधे पुजारियों को मिलने वाला है। इसके तहत जिन मन्दिरों के पास 10 एकड़ से कम जमीन है, उसकी ऊपज पूरी तरह पुजारी की होगी। सीएम शिवराज चौहान इस बीच एक नई मुहिम पर जुटे हुए हैं। वे जहां कहीं जा रहे हैं, जन सभाएं कर रहे हैं, एक जाति आधारित बोर्ड की घोषणा कर रहे हैं। अभी तक लगभग 10 बोर्ड का गठन भी हो चुका है। सभी बोर्ड अध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जा रहा है। बोर्ड का काम अपनी जाति की तरक्की सुनिश्चित करना है। इस योजना में कोई बड़ी बंदिश नहीं है। ऐसे में इसका लाभ हर उस महिला को मिल जाना है, जो खुद को इस योजना में रजिस्टर कर देगी। इस योजना में एक हजार रुपए महीना मिलना है। चंद रोज पहले ही राज्य सरकार ने 41,923 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत करके अपने इरादे भी जाहिर कर दिए हैं। यह रकम आने वाले तीन वर्षों के लिए है। मतलब साफ है कि यह पैसा हर महीने महिलाओं के खाते में जाना ही है। भाजपा सरकार की लाड़ली लक्ष्मी योजना में स्कूटी, साइकिल, कापी-किताबें और नकद रुपए तक दिए जा रहे हैं। महिलाओं से जुड़ी योजनाओं का लाभ देने में सरकार जाति-धर्म से ऊपर उठकर देख रही है। कोई बंधन नहीं है। अब तक की तैयारी बता रही है कि भारतीय जनता पार्टी नवंबर में प्रस्तावित चुनाव में बेटियां, महिलाएं, मंदिर और पुजारी को ही मुद्दा बनाने जा रही है। उधर, कांग्रेस भी मजबूती के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारी में है। पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ, दिग्गज कांग्रेसी दिग्विजय सिंह समेत पूरी टीम एकजुट होकर जिले-जिले जा रहे हैं। इस चुनाव में कांग्रेस तकनीक का तगड़ा इस्तेमाल करने वाली है। उनका वार रूम कहीं ज्यादा स्ट्रांग है। कांग्रेस लाड़ली योजना को हर महीने डेढ़ हजार रुपए के वायदे के साथ जहां महिलाओं-बेटियोंको खुद से जोड़ने में जुटी है तो यूथ भी कांग्रेस के लिए विषय है। अनेक स्कॉलरशिप लाने के वायदे कांग्रेसी कर रही है। कांग्रेस ने एससी-एसटी प्रभाव वाली सीटों पर अपना फोकस तेज कर दिया है। उनके लिए अनेक वायदे-इरादे जाहिर करने में कांग्रेस लीडर्स पीछे नहीं हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस की कोशिश है कि एसटी समाज के ज्यादा से ज्यादा प्रभावशाली लोगों को जोड़ा जाए, क्योंकि इनका अपने लोगों पर गहरा प्रभाव है। कांग्रेस अपनी हर सभा में भाजपा की तोड़-फोड़ वाली गणित का खुलासा करना नहीं भूलती। मध्य प्रदेश की अपनी पार्टी की सरकार गिराने की घटना को कांग्रेसी ठीक से उठा रहे हैं। उनकी आक्रामकता यह बता रही है कि जैसे-जैसे चुनाव करीब आएगा, कांग्रेसी हमले भाजपा पर तेज होते जाएंगे। वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र प्रताप सिंह कहते हैं कि कांग्रेस और भाजपा, दोनों अपनी तैयारियां तेज कर चुके हैं। भाजपा लाड़ली बहना योजना को अपना की-फैक्टर मान रही है, क्योंकि अब यह वायदा नहीं रही, हकीकत में बदलती हुई योजना के लिए तीन साल का बजट सुनिश्चित कर देना महत्वपूर्ण है। यह अकेली ऐसी योजना है, जिसका लाभ मध्य प्रदेश में रहने वाली हर महिला को मिलने वाली है। महेंद्र प्रताप सिंह कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को मजबूत देख पा रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार कौशल किशोर चतुर्वेदी कहते हैं कि दोनों पार्टियां अपने-अपने गोट फिट कर रही हैं। चुनावी माहौल राज्य में दिखने लगा है। भाजपा इस चुनाव में लाड़ली बहना योजना समेत अपनी सरकार की उलब्धियों के सहारे मैदान में जाने को तैयार है तो कांग्रेस अपने संक्षिप्त कार्यकाल की उपलब्धियों के अलावा भाजपा की तोड़-फोड़ नीति पर खुद का फोकस रखे है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 18 मई- 2023

कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश में भी उठ रहा विद्रोह का बवंडर

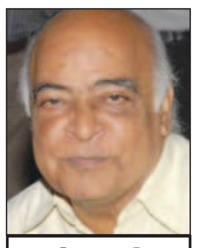

अशोक भाटिया

तमाम मुद्दों और दांव-पेच के बावजूद कर्नाटक में सत्ता बचाने में असफल भाजपा के लिए इन परिणामों के प्रभाव से दूसरे राज्यों को बचा पाना नई चुनौती बन गया है, जबकि संकेत स्पष्ट हैं कि कर्नाटक में कमल न खिलने का असर आने वाले दिनों में मध्य प्रदेश में सत्ता से संगठन तक विभिन्न स्तरों पर बदलाव के रूप में दिखाई पड़ सकता है। उसके सामने आत्मविश्वास और उत्साह से भरपूर कांग्रेस है, जिसे कर्नाटक के परिणाम से संजीवनी मिल गई है।

अब विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, मध्यप्रदेश में भाजपा की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। आने वाले दिनों में यह कम होने की बजाय बढ़ेंगी ही। राजनीति के जानकार तो यहां तक कह रहे हैं कि चुनावी साल में जिस तरह की विद्रोही लहर मध्यप्रदेश बीजेपी में उठी है, उसे जल्द से जल्द शांत नहीं किया गया तो पार्टी को 20 से 22 सीटों पर भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। पिछले चुनाव की हार से भाजपा ये तो अच्छी तरह से समझ गई है कि 22 सीटों पर नुकसान का मतलब सत्ता से बहुत दूर हो जाना है। कुछ कार्यकर्त्ता है जिनका सब्र टूट गया, इसमें दीपक जोशी जैसे कार्यकर्ता हैं। इन्हें लगता है कि अब कोई वजह नहीं रही पार्टी में बने रहने की। यहां रहने पर कोई भविष्य नहीं है।कुछ असंतुष्ट ऐसे कार्यकर्ता है जो पार्टी नहीं छोड़ रहे भाजपा के खिलाफ खुलकर बोलने लगे हैं। इसमें सत्यनारायण सत्तन जैसे लोग हैं। मुख्यमंत्री से मिलकर सत्तन भले शांत हो गए हो लेकिन उनके जैसे कई कार्यकर्ता आने वाले दिनों में मुखर हो सकते हैं।कुछ पार्टी में संतुष्ट नहीं लेकिन डिप्लोमेटिक तरीके से निपटने में माहिर है । ये ऐसे कार्यकर्ता हैं जो प्रदेश संगठन की रीति-नीति और कामकाज से संतुष्ट नहीं हैं लेकिन पार्टी में बने रहेंगे। इसके पीछे इनकी अपनी मजबूरी भी हैं लेकिन इससे पार्टी को नुकसान उठाना पड़ेगा। ये डिप्लोमेटिक तरीके से बोलते हैं और काम करते हैं। इंदौर के एक बड़े नेता जैसे और भी कार्यकर्ता आने वाले दिनों में सक्रियता दिखाएंगे।कुछ तो घुट रहे हैं लेकिन कुछ बोलेंगे नहीं जैसे कार्यकर्ताओं की अपनी सियासी मजबूरी है, जिसके चलते ये कुछ बोलेंगे नहीं। चूंकि अंदर ही अंदर घुट रहे हैं, इसलिए पार्टी को इनके रवैये से नुकसान उठाना पड़ेगा। तीन बार के विधायक दीपक जोशी का कांग्रेस में जाना भाजपा के लिए बहुत बड़ा झटका है। इससे पार्टी की छवि तो खराब होगी ही, खातेगांव, कन्नौद, बागली, हाटपीपल्या सहित आसपास की सीटों पर भाजपा को नुकसान हो सकता है। इस इलाके में स्व. कैलाश जोशी का प्रभाव रहा है। उनके बेटे दीपक जोशी ने जिस तरह कांग्रेस में शामिल होते हुए तेवर दिखाए हैं, उससे लगता है कि वे क्षेत्र में चिल्ला-चिल्लाकर भाजपाइयों के कारनामे उजागर करेंगे। कुछ जानकार ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ का उदाहरण देते हुए कहते हैं- यहां हाल ही में अशोकनगर से भाजपा से 3 बार के विधायक स्व. राव देशराज सिंह यादव के बेटे यादवेंद्र सिंह यादव ने कांग्रेस जॉइन की है। खास बात यह है कि भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा का यह गृह जिला है। राव परिवार का अशोकनगर जिले में पिछले कई सालों से दबदबा रहा है। यादवेंद्र के छोटे भाई अजय प्रताप अभी भी भाजपा सरकार में अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग निगम उपाध्यक्ष हैं। ऐसे में चुनाव से कुछ समय पहले हुई राजनीतिक उठापटक से अशोकनगर के राजनीतिक समीकरण बदलेंगे, लेकिन सबसे ज्यादा असर यादव बाहुल्य मुंगावली सीट पर दिखेगा। यहां यादव सहित अन्य समाज भी राव परिवार से जुड़े रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि मप्र में भाजपा के बड़े नेता खुलकर बयान दे रहे हैं, इससे चुनाव में पार्टी को नुकसान होना निश्चित है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी नेता (पूर्व राज्यसभा सांसद रघुनंदन शर्मा) ने केंद्रीय नेतृत्व की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठा दिया। अमूमन देखा गया है कि ऐसे मामलों को केंद्रीय नेतृत्व गंभीरता से लेता है, लेकिन मध्य प्रदेश की तुलना द्रोपदी से करके पांच प्रभारियों को पति बताना कोई हल्की बात नहीं है। यह संकेत है कि इन बयानों से असंतुष्ट नेताओं को ताकत मिलेगी। ऐसे में पार्टी के भीतर जो लोग सत्ता-संगठन से नाराज हैं, वे या तो खुलकर बगावती तेवर दिखाएंगे या फिर घर बैठ जाएंगे। कुछ नेता राजनीति में जो इशारों बोलते है, उसका असर खुलकर बोलने से ज्यादा होता है। यह सब जानते हैं। कैलाश विजयवर्गीय का बयान (भाजपा ही भाजपा को हराएगी) पार्टी के नीति-निर्धारकों के लिए तो संदेश है ही, लेकिन मूल काडर पर भी इसका असर होगा। इस बयान से साफ है कि पार्टी में नेतृत्व स्तर पर एकता नहीं है और सिंधिया समर्थकों को भाजपा के मूल काडर ने स्वीकार नहीं किया है। यदि इसे अभी नहीं रोका गया तो राज्य की पार्टी लीडरशिप के खिलाफ माहौल और बनेगा। मप्र की सियासत पर नजर रखने वाले जानकार कहते हैं कि चुनावी साल में बगावती तेवरों से उन 20-22 सीटों पर भाजपा को नुकसान होने की पूरी संभावना है, जहां सिंधिया समर्थक विधायक हैं। यानी जहां कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए विधायक है। दीपक जोशी का पार्टी छोड़ना हो या फिर भंवर सिंह शेखावत के बदले सुर, इसके साफ संकेत दे रहे हैं।भाजपा सूत्रों की मानें तो हाल ही में संगठन को मिली 14 नेताओं की रिपोर्ट में सिंधिया समर्थकों के क्षेत्रों में नाराजगी ज्यादा है। दरअसल, भाजपा के मूल नेता खासकर पूर्व विधायक और वे नेता जो चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, फिलहाल चुप हैं। उन्हें समय रहते मनाया नहीं गया तो वे चुनाव के दौरान या तो घर बैठ जाएंगे या फिर सिंधिया समर्थकों को टिकट मिलने पर एकजुट होकर नुकसान पहुंचाएंगे।इस समय भाजपा में प्यारे लाल खंडेलवाल जैसा एक भी सर्वमान्य नेता दिखाई नहीं दे रहा है, जो पार्टी के भीतर की गुटबाजी को समझता हो और जिसके कहने से असंतुष्ट मान जाएं। भाजपा की मूल विचारधारा के नेताओं की नाराजगी को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से लेकर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित कई बड़े नेताओं ने एड़ी चोटी का जोर लगा रहे है। हालांकि, दीपक जोशी पर उनकी समझाइश का कोई असर नहीं हुआ।

ऐसे में अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े नेताओं ने मोर्चा संभाला है। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश और क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने नाराज नेताओं से वन-टू-वन बातचीत करना शुरू किया है। दोनों नेताओं ने दीपक जोशी से भी संपर्क कर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन कड़वाहट इतनी बढ़ गई कि जोशी ने बातचीत के दरवाजे बंद कर दिए।भंवर सिंह शेखावत कह रहे है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थकों के कारण भाजपा की बदनामी हो रही है। जिन लोगों ने 2018 में भाजपा की सरकार नहीं बनने दी, उन्हें पार्टी में सम्मानित किया जा रहा है। शेखावत ने कहा कि यह टिकट की लड़ाई नहीं है। सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा की हालत खराब है। कांग्रेसियों के भाजपा में आने से पार्टी की हालत खराब हुई है। पार्टी में अब जमीनी कार्यकर्ता और असली नेताओं की पूछ परख नहीं होती है। वैसे कर्नाटक चुनाव के बाद ही बगावत का बवंडर नहीं उठा है यह आग तो पहले से लगी थी धुंवा अब उठाने लगा है । दरअसल अब भाजपा के कई नेताओं को ऐसा लगने लगा है कि पार्टी में अब उनका कोई भविष्य नहीं है। पिछले दिनों जो परिवर्तन हुए और जिस प्रकार नीतियां बदली गईं, उसका प्रतिकूल असर पड़ता दिख रहा है।

वरिष्ठ नेताओं को मार्गदर्शक मंडल की तरफ धकेला जा रहा है। जयंत मलैया, गौरीशंकर शेजवार, हिम्मत कोठारी जैसे नेताओं को उम्र का हवाला देकर साइड लाइन किया गया। फिर यह शर्त भी लगा दी कि पार्टी में वंशवाद नहीं चलेगा। ऐसे में नेता अपनी राजनीतिक विरासत को बचाने के लिए बगावत पर उतर रहे हैं और अन्य दलों में भविष्य की तलाश कर रहे हैं। इस समय भाजपा की लीडरशिप का निचले स्तर पर संवाद की भी कमी है। यदि संवाद होता भी है तो तल्खी भरे शब्दों का प्रयोग हो रहा है। ऐसे में पार्टी के लिए समर्पित लोग अब मुख्यधारा से हटते चले रहे हैं। छत्तीसगढ़ में ताजा उदाहरण नंदकुमार साय का है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन पार्टी में खपा दिया। दूसरी तरफ संदेश देने की कोशिश की जाती है कि भाजपा आदिवासियों के साथ है।पार्टी ने बदलाव के नाम पर 35 से 40 साल के लोगों को जिलाध्यक्ष तक बना दिया है। ऐसे में 40 से 60 साल उम्र वाले नेताओं की पूछ परख कम हो गई है, जबकि उन्हें मैदानी अनुभव ज्यादा है।

महंगाई से राहत

कुछ सालों से जो महंगाई डायन दिख रही थी अब उसका खौफ खत्म होने लगा है। अच्छी बात यह भी रही कि इस बीच कई बार मुद्रास्फीति की दर में उतार-चढ़ाव भी देखने को मिला लेकिन लोगों की क्रय शक्ति पर ज्यादा असर नहीं दिखाई दिया। फिर भी कुछ लोगों के लिए यह अब भी एक चुनौती बनी हुई है। हाल के आंकड़ों के मुताबिक, पहले खुदरा और अब थोक महंगाई की दर में आई कमी के रुख से लोगों ने राहत की सांस ली है। बता दें कि अप्रैल में खुदरा महंगाई 4.70 फीसद रही, जो बीते अठारह महीने के दौरान सबसे न्यूनतम स्तर पर है। अब थोक महंगाई भी ऋणात्मक 0.92 फीसद पर आ गई, जो पिछले करीब तीन साल में इसका न्यूनतम स्तर है। थोक महंगाई की दर शून्य से भी नीचे चले जाना बाजार में वस्तुओं की आवक के लिहाज से बेहद सकारात्मक है। जाहिर है इसका स्वाभाविक असर वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। अक्सर देखा गया है जब भी थोक महंगाई का स्तर नीचे तो चला जाता है लेकिन बाजार में पहुंच कर खरीदने में लोगों को इसका असर नहीं दिखाई देता तो वे झल्लाने के अलावा कुछ नहीं कर पाते। लेकिन इस बार थोक के साथ ही खुदरा महंगाई के आंकडों ने भी राहत दी है। इससे आम उपभोक्ता राहत महसूस कर रहा है। महंगाई दर में आया यह बदलाव इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि बीते ग्यारह महीने के दौरान आरबीआई यानी भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से तय खुदरा महंगाई 'सहनीय स्तर' से ऊपर ही चल रही थी। इस दौरान आरबीआइ को इसे चार फीसद तक सीमित रखने का लक्ष्य मिला हुआ है, जिसमें दो फीसद की कमी या बढ़ोतरी की गुंजाइश छोड़ी गई है। यानी महंगाई दर दो से छह फीसद तक रहे, तो इसे नियंत्रण में ही माना जाता है। लेकिन इसमें असंतुलन होने पर आरबीआइ को हस्तक्षेप करना पड़ता है। कोरोना कोरोना जैसी महामारी और पूर्णबंदी के असर से बाजार की जो डांवाडोल स्थिति बनी थी, उसके बाद खाने-पीने से लेकर ज्यादातर जरूरत की चीजों की कीमतें बहुत सारे लोगों की पहुंच से दूर हो गई थीं। खासतौर पर सब्जियों के दाम सुन कर ही ग्राहक कांप उठता था। यह सीधे-सीधे लोगों की आय और क्रय शक्ति से जुड़ा मामला था। देखा जाए तो रोजगार और लोगों की आय के मामले में अभी भी कोई बड़ा सुधार दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन महंगाई दर में आई कमी इस चुनौती का सामना करने में मददगार साबित हो रही है। मुश्किल तब और बढ़ जातीहै जब कई बार महंगाई में कमी के आंकड़ों का असर धरातल पर कहीं दिखता नहीं है। बता दें कि बेलगाम महंगाई को काबू में करने के मकसद से भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले करीब एक साल में रेपो दरों में करीब ढाई फीसद की बढ़ोतरी की है। इसका रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली वस्तुओं की कीमतों पर तो कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ा, लेकिन इसकी वजह से घर बनाने व खरीदने के लिए लिए जाने वाले ऋण सहित सभी तरह के ऋण महंगे हो गए। अब महंगाई की दरों के नियंत्रण की स्थिति में आने के बाद उम्मीद की जा रही है कि केंद्रीय बैंक की ओर से रेपो दरों में भी कटौती हो सकती है। मगर महंगाई के मामले में ताजा रुख का हासिल तभी राहत के रूप में सामने आ सकता है, जब इसमें स्थिरता रहे और यह आम लोगों की आय और क्रयशक्ति की सीमा के अनुपात में संतुलित रहे। साथ ही, यह भी ध्यान रखने की जरूरत होगी कि खुले बाजार में वस्तुओं की कीमतों के समांतर उनकी उपज सुनिश्चित करके आपूर्ति करने वाले किसानों को भी उनके उत्पाद की उचित कीमत मिल सके। अगर किसानों के सामने अनाज या कोई अन्य खाद्य पदार्थ कौड़ियों के भाव बेचने की नौबत आती है और उसी वस्तु की कीमत खुले बाजार में ऊंची होती है तो यह एक तरह से असंतुलित अर्थ व्यवस्था होगी और इसका असर सभी उपभोक्ताओं पर पडे बिना नहीं रहेगा।

राजनीति में कुरसीमाई !

सुनील महला

न जाने किसने बनाई है ? कुर्सी में ही असली मलाई है। आज की इस दुनिया में कुर्सी के प्रति खूब रूझान है, कुर्सी ही जहान है, कुर्सी ही महान है। कुर्सी पर बैठते ही सबको राजा का सा अहसास होता है। अंग्रेजी में कहते जिसे 'चेयर' है, कुर्सी प्राप्ति के लिए इस दुनिया में सबकुछ 'फेयर' है। कुर्सी आदमी को देती 'चीयर'(खुशी) है, कुर्सी है तो न किसी का 'फीयर'(डर) है। कुर्सी राजनेताओं की असली हमदम है। कुर्सी है तो जीवन चमाचम है। कुर्सी नहीं है तो ग़म ही ग़म है, हर तरफ फिर तम ही तम (अंधेरा) है। कुर्सी कंचन है, कुर्सी वंदन है, कुर्सी ही चंदन है, कुर्सी अभिनंदन है। कुर्सी पावर है, कुर्सी पर दिलो-जान न्यौछावर है। रामलुभाया जी नेता हैं।

नेता और कुर्सी का सीधा संबंध है। रामलुभाया जी कुर्सी पर बैठकर जुबान हिलाते हैं। काम सारे पल में कुर्सी के बल करवाते हैं। कुर्सी की यही तो असली खूबी है, यही जूही यही रूबी है। शासन की कुर्सी में ठाठ ही ठाठ हैं, पावर में नौकर-चाकर, बंगला-गाड़ी अस्सी गुणा आठ हैं। आओ आओ खा-पी लें कुर्सी की मलाई, राजनीति में बेस्ट है कुरसी माई। ये कुर्सी तो है बड़ी हाई-फाई। एक बार हाथ आई तो बन बैठते राजनेता जैसे हो शासन के जंवाई।

मन में लड्डू ही लड्डू कुर्सी हासिल होने के बाद फूटते। न होती हासिल कुर्सी तो राजनेता हर ऱोज रूठते। फिर आंसू ही आंसू गालों से उनके छूटते। कुर्सी से चेहरे पर होता है इनके वसंत। आम आदमी का फिर पांच साल ले लेते हैं ये अंत। महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, लालफीताशाही कुर्सी को न आते कभी नजर। लेते हैं राजनेता अपनी व अपनी सातों पीढ़ियों की ही खबर।

कुर्सी से जाते पांच साल तक चिपक। माल कितना बना लिया, लगती नहीं किसी को तनिक भी भनक। कुर्सी से होता है सभी नेताओं को खूब मोह, चाहते नहीं कभी भी कुर्सी से बिछोह। कितनी बड़ी बात है कि हमारे नेता कभी जमीन पर बैठने का करते नहीं अभ्यास। होता है कुर्सी हथियाने का उनका सदा ही नायाब प्रयास। कुर्सी की आश(आशा) में ही सभी राजनेता हैं जीते। सत्तासीन होकर सुख के घूंट ही सब पीते। वो एक दिन रामलुभाया जी की पत्नी ने रामलुभाया जी से कहा-'अजी ! बीच-बीच में आम आदमी की तरह आप भी तो जमीन पर बैठा करो।

यूं कुर्सी को लेकर सदा ही न ऐंठा(शेखी बघारना) करों, क्यों कि हर वक्त कुर्सी नसीब नहीं होती है, अजी ! कभी नाव गाड़ी पर तो कभी गाड़ी नाव पर होती है। अजी ! कुर्सी साधारण से साधारण आदमी को भी भाषण सिखलाती है। भाषण ही राजनेताओं व राजनीति की असली थाती है।

लोकतंत्र के नासूर - परिवारवाद, जातिवाद और तुष्टीकरण

ड़ा. सूर्य प्रकाश अग्रवाल

भारत में संविधान लागू होने के तुरंत बाद से ही जहां भारत में गौरवशाली लोकतंत्र की व्यवस्था प्रारम्भ हुई वहीं प्रारम्भ से ही इस व्यवस्था में परिवारवाद, जातिवाद और तुष्टीकरण के जबरदस्त नासूरों ने भी जन्म ले लिया। यह तीनों नासूर अब इस स्थिति में पंहुच गये है कि उनका बड़ा आपरेशन होना जरुरी हो गया है वरना् तो राष्ट्र की एकता को अक्षुण रखने की शपथ लेने वाले राजनेता ही देश को खंड़ित कर देंगे क्योंकि सभी नेता जनता की सेवा करने की बजाय प्रधानमंत्री अथवा प्रमुख मलाईदार विभाग के मंत्री ही बनना चाहते है।

एक धंधा अथवा एक व्यापारिक संस्थान की स्थापना करने की तर्ज पर राजनीतिक दल स्थापित किये जाते है फिर दल के संस्थापक ने अपने परिवार के योग्य अथवा अयोग्य उत्तराधिकारियों के द्वारा दलों को संभालने के लिए दे दिये जाते है। ऐसी व्यवस्था जम्मू व कश्मीर से लेकर महाराष्ट्र तथा सभी राज्यों में विस्तृत होती गयी। परिवारवाद का तात्पर्य दो अर्थो में लिया जाता है। एक यह है कि एक राजनीतिक दल की कमान उस दल को स्थापित करने वाले राजनेता के परिवार में से ही किसी सदस्य ने संभाली और द्वितीय यह है कि एक सांसद या विधायक की मौत के बाद उसके परिवार के सदस्य को टिकट मिलना अथवा जिन्दा रहते हुए एक सांसद अथवा विघायक के द्वारा स्वंय पद पर बन रहते ही अपने बेटा व बेटी अथवा नजदीकी रिश्तेदार के सदस्यों को ही टिकट दिलवाने का दबाव बनाना।

ऐसी स्थिति में योग्यता की कोई कीमत नहीं होती है। कक्षा 5, कक्षा 10 अथवा 12वीं पास/ फेल सदस्य भी पार्टी का अध्यक्ष बन जाता है अथवा मंत्री पद की कमान संभाल सकता है। मुलायम सिंह यादव का परिवार हो अथवा लालू प्रसाद यादव का हो अथवा करुणानिधी का हो अथवा ठाकरे का हो अथवा प्रसिद्ध गांधी परिवार हो आदि ऐसे अनगिनत पारिवारिक राजनीतिक दल है जिनकी कमान उनके परिवार अथवा परिवार का ही कोई सदस्य अथवा उनका कोई बड़ा चमचा राजनेता ही संभालेगा अथवा सभांल रहा है। परिवारवाद से राजनीतिक व्यवस्था में जहां जातिवाद फैलता है वही भ्रष्टाचार भी जबरदस्त फैलता है। प्रत्येक जाति लामबंद होने लगती है और उनकी जाति के वोटों की सौदेबाजी शुरु हो जाती है। सत्ता में जो दल होता उस पर दबाब बना कर आरक्षण प्राप्त करना व अपनी जाति को अनुसूचित जाति में शामिल करवाना अथवा स्वंय को पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, महादलित सिद्ध करने की कोशिश करती है। भारत ही एक ऐसा देश हैं जहां कोई भी व्यक्ति अथवा वर्ग स्वंय को पिछड़ा घोषित करवाने में गौरवान्वित महसूस करता है जो सत्ताधारी दल उनको आरक्षण का लोलीपोप थमा देते है उस जाति के वोट भी उसी सत्ताधारी दल को दिलवाने का दम्भ भरा जाता है। ऐसे राजनीतिक दल के दो, दो, तीन, तीन अथवा पांच, पांच विधायक चुने जाने पर भी मंत्री पद पर दावा ठोंकने लगते है।

देश में मुस्लिम तुष्टीकरण, मुसलमानों से थोक के हिसाब में एकजुट वोट प्राप्त करने के लालच में की जाती है। इस नीति से मुसलमान ही पिछडे. रह जाते है और वे मात्र वोट बैंक बन कर रह जाते है। मजहब के आधार पर 1947 में देश के बंटवारे के बाद यह सोचा गया था कि मजहब व धार्मिक विभाजन की खाई समाप्त हो जायेगी लेकिन वोट बैंक की राजनीति करने वालों ने इस खाई को और भी चैड़ा कर दिया। कांग्रेस व क्षेत्रीय दल मुस्लिम तुष्टीकरण बड़े पैमाने पर करते है। तुष्टीकरण के कारण ही हिन्दू समाज दोयम दर्जे का समाज बन कर रह गया है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री ड़ॉ मनमोहन सिंह ने तो यहां तक कह दिया था कि देश के संसाधनों पर प्रथम हक मुसलमानों (अल्पसंख्यकों) का है। हिन्दू समाज चाहता है कि समान नागरिक संहिता लागू हो जाय। जब आईपीसी (भारतीय दंड़ संहिता) में समान नागरिक संहिता लागू है तो अन्य मामलों में क्योा नहीं लागू की जा सकती है।? वरना तो आईपीसी में दंड़ के प्रावधान मुसलमानों के लिए शरीयत के मुताबिक और गैर मुसलमानों के लिए गैर शरीयत के अनुसार दंड़ की व्यवस्था की जाय। जो अपराधी मुसलमान है उन्हें उनके मजहब के अनुसार अर्थात शरीयत के अनुसार सजा दी जाये अन्यथा तो अन्य कानूनों में भी समान नागरिक संहिता के प्रावधान लागू किये जाये। धर्मनिरपेक्ष देश भारत में सभी धर्मों के अलग अलग कानून समाप्त किये जायें। भारत में लोकतंत्र व समानता की बात संविधान में की जाती है तो फिर समान नागरिक संहिता को लागू करने में कैसी विडम्बना है। इससे देश के सभी समुदायों में विवाह, तलाक, उत्तराधिकारी आदि में एक समान नियम लागू होने चाहिए। संविधान में समान नागरिक संहिता को देश भर में लागू करने की सलाह को संविधान लागू होने के कई दशक व्यतीत हो जाने के उपरान्त भी इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हो सकी है। राष्ट्र की मुख्य धारा में देश के सभी समुदाय व वर्ग आने चाहिए। इससे सभी को प्रगतिशील व विकासशील बनने का गौरव प्राप्त होगा। देश के सभी वर्गो व समाज को रुढिवादी, कट्टरवादी तथा अंधविश्वासी परम्पराओं से बाहर निकलना चाहिए। आधुनिक सोच को जो वर्ग अपना सके है उनका विकास हुआ है। मुसलमानों की आधी आबादी कड़े पर्दे व हिजाब में कैद है तो उससे मुसलमानों के परिवार आर्थिक रुप से पिछड़ गये जिसका प्रभाव यह पड़ा कि सम्पूर्ण मुस्लिम समाज पिछड़ गया परन्तु मुसलमान अपने पिछड़ेपन की वजह को हिन्दुओं से संबंधित करके मानते है और प्रचारित करते रहते है। जो कतई उचित नहीं है।

कर्नाटक में मुस्लिम महिलाओं ने राजनीतिक कारणों से हिजाब का समर्थन करके बबाल काटा इसका दुष्परिणाम यह होगा कि आगामी दस वर्षों में ही यह देखा जायेगा कि वे बहुत पिछड़ गई हैं। जिसकी जिम्मेदारी उनकी स्वंय की ही होगी परन्तु वो इस जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं करेंगी। इससे मात्र मुस्लिम मर्दो को अपनी महिलाओं को पर्दे व हिजाब में कैद करने का मौका मिल गया। इस पर्दे प्रथा पर खुब राजनीति हुई चूंकि स्कूलों में सभी समाज के बच्चे पढ़ते है तो वहां एक विशेष यूनिफार्म लागू होती है तो वहां हिजाब अथवा पर्दा का कोई औचित्य ही नहीं है। अब यदि मुस्लिम महिलाऐं सेना तथा पुलिस में भर्ती होती है तो वहां वर्दी के स्थान पर पर्दा व हिजाब को पहनेंगी। वास्तविकता यह भी है कि यह झूठ फैलाना था कि भाजपा मुसलमानों के विरुद्ध है। देश की केन्द्र व राज्य सरकारों के द्वारा सुनिनिश्चत किया गया कि बिना जाति व मजहब के आधार पर भेद किये सभी को बराबर लाभ दिया जा रहा है। परन्तु विभाजनकारी तत्व तुष्टीकरण से देश की अखंड़ता को खतरा उत्पन्न कर देते है। सभी भारतीय नागरिकों का यह पुनीत कर्तव्य हो जाता है कि वे जाति, मजहब तथा परिवार के आधार पर राजनीति करने से परहेज करें जिससे देश की एकता अक्षुण रहे तथा अंखड़ भारत से ही शक्तिशाली भारत बनेगा जिससे सभी भारतियों का भला व विकास हो सकता है। समान नागरिक संहिता का विरोध अखंड़ता का विरोध होगा और देश का विकास अवरुद्ध हो जायेगा। जातिवादी राजनीति करने वाले राजनेता ही जातिगत जनगणना करवाने की वकालत करते है जिसके उच्छे परिणाम नहीं निकलेंगे। इससे मात्र वर्ग संघर्ष ही उत्पन्न हो सकता है परन्तु राजनेता चाहते है कि जब तक वर्ग संघर्ष नहीं होगा उन्हें सत्ता हासिल ही नहीं होगी।

राजनीति से विलुप्त होती नैतिकता और सदाचार

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है,किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय और ना जाने कितने महान व्यक्तियों ने नैतिकता और संस्कृति में एकजुट होकर ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का पतन, क्षरण आरंभ हो गया। इसी तरह राजनीति से धीरे-धीरे सदाचार तथा विनम्रता का भी ब्लॉक होता जा रहा है1 राजनीति सिद्धांत से विमुख होती गई तथा इसकी दशा और दिशा मैं नैतिकता का क्षरण तथा पतन धीरे-धीरे प्रारंभ हो गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है की राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन केन प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है,और यही कारण है कि आज अधिकतर भारतीय राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, एवं उन पर मुकदमा भी चल रहा है। यह सर्व विदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है इसका उपयोग में अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। इस तरह पूरे राज्य स्वदेश के संसाधनों का किसी एक क्षेत्र में निवेश करते जाते हैं, जो अनैतिकता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। राजनीति में भाई भतीजावाद एक सामान्य बहुत चर्चित लक्षण है, कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो कोई भी बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी ,बेटे आदि को मिल जाए, इतना ही नहीं कई बार सगे संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटलिस्म यानी उद्योगपतियों एवं राजनीतिज्ञों का आपस में गठजोड़ को क्रोनी कैपिटलिस्म माना जाता है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने मैं कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीलिए संविधान तथा इस अधिनियम में जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता एवं एवं अपराधिक निर्योग्यता का प्रावधान किया जाना चाहिए जिससे राजनीति थोड़ी साफ सुथरी हो और नैतिकता तथा आत्मबल में वृद्धि हो। पढ़े लिखे, शिक्षित लोगों की राजनीति में आने से वहां का वातावरण थोड़ा शुद्ध होने की संभावना बनती है,और देश के विकास को भी बल मिलता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि सामान्यता अपराधी प्रवृत्ति लोगों को विधानसभा या लोकसभा में टिकट नहीं दी जानी चाहिए, जिससे उनका राजनीति में प्रवेश प्रतिबंधित हो सके। प्रायः देखा गया है कि अनैतिकता की शुरुआत अधिक धन के संचालित होती है।

आदर्शनवान जुएं

डॉ. सुरेश कुमार

जूँ बड़े आदर्शवान होते हैं। उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है। वे बड़े मेहनती होते हैं। वे हमारी तरह ईर्ष्यालु अथवा झगड़ालु नहीं होते। वे अत्यंत मिलनसार तथा भाई-चारा का संदेश देने वाले महान प्राणी होते हैं। इस सृष्टि की रचना के आरंभ से उनका और हमारा साथ फेविक्विक से भी ज्यादा मजबूत है। वे जिनके भी सिर को अपना आशियाना बना लेते हैं, उसे मंदिर की तरह पूजते हैं। 'तुम ही मेरे मंदिर, तुम ही मेरी पूजा, तुम ही देवता हो' की तर्ज पर हमारी खोपड़ी की पूजा तन-मन से करते हैं। जुँएँ बाहुबली की तरह शक्तिशाली होते हैं। उनकी पकड़ अद्वितीय है। उनकी चाल-ढाल और गतिशीलता बिजली की भांति तेज होती है। हम तो उनके सामने फेल हैं। पलक झपकते ही सिर में ऐसे गायब हो जाते हैं जैसे उनके पंख लगे हों। वे बड़े संघर्षशील तथा अस्तित्वप्रिय होते हैं। वे हमारी तरह डरपोक नहीं होते। बड़ी-बड़ी मुसीबतों का सामना हँसते-हँसते करते हैं। वे धूप, बरसात, आंधी, बाढ़ सबका सामना 'खड़ा हिमालय बता रहा है, डरो न आंधी पानी में, खड़े रहो तुम अविचल होकर, सब संकट तूफानी में' की तर्ज पर करते हैं। किसी की मजाल जो उन्हें भगा दें। जब तक उनके बारे में खोपड़ी वाले को पता न चले, तब तक वे बाहर नहीं निकलते। बेचारे अपने सभी काम उस छोटी सी खोपड़ी पर करते हैं। कभी जगह की कमी की शिकायत नहीं करते। जो मिला उसे भगवान की देन मानकर उसी में अपना सब कुछ लगा देते हैं। स्थान और समय प्रबंधन के महागुरु हैं। हमारे नहाने के साथ वे नहा लेते हैं। त्यौहार का दिन हो तो उनका जीना मुश्किल हो जाता है। उस दिन शैंपू, हेयर क्लीनर के नाम पर न जाने कितने रासायनिक पदार्थों का सामना करते हैं। फिर भी जुँएँ संघर्ष का परचम फहराने से नहीं चूकते।

मेष– सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वृषभ– शनि देव के नामों का जप करें।

मिथुन– शनि देव को काली उड़द चढ़ाएं।

कर्क– राजा दशरथ द्वारा रचित शनि स्त्रोत्र का पाठ करें।

सिंह– सिंदूर और चमेली के तेल से हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।

कन्या– उपवास रखें और शनि देव के मंत्रों का जप करें।

तुला– शनि देव का अभिषेक सरसों के तेल से करें।

वृश्चिक– हनुमान चालीसा का पाठ करें और चींटियों को चीनी और आटा डालें।

धनु– पीपल के नीचे दीपक जलाएं।
मकर– शनि देव के मंत्रों का जप करें।

कुंभ– हनुमान जी की उपासना करें और नीलम रत्न धारण करें।

मीन– बजरंग बाण का पाठ करें और गरीबों की मदद करें।

शनि जयंती कल: पूजन में शनि को चढ़ाएं तेल, तिल और शमी पत्ते

ज्येष्ठ अमावस्या पर राशि अनुसार कर सकते हैं शुभ काम

शुक्रवार, 19 मई को नौ ग्रहों के न्यायाधीश शनि देव की जयंती है। शनि के पिता सूर्य देव और माता छाया हैं। यमराज और यमुना जी इनके भाई-बहन हैं। शनि मकर और कुंभ राशि का स्वामी है।

ज्योतिष में शनि को ग्रहों का न्यायाधीश माना जाता है। शनि जयंती पर पूजन में तेल, तिल के साथ ही शमी के पत्ते जरूर चढ़ाना चाहिए। शनि के मंत्र ऊँ शं शनैश्चराय नमः का जप कम से कम 108 बार करें।

अमावस्या पर करना चाहिए पितरों के लिए धूप-ध्यान

ज्येष्ठ अमावस्या पर शनि पूजा करनी चाहिए। साथ ही पितरों के लिए भी धूप-ध्यान जरूर करें। घर-परिवार के मृत सदस्यों को पितर देव माना जाता है। अमावस्या की दोपहर में गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और जब कंडों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें और पितरों का ध्यान करें। इसके बाद हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों को जल चढ़ाएं। इस दिन धूप-ध्यान के बाद जरूरतमंद लोगों को अनाज, धन, कपड़े, जूते-चप्पल, छाते का दान करें। किसी प्याऊ में मटके का दान भी कर सकते हैं।

शनि पूजा में शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जप करें। शनि देव के भोग के लिए तिल और तेल से बने व्यंजन बनाएं। शनि देव की प्रतिमा पर तेल चढ़ाएं। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। जानिए इस दिन राशि अनुसार कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

सतयुग में सावित्री ने पति के लिए रखा था तीन दिनों तक व्रत तब से है ये परंपरा

ज्येष्ठ महीने की अमावस्या पर वट सावित्री व्रत किया जाता है। ये इस बार 19 जून को रहेगा। नारद पुराण में इसे ब्रह्म सावित्री व्रत भी कहा है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना के साथ बिना कुछ खाए निर्जल व्रत करती हैं। साथ ही वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ की पूजा और परिक्रमा कर के सौभाग्य की चीजों का दान करती हैं।

वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा या अमावस्या के 3 दिन पहले से ही शुरू हो जाता है। ये व्रत त्रयोदशी तिथि यानी किसी भी पक्ष के तेरहवें दिन से शुरू होता है। ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि सावित्री ने भी अपने पति के जीवन के लिए लगातार 3 दिनों तक व्रत रखा था।

पौराणिक कथाओं के मुताबिक माना जाता है कि वट वृक्ष के मूल यानी जड़ों में भगवान शिव, मध्य में भगवान विष्णु और अग्रभाग में ब्रह्माजी रहते हैं। इसीलिए वट वृक्ष यानी बरगद को देव वृक्ष भी कहा गया है। इनके साथ देवी सावित्री का वास भी इसी पेड़ में माना जाता है।

सौभाग्य के लिए शिव-पार्वती और सावित्री पूजा ज्येष्ठ महीने में ये व्रत किया जाता है। इस व्रत के एक दिन पहले महिलाएं मेहंदी लगाती हैं और सौलह श्रंगार की तैयारियां करती हैं। ऐसा करने के पीछे वैवाहिक जीवन में सौभाग्य और पति की लंबी उम्र पाने की कामना होती है।

व्रत वाले दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले उठकर घर की सफाई कर के नहाती हैं। इसके बाद पूजा की तैयारियों के साथ नैवेद्य बनाती हैं। फिर बरगद के पेड़ के नीचे भगवान शिव-पार्वती और गणेश की पूजा करती हैं। इसके बाद उस पेड़ को पानी से सींचती हैं। फिर पेड़ पर सूती धागा लपेटती हैं। श्रद्धानुसार कुछ महिलाएं 11 या 21 बार पेड़ की परिक्रमा के साथ धागा लपेटती हैं। कुछ महिलाएं 108 परिक्रमा भी करती हैं।

दक्षिण भारत में करादाइयन नौंबू
ये व्रत उत्तर भारत में ज्येष्ठ महीने की अमावस्या को किया जाता है। वहीं देश के कुछ हिस्सों में इसी महीने की पूर्णिमा पर ये व्रत किया जाता है। वट सावित्री व्रत खासतौर से मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र में किया जाता है। वहीं दक्षिण भारतीय विवाहित महिलाएं विशेष रूप से तमिलनाडु और कर्नाटक में करादाइयन नौंबू के नाम से ये व्रत करती हैं।

पहली बार रख रही हैं वट सावित्री का व्रत तो जरूर जान लें नियम

जेष्ठ (जेठ) माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर वट सावित्री का व्रत रखा जाता है। विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु एवं सुखी जीवन के लिए यह व्रत रखती हैं। पंचांग के मुताबिक इस साल वट सावित्री पूजा 19 मई को है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस दिन अखंड सौभाग्य और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिए सुहागिन महिलाएं विधि विधान पूर्वक बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं और उसकी परिक्रमा करती हैं। अगर आप पहली बार यह व्रत करने जा रही हैं तो आपको कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

अयोध्या के ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम बताते हैं कि वट सावित्री का व्रत करवाचौथ के व्रत से भी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। जो सुहागिन महिलाएं वट सावित्री व्रत पहली बार रखने जा रही हैं उनके लिए कुछ नियम बताए गए हैं।

जानिए क्या है पूजा विधि
सुहागिन महिलाओं को सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना चाहिए। उसके बाद सावित्री सत्यवान की मूर्ति, कच्चा सूत, अक्षत, सिंदूर, बांस का पंखा, लाल कलावा, धूप, अगरबत्ती, मिट्टी का दीपक, सुहाग का श्रृंगार, मौसमी फल, इतर, सुपारी रोली, बताशा, कपड़ा, नारियल, पान का पत्ता इत्यादि को पूजन सामग्री में शामिल करना चाहिए।

वट सावित्री व्रत के नियम

यदि कोई सुहागिन महिला पहली बार वट सावित्री व्रत रखने जा रही है तो उन्हें सबसे पहले स्नान के बाद लाल रंग की साड़ी पहनना चाहिए और श्रृंगार करना चाहिए। इसके बाद, वटवृक्ष यानी बरगद के पेड़ के नीचे साफ-सफाई कर व्रत का संकल्प लेना चाहिए। गंगाजल का छिड़काव करना चाहिए। उसके बाद धूप और अगरबत्ती जलाना चाहिए। वट वृक्ष के चारों तरफ सात बार कच्चा धागा लपेटें और उसकी परिक्रमा करें।

इसके बाद, वट सावित्री व्रत का कथा सुननी चाहिए फिर पैसे देकर अपनी सास से आशीर्वाद लें। ऐसा करने से पति को दीर्घायु मिलती है। पूजा करने के बाद जो भी फल, फूल, अनाज और कपड़ा है उसको एक टोकरी में रख कर किसी ब्राह्मण को दान करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि होती है।

वट सावित्री अमावस्या पर बन रहे 3 दुर्लभ संयोग

सनातन धर्म के धार्मिक ग्रंथों में कई ऐसे व्रत त्योहारों का उल्लेख मिलता है जिन्हें करना सौभाग्य माना जाता है। इन्हीं में से एक है वट सावित्री व्रत। इस व्रत का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस बार वट सावित्री का व्रत 19 मई 2023 दिन शुक्रवार को रखा जा रहा है।

वट सावित्री व्रत का शुभ मुहूर्त

वट सावित्री का व्रत हर साल ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को रखा जाता है। इस बार अमावस्या तिथि की शुरुआत 18 मई 2023 दिन गुरुवार को रात 09:42 पर शुरु होगी जो अगले दिन 19 मई 2023 की रात 09:22 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार वट सावित्री का व्रत 19 मई 2023 दिन शुक्रवार को रखा जाएगा।

वट सावित्री व्रत शुभ संयोग

वट सावित्री का व्रत रखने वाले दिन में शोभन योग का निर्माण होने जा रहा है। ये योग 18 मई को शाम 7:37 से 19 मई को शाम 6:16 तक रहने वाला है। इसके अलावा इस दिन शनि जयंती और ज्येष्ठ अमावस्या भी पड़ रही है। इस वर्ष वट सावित्री व्रत पर ग्रहों की स्थिति बेहद खास होने वाली है। इस दिन शनिदेव अपनी स्वयं की राशि कुंभ में विराजमान होंगे। जिससे शश योग का निर्माण होगा। ऐसे में इस दिन शनि देव की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति की जा सकती है। इसके अलावा इस दिन चंद्रमा गुरु के साथ में इस राशि में होंगे, जिससे गजकेसरी योग का निर्माण भी होगा।

वट सावित्री व्रत का महत्व

वट सावित्री व्रत में बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है। बरगत के पेड़ में त्रिदेव जड़ में ब्रह्मा, तने में विष्णु और शाखाओं में भगवान शिव का वास होता है। मान्यता के अनुसार इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत करती हैं। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन माता सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान को छीन कर ले आईं थी। कहते हैं इस व्रत को जो भी सुहागिन महिला करती है उसे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

कर्नाटक की ऐसी नदी जो एक बार में करती है हजारों शिवलिंगों का जलाभिषेक

भारत में ऐसे स्थानों की बिल्कुल कमी नहीं हैं, जिन्हें 'विचित्र स्थान' कहा जा सकता है। कर्नाटक में ऐसी ही एक जगह है जहां नदी के किनारे विशालाकार चट्टानों पर 10 या 20 नहीं बल्कि हजारों की संख्या में शिवलिंग बने हुए हैं। यहां सिर्फ शिवलिंग ही नहीं भगवान गणेश, नंदी, सांप आदि आकृतियां जो महादेव से जुड़ी हुई हैं, भी बनी हुई है।यह नदी एक बार में ही इन हजारों शिवलिंगों का जलाभिषेक करती है। आइए आपको इस विचित्र स्थान और इससे जुड़ी लोककथाओं के बारे में बताते हैं।

शिवभक्तों के लिए रहस्य है यह जगह
शलमाला नदी के किनारे स्थित इस पवित्र स्थान को सहस्त्रलिंग के नाम से जाना जाता है। इस नदी के तट पर लगभग हर एक चट्टान पर भगवान महादेव का लिंग बनाया हुआ है। यहां सिर्फ भगवान शिव ही नहीं बल्कि नंदी (भगवान शिवा की सवारी), प्रथम पूज्य भगवान गणेश और सांप की आकृतियां भी उकेरी हुई है।

लेकिन सबसे बड़ा रहस्य यह है कि आखिर नदी के किनारे चट्टानों पर एक-दो या 10-20 नहीं बल्कि 1000 से भी ज्यादा शिवलिंग की आकृति आयी कहां से? आखिर शलमाला नदी अपने आंचल में ऐसी कौन सी धरोहर को समाए निश्छल बहती जा रही है, यह एक गहरा रहस्य है।

कंकर-कंकर शंकर है

सिरसी से लगभग 13 किमी दूर एक छोटे से गांव सोंडा के पास से घने जंगलों के बीच से होकर शांत भाव से शलमाला नदी बहती है। इस नदी में इतनी विशाल पत्थर हैं जिन्हें नदी से हटाना तो दूर हिलाना भी संभव नहीं है। माना जाता है कि गहरे धूसर रंग के ये चट्टानें जिनपर शिवलिंग बने हुए हैं, सफ्टिक से निर्मित है। इस नदी के हर छोटे-बड़े यहां तक कि जो शिलाएं नदी के तल में हमेशा डूबी हुई रहती हैं, उन पर भी आपको शिवलिंग की आकृति देखने को मिलेगी। इनमें से कुछ पत्थरों पर नाग देवता और कुछ पर नंदी महाराज की भी आकृति बनायी हुई है। कुछ चट्टानों पर एक तो कुछ पर दो शिवलिंगों की आकृति उकेरी गयी है। पास ही नदी पर एक झुलता पुल है, जिससे होकर उस पार स्थित गांव में जा सकते हैं। इस पुल से नदी के बीच में बने सभी शिवलिंगों का विहंगम दृश्य देखना बेहद अच्छा लगता है।

विशालतम चट्टान पर बने हैं नंदी महाराज
शलमाला नदी के सबसे विशाल चट्टान पर भगवान महादेव की सवारी नंदी महाराज की आकृति बनायी हुई है। यह चट्टान लगभग 6 फीट ऊंची, 12 फीट लंबी और 5 फीट चौड़ी है। इस विशालाकार पाषाण का वजन कई क्विंटल हो सकता है।

इस पत्थर को देखकर समझ में आता है कि इन आकृतियों को कहीं और बनाकर नदी में स्थापित नहीं किया गया है बल्कि नदी में ही बैठकर चट्टानों पर इन आकृतियों को तराशा गया है। यहां चट्टानों पर कितने शिवलिंग, नंदी या सांप की आकृति तराशे गये हैं, उसकी कोई सही जानकारी उपलब्ध नहीं है।

शिवलिंगों से जुड़ी लोककथाएं

इन शिवलिंगों से जुड़ी 2 लोककथाएं सुनने में आयी है। पहली कहानी के अनुसार सोंडा या स्वादि अकसप्पा नायक के राजा की कोई संतान नहीं थी। इसलिए उन्हें एक ऋषि ने सहस्र शिवलिंगों का निर्माण करवाने की सलाह दी। राजा ने शलमाला नदी में उपलब्ध प्रत्येक शिला पर शिवलिंग बनवाया। कहा जाता है कि इसके बाद ही राजा को संतान सुख की प्राप्ति हुई और तभी यह स्थान मनोकामनाएं पूरी करने के लिए लोकप्रिय भी हुआ। दूसरी लोककथा के अनुसार 16वीं सदी के राजा सदाशिवराय वर्मा भगवान महादेव के काफी बड़े भक्त थे। उन्होंने भगवान शिव के लिए कुछ ऐसा करने के बारे में सोचा ताकि उनके मरने के बाद भी भगवान शिव का जलाभिषेक होता रहे। इसलिए उन्होंने शलमाला नदी में 1678 से 1718 के बीच सहस्रशिवलिंगों और उनके संबंधित आकृतियों का निर्माण करवाया। यहां हर साल शिवरात्री पर विशाल मेला लगता है।

कब और कैसे जाएं सहस्त्रलिंग

सहस्त्रलिंग नदी में स्थित शिवलिंग हैं, इसलिए भगवान शिव के इन पवित्र लिंगों का दर्शन करने के लिए सही मौसम का होना बेहद जरूरी है। मानसून के समय सभी लिंग नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से पानी के नीचे चले जाते हैं। इसलिए सहस्त्रलिंग का दर्शन करने के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सही होगा। सहस्त्रलिंग कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में स्थित हिल स्टेशन सिरसी से करीब 14 किमी की दूरी पर सोंडा गांव में है।

यहां पहुंचने के लिए नजदीकी एयरपोर्ट हुबली है जो सिरसी से 87 किमी दूर है। हुबली या सिरसी से आपको सहस्त्रलिंग पहुंचने के लिए निजी वाहन या किराए पर प्राईवेट गाड़ियां लेनी होगी। सिरसी से सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन गोकरणा है, जो यहां से 56 किमी की दूरी पर है। गोकरणा से सिरसी या सहस्त्रलिंग पहुंचने के लिए भी आपको किराए पर गाड़ियां लेनी होगी।

सहस्त्रलिंग में कितने शिवलिंग और बाकी मूर्तियां स्थापित हैं?

कर्नाटक में स्थित सहस्त्रलिंग में भगवान शिव के कितने लिंग स्थापित हैं, इसके बारे में सटिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। अनुमान है कि यहां 1000 से ज्यादा भगवान महादेव के लिंग स्थापित हैं। साथ ही यहां नंदी, सांप और भगवान गणेश की भी सैंकड़ों मूर्तियां स्थापित हैं।

महामहिम आचार्य महाप्रज्ञ

104 वें महाप्रज्ञ जन्म दिवस पर विशेष आलेख

मुनि चैतन्य कुमार अमन

आत्मा साधना के साथ जन-मानस को कृतार्थ किया था जो आज भी विश्व मानव के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए है। उनका विराट व्यक्तित्व और कर्तृत्व सम्पूर्ण जैन समाज ही नहीं बल्की मानव मात्र के लिए पथ दर्शक है। उन महान विभुति का नाम है तेरापंथ धर्मसंघ के दशम अनुशास्ता आचार्य श्री महाप्रज्ञ । आचार्य श्री महाप्रज्ञ अनेक विशेषताओं को लिए हुए थे। वे अपने दीक्षा गुरु के प्रति सर्वात्मना समर्पित थे। दीक्षित होते ही पूज्य गुरूदेव कालूगणी ने ज्ञानार्जन हेतु अपने सुशिष्य मुनि तुलसी को सौंप दिया। आचार्य महाप्रज्ञ का जैसा समर्पण भाव कालूगणी के प्रति था वैसा ही शिक्षा गुरु मुनि तुलसी के प्रति रहा। उनकी एक ही भावना थी ₹आणाए मामगं धम्मं आगम का यह वाक्य उनका जीवन सहचर बन गया अर्थात गुरु आज्ञा ही मेरा परम धर्म है। इसीलिए जब एक बार गुरु तुलसी ने आचार्य बनने के बाद पूछा- क्या तुम मेरे जैसा बनोगे तो महाप्रज्ञ ने सहज भाव से कहा- आप बनाओगे तो बन जाऊंगा। यह था उनका समर्पण भाव! उन्होनें गुरु के प्रति बहुमान और अटूट श्रद्धा का भाव रखा और उसी में अपूर्व आनन्द की अनुभूति की ।कुछ लोग ऐसे होते है जिनमें साधना होती है पर विद्वता नही, तो कुछ में विद्वता होती है पर साधना नहीं आचार्य महाप्रज्ञ में साधना और विद्वता दोनो का समावेश था। उन्होंने ज्ञानार्जन के द्वारा विद्वता हासिल की तो प्रेक्षाध्यान के नित नये प्रयोगों से गहन साधना की । साधना की गहराई में उतरकर व अन्वेषण कर अनेक उपलब्धियां हासिल की। इतने उद्भट विद्वान होने के बावजूद वे कभी लौकेषणा में नही गए। वे एक ऐसे अनगार थे जिनमें अहंकार और आवेश का भाव नहीं था। वे स्वयं कहा करते थे कि मुझे पता नहीं कि कभी जीवन किसी बात को लेकर मेरे मन मे कभी अहंकार अथवा आवेश के भाव आए हो। ऐसे व्यक्ति ही साधना के क्षेत्र में विकास कर सकते हैं।

आचार्य महाप्रज्ञ ऋजुप्राज्ञ थे। सरलता तो उनके रग-रग में थी। बचपन से ही वे भद्र प्रकृति थे। सरलता के साथ उनमें सहनशीलता का भी समावेश था। जैसा कि आचार्य तुलसी ने अनेक परिस्थितियों को समभाव से सहन किया था । उनके साथ रहकर आचार्य महाप्रज्ञ ने भी बहुत कुछ सहन किया । सरलता और सहनशीलता के सद्गुण ने ही अपने गुरू तुलसी के दिल में एक विशिष्ट स्थान बना लिया था। यों कहा जाय तो अत्युक्ति नहीं होगी कि वे गुरूदेव श्री तुलसी के दिल में उतर गए। अनुकूल परिस्थिति में उदासीन भाव और प्रतिकूलता की स्थिति में समभाव रखा और यही बन गया उनका महान लक्ष्य। यद्यपि वे एक धर्मसंघ के आचार्य बने पर उनका चिंतन सदैव ही असाम्प्रदायिक ही रहा। सम्प्रदाय को वे संघीय व्यवस्था मानते थे। उनके कार्य जैन शासन की प्रभावना तथा मानवता की सेवा के सदर्भ में थे। इसी बात को सामने रखकर सदा अपने प्रवचनों में सार्वभौम और सार्वजनीन हितोपदेश के रूप में कराते थे। यहां तक जीवन में नवमें दसक में उन्होंने अहिंसा यात्रा की। ₹सत्वेषु मैत्री₹ की प्रबल भावना से उन्होनें पंचवर्षीय यात्रा के दौरान जन-जन को नैतिकता, सद्भावना और भाईचारे का संदेश दिया। जातिवाद प्रांतवाद, सम्प्रदायवाद व्यक्ति और समाज में अलगाव पैदा करता है। अतः इसे कभी महत्व नहीं दिया। अतः भारत की अनेक महान हस्तियां उनके चरणों में आकर मार्गदर्शन प्राप्त करती रही चाहे वे राजनेता, समाजनेता, धर्मगुरू आदि किसी संस्था या संघ से जुडे हुए क्यों नहीं थे। एक बार राष्ट्रपति अब्दुल कलाम उनके चरणों में आए तो महाप्रज्ञ ने एक ऐसी बात कही कि महाप्रज्ञ के फैन हो गए। महाप्रज्ञ ने कहा कलाम साहब आपने अनेक मिसाईले बनाई है किंतु अब शान्ति की मिसाईल बनाईए। इस बात से वे इतने प्रभावित हुए कि प्रतिवर्ष महाप्रज्ञ के चरणों में आने लग गए। जब सूरत में आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास करवा रहे थे तो वे अपना जन्मदिन मनाने व आशीर्वाद लेने पहुंच गए और एक शानदार कार्यक्रम आयोजित हुआ। फिर एक पुस्तक का निर्माण हुआ जो आचार्य महाप्रज्ञ और अब्दुल कलाम की रचनाओं को सम्मिलित रूप में प्रकाशित हुई।आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा आगम सम्पादन के साथ साहित्य के क्षेत्र में दो सौ से अधिक पुस्तके प्रकाशित हुई है। उनका वह साहित्य आज भी जन-जन का मार्गदर्शन कर रहा है। हम उनके जन्मदिन पर यही भावना करते है कि उनके द्वारा प्राप्त अवदानों से मार्गदर्शन से अपने साधना वैभव को बढ़ाते रहे तथा उनकी आचार-निष्ठा, संयम प्रियता, सरलता, गंभीरता, सहिष्णुता के साथ मानवता, नैतिकता व भाईचारे की भावना को विकसित कर सकें। हम भी जीएं सरलता से चले सजगता से कहें सुगमता से रहे निस्पृहता से, सहे सहनशीलता व समता से माने कृतज्ञता से उन कुशल नेतृत्व प्रदान कर्ता आचार्य श्री महाप्रज्ञ के प्रति उनके 104 वें जन्मदिन पर कृतज्ञ भाव से चैतन्य का वंदन-वंदन-वंदन।

कन्वर्जन का शिकार 26 लड़कियां सामने आईं : सबके सामने सुनाई आपबीती

एक पीड़िता ने कहा- मुझे कुरान का हिंदी वर्जन पढ़ाते थे.. एंटी हिंदू बन गई थी मैं

मुंबई में आज फिल्म द केरला स्टोरी की पूरी टीम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिल्म के प्रोड्यूसर विपुल शाह 26 लड़कियों को मीडिया के सामने लाए, जो केरल से आईं हैं और कन्वर्जन से पीड़ित रही हैं। विपुल ने इस दौरान कहा- हम पर आरोप लगाया गया कि ये प्रोपेगेंडा था लेकिन ऑडियंस ने जवाब दे दिया। हमें लगता है कि फिल्म बनाने के अलावा हमारा और भी काम हैं। जो लड़कियों इस मामले में विक्टिम रही हैं, हम उनमें से 26 लड़कियों से मिलवा रहे हैं। ये कहानी सिर्फ केरल की नहीं पूरे भारत की है। हमारी जिम्मेदारी है कि सिर्फ फिल्म न देखें बल्कि इनकी आवाज भी बनें।

विपुल ने कहा कि फिल्म में 3 लड़कियों के जरिए हजारों लड़कियों की कहानी बाहर आई है। कई मीडिया हाउस ने झूठ बताया। ये गंदी साजिश है, जो नहीं होना चाहिए। हम नए आंकड़ों के साथ आए हैं।

'घर में पूजा होती थी और मैं छत पर नमाज पढ़ती थी'

एक विक्टिम अनघा जयगोपाल ने कहा, '2 साल पहले मेरा कर्वजन हुआ था। शालिनी (फिल्म में अदा शर्मा ने जिसका किरदार निभाया) जैसी मेरी भी हालत थी। हॉस्टल में फिल्म में दिखाई गई आसिफा जैसी कई लड़कियां थीं, जो नॉर्मल बातचीत में धर्म का एंगल आती थीं। वे हमें बातों में कन्फ्यूज कर देती थीं। धर्म की जानकारी न होने की वजह से मैं अपना पक्ष नहीं रख पाती थी।

ये लड़कियां कहती थीं कि भगवान सिर्फ एक यानी अल्लाह है। वे मुझे कुरान का हिंदी वर्जन देते हैं, इसे पढ़कर मैं उनके बहकावे में आ गई। मैं एंटी हिंदू बन गई। फैमिली को छोड़ दिया और पूरी तरह इस्लाम अपना लिया। घर पर पूजा होती थी, और मैं छत पर नमाज पढ़ती थी। मैंने अपनी कजिन की बेटी पर गुस्सा निकाल दिया था, क्योंकि वो मुझे नमाज पढ़ने नहीं दे रही थी। जिन लोगों ने मुझे जन्म दिया, उन लोगों को मैं काफिर कहने लगी थी। वे मेरे पैर पर गिरकर मुझसे विनती करते थे कि मैं ऐसा न करूं, लेकिन मैं उनसे यही कहती कि अगर तुम लोगों ने भी इस्लाम नहीं माना तो नर्क में जाओगे। ये फिल्म मुझे अपनी कहानी लग रही है। इसे देखने के बाद मुझे सिर्फ रोना आ रहा था।

सिर्फ लड़की नहीं, लड़कों का भी हुआ कन्वर्जन

पीड़ित लड़कियों में से एक चित्रा ने कहा, 'इनमें सिर्फ लड़कियां नहीं बल्कि लड़के भी थे। जिन लोगों का कन्वर्जन हुआ, उन्होंने अपनी फैमिली को पूरी तरह छोड़ दिया। जब परिवार वालों ने उनके अंदर बदलाव देखा, तब वे उन्हें लेकर आश्रम आए। इन लोगों का रिकॉर्ड इसलिए भी नहीं है कि क्योंकि ऐसे सिचुएशन से निकलकर कोई भी इसके संबंध में बात करना नहीं चाहता है। वे अपनी पहचान छिपा के रखना चाहते हैं।' 24 सालों में 7 हजार लोगों ने अपने धर्म में वापसी की एक विक्टिम श्रुति ने कहा- आर्ष विद्या समाज के तहत उन लड़कियों की मदद की जाती है, जिनका कन्वर्जन हुआ है। 1999 से लेकर 2023 तक तकरीबन 7 हजार लोगों की घर वापसी कराई गई है। इन लोगों लोगों ने इस्लाम अपना लिया था।

मदद के लिए केरल से बाहर के लोगों के भी कॉल आते हैं, इन सभी का फोर्सफुल कन्वर्जन करा दिया गया है। आर्ष विद्या आश्रम में 300 कन्वर्टेड लड़कियों को सुविधा दी जाएगी।' विपुल शाह ने इस आश्रम को 51 लाख रुपए दान किए थे।विपुल ने कहा कि इस फिल्म को बनाने का उद्देश्य था कि लड़कियों को कैसे भी करके बचा लिया जाए।

एक पीड़िता ने कहा कि 1999 से लेकर 2023 तक केरल में तकरीबन 7 हजार लोगों का धर्म परिवर्तन कराया गया। इनमें लड़के भी शामिल थे। ये सभी आर्ष विद्या आश्रम के तहत रेस्क्यू किए गए हैं।

कन्वर्जन कई धर्मों में होता है लेकिन सबका मकसद ISIS भेजना नहीं होता

आसिफा का रोल निभाना वाली एक्ट्रेस सोनिया बलानी ने कहा, 'फिल्म के कलेक्शन से हमें मतलब नहीं है। ये मेरी पहली हिंदी फिल्म थी। ऐसे मौके कम ही मिलते हैं जब आपको ऐसी फिल्मों में काम करने का मौका मिलता है। कल मेरी नानी ने ये फिल्म देखी। फिल्म देखने के बाद उन्होंने मुझसे कहा कि ये धर्म वाली बात सही है। धर्म के बारे में हमें जानकारी होनी चाहिए। एक मुस्लिम ने कहा कि फिल्म में इस्लाम को गलत नहीं दिखाया गया है कि बल्कि कैसे उसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है, ये दिखाया गया। कन्वर्जन तो कई धर्म में होता है लेकिन उनका मकसद ISIS में भेजना नहीं होता।'

आसिफा का रोल निभाना वाली एक्ट्रेस सोनिया बलानी ने कहा कि फिल्म 100-150 करोड़ कमा रही है, इससे कोई मतलब नहीं है। पैसे तो बिजनेस करके भी कमाए जा सकते हैं। इस फिल्म के जरिए जो संदेश देने की कोशिश की गई है, वो इन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तुलना में ज्यादा अहम है।

फिल्म का उद्देश्य किसी रिलीजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं- सुदीप्तो

फिल्म के डायरेक्टर सुदीप्तो सेन ने कहा- इस फिल्म का उद्देश्य किसी रिलीजन को ठेस पहुंचाना नहीं है। हर डायलॉग और सीन रियलिटी पर बेस्ड है। भारत के अलावा कई देशों में ये साजिश होती है। आतंकवाद इस्लाम धर्म को बदनाम करता है। इस फिल्म के जरिए हमने बताया है कि इस्लाम के नाम का कैसे मिसयूज किया जा रहा है। किसी भी फिल्म का जो विलेन होता है, वो किसी न किसी धर्म का होता है। तो लोग उसकी बुराई की बात करते हैं न कि उसका मजहब देखते हैं। गब्बर सिंह हिंदू था तो क्या रमेश सिप्पी साहब हिंदू समाज के खिलाफ थे।

एक के सवाल पर सुदीप्तो ने कहा, 'फिल्म की रिलीज के बाद एक प्रूफ सामने आया है कि ISIS ने साजिश के तहत इन लड़कियों को प्रेग्नेंट किया है। अगर इन लड़कियों ने अपनी सच्चाई बतानी शुरू की तो रात बीत जाएगी, लेकिन इनकी कहानी खत्म नहीं होगी। इनकी बातें सुनकर आप अपने आंसू नहीं रोक पाएंगे।

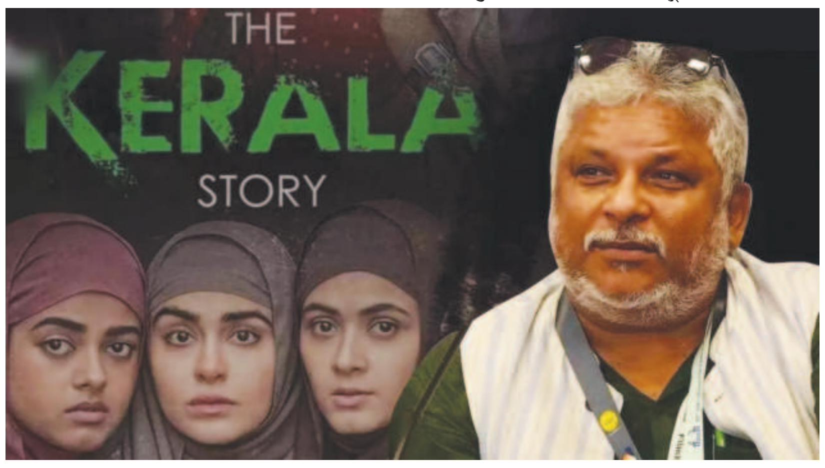

बुलगारी के इवेंट में पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा : रेड ड्रेस में दिखीं खूबसूरत

ग्लोबल सुपरस्टार प्रियंका चोपड़ा ने मंगलवार रात बुलगारी इवेंट में शिरकत की। इस दौरान वह रेड ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इवेंट से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उनके साथ ऐनी हैथवे और जैंडेया भी शामिल हुईं।

रेड ड्रेस में लगीं गॉर्जियस

इस इवेंट में प्रियंका रेड आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने ऑफ-शोल्डर क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग स्कर्ट पहनी हुई है। इस लुक को उन्होंने रेड लिपस्टिकऔर एक स्टेटमेंट नेकलेस के साथ स्टाइल किया। इवेंट के दौरान प्रियंका ने रेड कार्पेट पर हॉलिवुड सिलेब्रिटीज के साथ जमकर पोज दिए। वीडियो समन आते ही फैंस प्रियंका की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

ग्लोबल स्टार बनीं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा को पहली ग्लोबल गार्जिया मैग्जीन की कवर गर्ल चुना गया है। इस बात की जानकारी खुद प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा है- 'आपका ग्लोबल कवर स्टार बनना बेहद खुशी की बात है। दुनियाभर के 12 कवर'। इसी के साथ उन्होंने कवर पेज की एक फोटो भी शेयर की है।

परिणीति की सगाई में पहुंची थी दिल्ली

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में अपनी चचेरी बहन परिणीति चोपड़ा और आप नेता राघव चड्ढा के साथ सगाई के लिए दिल्ली पहुंची थीं। इसके अलावा वह इन दिनों अपनी फिल्म फिल्म लव अगेन को लेकर बेहद सुर्खियों में हैं। वहीं उनकी स्पाई थ्रिलर सीरीज सिटाडेल भी 28 अप्रैल को अमेजन प्राइम वीडियो पर आ चुकी है। इस सीरीज में प्रियंका की एक्टिंग और स्टंट्स की जमकर तारीफ हो रही है।

साल की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बनी 'द केरला स्टोरी'

द केरला स्टोरी ने रिलीज के बारहवें दिन यानी मंगलवार को 9.65 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। इस तरह फिल्म की कुल कमाई 156.69 करोड़ रुपए हो गई है। द केरला स्टोरी, पठान के बाद 2023 की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। इसने रणबीर कपूर की फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के कलेक्शन को मात दे दी है। खास बात ये है कि द केरला स्टोरी दो हफ्ते के भीतर ही साल की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। करीब 30 से 35 करोड़ में बनी इस फिल्म के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। बड़ी स्टारकास्ट और बड़े बजट की फिल्मों को इतनी आसानी से पछाड़ देना द केरला स्टोरी की उपलब्धि को दर्शाता है।

मेगाबजट फिल्मों को मात दे गई छोटे बजट की 'द केरला स्टोरी'

तू झूठी मैं मक्कार ने 147.28 करोड़ रुपए का लाइफटाइम कलेक्शन किया था। अब तक ये फिल्म पठान के बाद साल की दूसरी सबसे बड़ी ग्रोसर थी। तीसरे नंबर पर सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान थी।

सलमान की इस फिल्म के शुरुआती आंकड़े ठीक थे, लेकिन वीकेंड खत्म होते ही इसकी कमाई काफी स्लो हो गई। 180 करोड़ के बजट में बनी ये फिल्म अब तक सिर्फ 109.29 करोड़ ही कमा सकी है। हालांकि ये फिल्म पूरे इंडिया में 5 हजार स्क्रीन्स पर रिलीज हुई थी। वहीं द केरला स्टोरी शुरुआती समय में सिर्फ 1300 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई थी। अब द केरला स्टोरी ने इन दोनों मेगाबजट फिल्मों को 12 दिनों के अंदर पछाड़ दिया है।

हिंदी फिल्मों के लिए ये साल अब तक काफी साधारण रहा

इस साल हिंदी फिल्मों का कलेक्शन अब तक काफी साधारण रहा है। अभी तक सिर्फ चार ही हिंदी फिल्में हैं, जिसने 100 करोड़ से अधिक का कलेक्शन किया है। साल की शुरुआत अर्जुन कपूर, तब्बू स्टारर फिल्म कुत्ते से हुई थी। 80 करोड़ रुपए के बजट में बनी ये फिल्म 4.6 करोड़ रुपए ही कमा सकी और डिजास्टर साबित हुई। कार्तिक आर्यन की फिल्म शहजादा भी 65 करोड़ में बनी थी, लेकिन सिर्फ 47 करोड़ रुपए ही कमा सकी। 110 करोड़ के बजट में बनी अक्षय कुमार- इमरान हाशमी स्टारर फिल्म सेल्फी सिर्फ 23 करोड़ में सिमट के रह गई। इन सभी फिल्मों के बीच द केरला स्टोरी का उभर कर आना और चौंकाने वाला कलेक्शन करना अपने आप में काफी शानदार है।

श्रद्धा कपूर ने फ्लॉन्ट किया अपना नया हेयरकट : यलो टॉप-ब्लू डेनिम जीन्स में दिखा फ्रेश लुक, फैंस कर रहे तारीफ

श्रद्धा कपूर को हाल ही में बांद्रा में एक स्टूडियो के बाहर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक्ट्रेस का एकदम नया लुक देखने को मिला। जिसे सोशल मीडिया पर फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो में श्रद्धा यलो टॉप-ब्लू जीन्स में नजर आईं। इस लुक को उन्होंने ब्लैक गॉगल्स के साथ स्टाइल किया हुआ है। लेकिन कपड़ों से ज्यादा श्रद्धा के हेयरकट ने फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींचा। वीडियो में श्रद्धा ने अपने नए हेयरकट से फैंस को काफी इंप्रेस किया है। इस दौरान श्रद्धा को मराठी भाषा में पैपराजी के साथ बड़े ही प्यार से बातचीत करते हुए देखा गया। एक फोटोग्राफर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, 'मैम नाइस हेयरकट'। जिसके लिए उन्होंने मीडिया पर्सन को थैंक्यू भी बोला।

श्रद्धा कपूर का वर्कफ्रंट

श्रद्धा कपूर को इसी साल रणबीर कपूर के साथ लव रंजन की फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में देखा गया था। यह रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 8 मार्च 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में डिंपल कपाड़िया, बोनी कपूर और अनुभव सिंह बस्सी भी नजर आए थे। अब श्रद्धा जल्दी ही राजकुमार राव के साथ 'स्त्री 2' में दिखाई देंगी। इसके अलावा जल्द ही श्रद्धा नागिन, चालबाज इन लंदन, आर माधवन के साथ चंदा मामा दूर के और सूरज पंचोली के साथ धड़कन 2 में भी नजर आएंगी।

शाहरुख से मिलने मन्नत पहुंचे अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी

भारत में आए नए अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी शाहरुख खान से मिलने उनके घर मन्नत पहुंचे। एरिक ने मंगलवार रात ट्विटर पर शाहरुख के साथ मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की।

क्या यह मेरे बॉलीवुड डेब्यू का समय है?- एरिक

US के ब्रांड अंबेसडर एरिक ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- क्या यह मेरे बॉलीवुड डेब्यू का समय है? सुपरस्टार के साथ शानदार बातचीत हुई। इस दौरान मैंने बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के बारे में जाना और मैंने बॉलीवुड और हॉलीवुड के उन पहलुओं पर बात की जिसका कल्चरल इम्पैक्ट दुनियाभर में देखने को मिला है।

स्वेटशर्ट और डेनिम में दिखे शाहरुख, पत्नी गौरी भी साथ नजर आईं

शेयर की गई पहली तस्वीर में शाहरुख और एरिक साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी फोटो में शाहरुख, गौरी और उनकी मैनेजर पूजा ददलानी भी एरिक के साथ दिखाई दे रही हैं। इस दौरान किंग खान ब्लैक स्वेटशर्ट, मैचिंग डेनिम और कैप में नजर आ रहे हैं, वहीं उनके साथ गौरी भी ब्लैक आउटफिट में दिखाई दे रही हैं।

फोटो में दिखा मन्नत का आलीशान कमरा

जिस कमरे में एरिक ने शाहरुख से मुलाकात की , उसके एक तरफ लाल ईंट की दीवार नजर आ रही है। दीवार के ऊपर बेहद खूबसूरत पेंटिंग टंगी है। कमरे की छत पर एक झूमर लटका हुआ है, तस्वीर में कॉफी टेबल के साथ काउच भी नजर आ रहे हैं।

फैंस ने दिए मजेदार रिएक्शन्स

शाहरुख की ये फोटोज देखने के बाद फैंस कमेंट सेक्शन में बेहद मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। एक फैने लिखा- 'क्या शाहरुख समय के साथ जवान हो रहे हैं?' दूसरे फैन ने लिखा- अपनी विजिट के दौरान आप एकमात्र बुद्धिमान इंसान से मिले। वो भारत का चेहरा हैं, उनके जैसा कोई कभी भी नहीं हो सकता है। तीसरे फैन ने लिखा- इंडिया को SRK पर गर्व है।

76वें कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सारा, मानुषी छिल्लर और ईशा गुप्ता ने रेड कार्पेट पर किया डेब्यू

76वें कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज हो चुका है, जो 16 मई से लेकर 21 मई तक होने वाला है। इस बार का कांस बेहद खास है, क्योंकि इसमें बॉलीवुड की तमाम हस्तियां शिरकत करने जा रही हैं। फेस्टिवल के ओपनिंग डे पर एक्ट्रेस सारा अली खान, ईशा गुप्ता, पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर, उर्वशी रौतेला समेत कई सेलेब्स रेड कार्पेट की रौनक बढ़ाई।

सारा का कांस डेब्यू, ब्राइडल लहंगे में दिखीं बेहद खूबसूरत

सारा अली खान ने कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 में अपना डेब्यू किया। इस दौरान एक्ट्रेस ने आइवरी कलर का लहंगा पहना, जिस पर सिल्वर कढ़ाई की गई थी। लहंगे को रॉयल लुक देने के लिए सारा ने एक आउटफिट के साथ लंबा सा दुपट्टा स्टाइल किया, जो बेहद खूबसूरत दिख रहा था । फोटोज सामने आते ही फैंस ने सारा के इंडियन लुक की तारीफ की। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियोज बेहद सुर्खियों में हैं।

रेड कार्पेट पर ब्रूट इंडिया से बातचीत के दौरान सारा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा- हैलो और नमस्ते। मैं थोड़ा नर्वस हूं। मैं हमेशा किसी दिन यहां आने की ख्वाहिश रखती थी, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं यहां हूं। अपने लुक के बार में बताते हुए सारा ने कहा- इसे अबू और संदीप खोसला ने तैयार किया है। यह एक ट्रेडिशनल इंडियन हैंडमेड डिजाइन है। मुझे हमेशा अपने इंडियन होने पर गर्व रहा है। यह बताता है कि मैं कौन हूं....

मानुषी छिल्लर ने कांस डेब्यू पर पहना व्हाइट गाउन, फैंस को पसंद आया लुक

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने भी 76वें कांस फिल्म फेस्टिवल में अपना डेब्यू किया है। इस दौरान एक्ट्रेस ने Fovari का व्हाइट गाउन पहना। आउटफिट के अलावा मानुषी ने मिनिमल मेकअप और नेकलेस के साथ अपने इस लुक को कंप्लीट किया।

व्हाइट स्लिट गाउन में खूबसूरत दिखीं ईशा गुप्ता

ईशा गुप्ता कांस फिल्म फेस्टिवल 2023 के रेड कार्पेट पर वॉक करने वाली पहली इंडियन सेलिब्रिटी रहीं। इस दौरान उन्होंने हाई स्लिट गाउन पहना। फैंस को उनका आउटफिट बेहद पसंद आया।

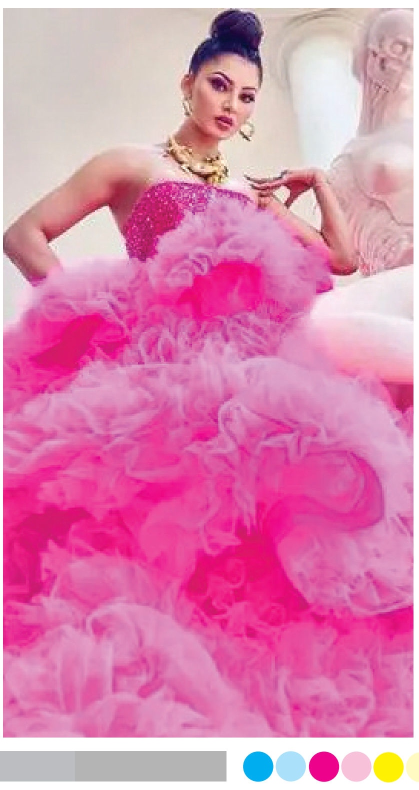

दूसरी बार कांस में पहुंची उर्वशी, पिंक आउटफिट में बढाई रेड कार्पेट की रौनक

उर्वशी रौतेला दूसरी बार कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा रहीं। इस दौरान उन्होंने पिंक फ्रिल गाउन पहना, जिसके साथ उन्होंने गोल्डन ज्वेलरी स्टाइल की। खास बात यह थी कि एक्ट्रेस के इयररिंग्स और नेकलेस पर क्रोकोडाइल यानी मगरमक्ष बना था। बालों में जुड़ा और डार्क पिंक लिपस्टिक के साथ उर्वशी ने इस लुक को कंप्लीट किया। जहां कई लोग उर्वशी के इस लुक की तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग दीपिका के कांस लुक से उनकी तुलना कर रहे हैं। बता दें कि उर्वशी ने साल 2022 में अपना कान्स डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने रेड कार्पेट पर व्हाइट आउटफिट स्टाइल किया था।

कान्स 2023 में इस बार कई इंडियन सेलेब्स डेब्यू करने जा रहे हैं। ईशा गुप्ता के अलावा मृणाल ठाकुर, सारा अली खान, अनुष्का शर्मा और मानुषी छिल्लर नजर आएंगी। सिंगर कुमार सानू की बेटी के शेनन भी कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करेंगी । कान्स फिल्म फेस्टिवल 16 मई से शुरू होकर 27 मई तक चलेगा।

पेट को नेचुरली क्लीन करते हैं

ये सुपर फूड्स

'पेट सफा, हर रोग दफा' ये लाइन आप ने विज्ञापन में कई बार सूनी होगी। इस बात में सच्चाई भी है। यदि इंसान का पेट ठीक रहे तो उसका पूरा शरीर सेहतमंद रहता है। वहीं पेट ठीक से साफ ना हो तो उसे कई बीमारियाँ घेर लेती है। पेट की बड़ी आंत (कोलन) का क्लीन और हेल्थी रहना बहुत जरूरी होता है। यदि इसमें गंदगी जमा होने लगी तो शरीर में कई बीमारियाँ अपनी जगह बना लेंगी।

यदि आप ने अपना पेट साफ सुथरा रखा तो बीमारियों से हमेशा बचे रह सकते हैं। पेट जब साफ होता है तो बॉडी का मेटाबॉलिज्म सिस्टम भी बूस्ट हो जाता है। अब सवाल ये उठता है कि आप कैसे अपने पेट की नेचुरली सफाई करें? क्योंकि गोली दवाई और चूरण इत्यादि के कुछ साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको पेट साफ करने का प्राकृतिक और सेफ तरीका बताने जा रहे हैं।

गुनगुना पानी

आंतों की सफाई करने में गुनगुना पानी काफी लाभकारी चीज है। आप रोज सुबह उठकर दो ग्लास गुनगुना पानी पी जाएं। आप चाहें तो इसमें नींबू का रस या शहद भी मिला सकते हैं। वरना सिर्फ गुनगुना पानी भी पेट की सफाई कर देगा। इसे अपनी रोजमर्रा की आदत में ले आएं। आपको कुछ ही दिन में इसका लाभ देखने को मिल जाएगा।

दूध- गुनगुने पानी की तरफ गुनगुना दूध भी आपकी आंतों के लिए हेल्थी होता है। इसे रोज सुबह नाश्ते के टाइम पीने से आंतों की सफाई हो जाती है।

इसके अलावा इसमें कैल्शियम भी प्रचुर मात्रा में होता है। इससे हड्डियां मजबूत बनती है। वैसे आप चाहे तो रात को सोने से पहले भी गुनगुना दूध पी सकते हैं।

हाई फाइबर वाली चीजें

फाइबर पेट की आंतों के लिए बहुत अच्छा होता है। फाइबर रिच फूड रोज खाने से पेट की अच्छे से सफाई हो जाती है। सेब, संतरा, खीरा और एलोवेरा कुछ ऐसी चीजें हैं जिसमें फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है। इनका रोज सेवन करने से आपका पेट सुबह अच्छे से साफ होता है। ये चीजें आपके पाचन तंत्र को भी तंदुरुस्त बनाते हैं।

सौंफ-जीरा-अजवाइन

खाने के बाद कई लोग सौंफ खाना पसंद करते हैं। ये आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में हेल्प करती है। इसी तरह खाने में जीरा या अजवाइन डालने से वह जल्दी और अच्छे से पच जाता है। इसलिए जब भी अपना भोजन समाप्त करें तो कुछ मीठा खाने की बजाय सौंफ खाएं। इससे आपका पेट हेल्थी रहेगा।

इसके अलावा अंजीर, सेब का सिरका, मुलेठी, दही, मेथी के बीज, ईसबगोल, आलसी के बीज, तुलसी, नारियल पानी इत्यादि चीजों के सेवन से भी आप नेचुरली अपने पेट की सफाई कर सकते हैं।

सब्जियों का जूस

कच्ची सब्जियां, सलाद जैसी चीजें चबाना पेट के लिए अच्छा होता है। चकुंदर, करेला, अदरक, लौकी, टमाटर, पालक इत्यादि का जूस भी लाभकारी रहता है। इसे रोज पीने से आंतों की बहुत अच्छे से सफाई हो जाती है। इसके अलावा इनमें मौजूद मिनरल्स और विटामिंस आपकी ओवर ऑल हेल्थ का भी ख्याल रखते हैं।

बियर के साथ भूलकर भी ना खाएं ये 5 फूड्स, डैमेज हो सकती है किडनी!

आजकल बियर पीने वालों की संख्या काफी बढ़ गई है. इसकी तारीर ठंडी होने के चलते गर्मियों में खूब सेवन किया जाता है. बियर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है. लेकिन अगर इसके साथ 5 फूड्स खा लिए जाए तो यह जहर की तरह काम करने लगता है. यह सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है. अगर आप भी बियर के साथ चखना या ये चीजें खाते हैं तो सावधान हो जाए, क्योंकि इससे किडनी भी डैमेज हो सकती है.

बियर और बीन्स

बियर और बीन्स को एक साथ खाना हेल्थ के लिए खतरनाक हो सकता है. बीन्स आयरन की अधिकता के साथ आता है. इसके साथ बियर पीना नुकसानदायक हो सकता है. यह काफी अनहेल्दी होता है.

तेंदू और बियर

बियर और तेंदू का सेवन भी एक साथ नहीं करना चाहिए. तेंदू में टैनिक एसिड ज्यादा मात्रा में पाया जाता है. बियर का साथ पाकर यह पथरी की समस्या बना सकता है. इसकी वजह से पेट में दर्द और उल्टी भी हो सकती है. बियर के साथ हाई प्रोटीन वाले फूड्स खाने से बचना चाहिए.

बियर और टमाटर

कभी भी बियर पीते समय टमाटर का सलाद न खाएं. टमाटर में विटामिन सी पाया जाता है. खट्टेपन के कारण इसमें टैनिक एसिड भी मिलता है. बियर के साथ टमाटर खाने से बेचैनी, सीने में जलन और उल्टियां हो सकती हैं.

बियर और गाजर

गाजर को भी बियर के साथ नहीं खाना चाहिए. बियर और गाजर एक साथ सेवन करने से लिवर की सेहत बिगड़ सकती है. इससे कई अन्य समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं. इसलिए भूलकर भी बियर के साथ गाजर न खाएं.

बियर और बेकन

अगर आप बियर पी रहे हैं और साथ में बेकन भी खा रहे हैं तो आप अपनी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं. बेकन नाइट्रोसामाइन से भरपूर होता है. बियर में भी इसकी काफी मात्रा मिलती है. ऐसे में एक साथ दोनों के सेवन से नाइट्रोसामाइन बॉडी में ज्यादा मात्रा में पहुंच जाता है और पेट और गले की समस्याएं बढ़ा सकता है.

विटामिन डी की कमी से रातभर ठीक से नहीं आती नींद

अच्छी सेहत के लिए नींद बहुत जरूरी होती है। अपनी हेल्थ को अच्छा रखने के लिए रोज कम से कम 7-8 घंटे सोना चाहिए। लेकिन कुछ लोगों को रातभर ठीक से नींद नहीं आती है। वह बार-बार करवटें बदलते रहते हैं। नींद ना आने की बीमारी को इनसोमनिया कहते हैं। ऐसा कई कारणों से होता है। जैसे कमरे का तापमान, ब्लू लाइट रिस्क, कैफीन इत्यादि। हालांकि आपके शरीर में पोशाक तत्वों की कमी भी नींद ना आने की वजह बन सकती है।

विटामिन डी से प्रभावित होती है नींद

हेल्थ एक्सपट्र्स की माने तो विटामिन डी की कमी से आपकी नींद सबसे अधिक प्रभावित होती है। जिन लोगों को शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है, वह अक्सर रात को ठीक से सो नहीं पाते हैं। कहा जाता है कि विटामिन डी रिसेप्टर्स मस्तिष्क के कई हिस्सों में रहते हैं। ये आपकी नींद को कंट्रोल करने का काम करते हैं।

आपक नींद कितनी अच्छी क्वालिटी की होगी इसमें ये विटामिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विटामिन डी मेलाटोनिन का उत्पादन करने वाले मार्गों और नींद की क्वालिटी पर गहरा असर डालता है। इसलिए इस विटामिन डी की कमी आपकी नींद को अच्छे खासे तरीके से प्रभावित कर सकती है।

अकेला सूरज नहीं करता विटामिन डी की पूर्ति

विटामिन डी को "सनशाइन विटामिन" भी कहा जाता है। ऐसा इसलिए कि इसे सूर्य से भी प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन अकेले सूरज से पर्याप्त विटामिन डी संभव नहीं है। ज्यादा सूरज की रोशनी जोखिम भरी भी हो सकती है। फिर आप सिर्फ सुबह-सुबह की रोशनी से ही एक निश्चित मात्रा में ही विटामिन डी ले सकते हैं। ऐसे में आपको अपने शरीर में पर्याप्त विटामिन डी लाने के लिए विटामिन डी से भरपूर फूड्स भी खाने होंगे।

यदि आप रोज पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी का सेवन करते हैं तो ना सिर्फ आपको नींद अच्छी आएगी, बल्कि आप कई बीमारियों से निजात भी पा लेंगे। कुछ समय पहले एक रिसर्च में पाया गया कि पर्याप्त विटामिन डी लेवल और हाई क्वालिटी स्लिप के बीच एक खास लिंक होता है। इस शोध में पता चला कि जिन लोगों ने अपनी डाइट में विटामिन डी सप्लीमेंट ली उन्हें पिट्सबर्ग स्लीप क्वालिटी इंडेक्स (नींद की गुणवत्ता का एक मजबूत, मान्य एक महीने का आकलन) अच्छे स्कोर मिले। इससे यह साबित होता है कि विटामिन डी आपकी अच्छी नींद के लिए कितना फायदेमंद है।

इन चीजों को खाने से मिलता है विटामिन डी

सुबह-सुबह सूरज की रोशनी लेने के अलावा आप कुछ खास फूड आइटसम को खाकर भी विटामिन डी प्राप्त कर सकते हैं। ये फूड सोर्स हैं – कॉड लिवर ऑयल, सैल्म, स्वोर्डफिश, टूना फिश, संतरे का रस, डेयरी और प्लांट मिल्क सार्डिन, अंडे की जर्दी इत्यादि।

दांतों को हेल्दी रखने के लिए हर किसी को अपनाना चाहिए ये फार्मूला

चमकदार दांत हर किसी के लिए एक सपना होता है लेकिन बहुत से लोग ऐसे हैं जिनके दांत या तो साफ नहीं है और नहीं तो उसमें किसी किस्म की समस्या है। ऐसे में दांतों में समस्या होने के पीछे कई कारण हो सकते है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि दांतों की समस्या को दूर करने के लिए हमें क्या करना चाहिए।

यही नहीं सवाल इसे भी लेकर उठता है कि क्या हमें दिन में कितनी बार ब्रश करना चाहिए ताकि हमारा दांत साफ व स्वस्थ रह सके। इन सब के अलावा दांतों को कितनी देर तक ब्रश करना चाहिए, यह भी जानना बहुत ही जरूरी है। ऐसे में आइए इन सब सवालों के जवाब एक-एक करके ले लेते है।

क्या कहते हैं जानकार

द अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन की अगर माने तो सभी वयस्कों को दिन में दो बार ब्रश करना चाहिए। उनके अनुसार बाजार में पाए जाने वाले फ्लोराइड टूथपेस्ट से ही ब्रश करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आप ब्रश करते है तो इससे आपके दांतों पर लगे सफेद परत साफ होते है जिससे आपक चमकदार दांत पाते है।

हेल्दी दांत के लिए 2×2 का फॉर्मूला करें इस्तेमाल

एक्सपर्ट्स की अगर माने तो हर किसी को दिन में कम से कम दो बार ब्रश करना चाहिए और ये ब्रश उन्हें दो मिनट तक करते रहना चाहिए। ऐसे में हर किसी को 2×2 फार्मूला को फॉलो करने की बात कही जाती है जिसमें दिन में दो बार और दो मिनट तक ब्रश करने को कहा जाता है। जो कोई भी इस फार्मूले को फॉलो करता है उसके दांत बेहतर रहेंगे और इससे आपको गम डिजीज नहीं होगी।

अगर पाना चाहते है चमकदार दांत तो इन बातों का रखें ख्याल

– हर किसी को दिन में कई बार कुल्ला करते रहना चाहिए

– यही नहीं ब्रश के बाद माउथवॉश को भी यूज करना चाहिए

– इसके साथ हर किसी को हर रोज पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए

– लोगों को उनके बार-बार खाने की आदत को भी बदलना चाहिए

– यही नहीं ज्यादा मीठा खाना या ड्रिंक न लेना चाहिए

– इसके साथ आप तीन-चार महीने में अपने टूथब्रश को भी बदला करें

– और अंत में सभी को रेगुलर डेंटल चेकअप भी कराते रहना चाहिए

गर्मियों में जरूर खाएं लीची, शरीर की कई बीमारियों होंगी दूर

गर्मियों के आते ही हम में से कई लोग उन फलों के लिए तरसने लगते हैं, जो सिर्फ गर्मी में ही आसानी से बाजारों में उपलब्ध होते हैं. गर्मियों का एक फल लीची भी है, जो हर उम्र के लोगों को खूब पसंद आता है. यह फल न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि कई जरूरी पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है. चूंकी लीची का स्वाद मीठा होता है, इसलिए इसका इस्तेमाल आइसक्रीम, जूस सहित कई चीजों में किया जाता है. लीची खाने से स्वास्थ्य को कई फायदे मिलते हैं. आइए जानते हैं इस फल में कौन-कौन से गुण छिपे हुए हैं और आपको इसका सेवन क्यों करना चाहिए?

लीची खाने से शरीर को मिलते हैं ये फायदे

1. डाइजेशन में करता है मददः लीची में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो डाइजेशन में काफी मदद करते हैं. लीची फाइबर के भी अच्छे सोस माने जाते हैं. यही वजह है कि ये पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर रखने और कब्ज से राहत दिलाने में मदद करते हैं.

2. ब्लड प्रेशर को करते हैं कंट्रोलः ब्लड प्रेशर एक ऐसी बीमारी है, जिसका सामना इन दिनों बड़ी संख्या में लोग कर रहे हैं. हालांकि लीची में ऐसे कई गुण मौजूद हैं, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने का काम कर सकते हैं. लीची में अच्छी खासी मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर को स्टेबल बनाए बनाए रखने में मददगार है.

3. एंटीऑक्सीडेंट से भरपूरः लीची एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होते हैं. ये हमारी बॉडी में हार्मफुल फ्री रेडिकल्स को बेअसर करने का काम करते हैं. लीची एक ऐसा फल है, जो एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा सोर्स माना जाता है. आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ये फल डायबिटीज और एंटीऑक्सीडेंट स्ट्रेस की रोकथाम में सहायता करता है और दिल को भी हेल्दी रखने का काम करता है.

4. इम्यूनिटी को करता है बूस्टः लीची एक नेचुरल इम्यूनिटी बूस्टर भी है. इसे खाने से शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और इम्यूनिटी को बढ़ावा मिलता है. इसके अलावा, लीची विटामिन C का भी अच्छा सोर्स है, जो हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत रखने में बड़ी भूमिका निभाता है.

5. स्किन और बालों के लिए अच्छाः लीची विटामिन E से भरपूर होता है. यही वजह है कि ये स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने का काम कर सकता है. विटामिन E सनबर्न और स्किन में होने वाली सूजन को भी ठीक कर सकता है. लीची में कॉपर भी मौजूद होता है, जो बालों की ग्रोथ को बढ़ावा दे सकता है.

ट्रेवल के दौरान अपने साथ जरूर रखें ये ब्यूटी केयर प्रोडक्ट्स, रहेंगे फ्रेश

फेशियल वाइप्स– अगर आप रास्ते के लिए फेश वॉश अपने साथ नहीं रखना चाहते हैं, या फिर रास्ते में फेश वॉश करने से बचना चाहते हैं, तो आप फेशियल वाइप्स अपने साथ कैरी कर सकते हैं। जी हाँ, आप इन्हें अपने मेकअप पाउच में रख सकते हैं। इन फेस वाइप्स का उपयोग आप प्लेन, कार, बास, ट्रेन किसी भी तरह के ट्रेवल के दौरान कर सकते हैं। यह आपके स्किन पर जमी डस्ट को क्लीन कर आपको एक फ्रेश लुक देने में मदद करता है।

फेशियल मिस्ट स्प्रे– वीकेंड ट्रिप की बात हो, या फिर लंबी छुट्टी की, फेशियल मिस्ट आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन साबित हो सकता है। इस वजह से आप अपने साथ फेशियल मिस्ट स्प्रे कैरी करना कभी न भूलें।

फेशियल क्लींजर– अगर आप एक या दो दिन के लिए ट्रेवल करते हैं, तो अपने स्किनकेयर के लिए फेशियल क्लीन्जर कैरी कर सकते हैं। ये आपके स्किन के लिए बहुत ज्यादा जरूरी होता है। ये आपकी स्किन से गंदगी, प्रदूषण को हटाने में मदद भी करता है।

मॉइस्चराइजर– ट्रैवलिंग के दौरान स्किन को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी होता है। जी हाँ और इसमें फेस मॉइस्चराइजर आपके लिए काफी मददगार साबित हो सकता है।

आई क्रीम करें कैरी– ट्रैवलिंग के दौरान अक्सर आपकी आंखों में सूजन होने लगती है। जिसका बड़ा कारण थकान है। जी हाँ और इसी के लिए आप अपने साथ आई क्रीम जरूर कैरी करें।

सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले

डीए को 38 प्रतिशत से बढ़ाकर किया गया 42 प्रतिशत

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। बढ़ती महंगाई के साथ महंगाई भत्ता भी बढ़ता रहे ऐसा देश के हर सरकारी कर्मचारी की ख्वाहिशत होती है। केंद्र और राज्य सरकारें इसकी घोषणा अपने संसाधनों और सुविधा के अनुसार करती हैं। इस बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्तालित ने महंगाई भत्ता यानी डीए में बढ़ोतरी कर दी है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्य महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत वृद्धि को दी मंजूरी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में चार प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बुधवार को कहा गया कि इस कदम से सरकारी खजाने पर सालाना 2,366.82 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा और इससे 16 लाख सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वालों को लाभ होगा। यह वृद्धि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत यानी एक अप्रैल 2023 से लागू होगी। डीए को 38 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा, भविष्य में जब भी केंद्र सरकार डीए में बढ़ोतरी का एलान करेगी राज्य सरकार भी डीए में वृद्धि करेगी।

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी को मिला 3 महीने का टाइम

14 अगस्त तक अपनी जांच रिपोर्ट सौंपनी होगी, 11 जुलाई को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आज यानी बुधवार को अडाणी-हिंडेनबर्ग मामले की जांच के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी को 3 महीने का अतिरिक्त समय दे दिया। अब सेबी को अपनी रिपोर्ट 14 अगस्त तक सौंपनी होगी। 2 मार्च को कोर्ट ने इस मामले में एक कमेटी बनाई थी और सेबी को भी जांच के लिए 2 महीने का समय दिया था। यानी उसे 2 मई तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी।

सेबी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने सुनवाई के दौरान जांच के लिए 6 महीने की मोहलत मांगी। हालांकि, बेंच ने 6 महीने का समय देने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा कि वह अनिश्चित विस्तार नहीं दे सकती। हमने 2 महीने का समय दिया था और अब इसे अगस्त तक बढ़ा दिया है। यानी सेबी को कुल 5 महीने का समय मिल चुका है।

कमेटी की रिपोर्ट के मामले में अगली सुनवाई 11 जुलाई को

उधर इंडिपेंडेंट कमेटी की सौंपी गई जांच रिपोर्ट पर कोर्ट ने कहा कि उसे इस रिपोर्ट के विश्लेषण के लिए समय चाहिए। कमेटी कzी रिपोर्ट पक्षकारों को भी दी जाएगी। इस रिपोर्ट पर अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी। सीजेआई डॉ. धनंजय यशवंत चंद्रचूड़, जस्टिस पी एस

नरसिम्हा और जे बी पारदीवाला की बेंच ने इस पर सुनवाई की।

प्रशांत भूषण ने किया था सेबी को समय दिए जाने का विरोध

इससे पहले 15 मई को सुप्रीम कोर्ट ने सेबी की समय बढ़ाने की मांग वाली इस याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी थी। वहीं 12 मई को सुनवाई के दौरान एडवोकेट प्रशांत भूषण ने सेबी की इस याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि मार्केट रेगुलेटर 2016 से एक अन्य मामले में अडाणी ग्रुप की कंपनियों की जांच कर रहा है। ऐसे में सेबी को और समय देना सही नहीं है।

इस दलील के बाद 15 मई को सेबी ने कोर्ट में एक एफिडेविट दायर किया था। इसमें बताया गया था कि अडाणी ग्रुप की कंपनियों की 2016 से जांच किए जाने के दावे फैक्चुअली बेसलेस है। सेबी ने बताया कि पहले जो जांच की गई थी वो 51 भारतीय कंपनियों की ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स (जीडीआर) से जुड़ा था। इनमें अडाणी ग्रुप की कोई भी लिस्टेड कंपनी शामिल नहीं थी।

अब तक क्या क्या हुआ?

1. हिंडनबर्ग ने लगाए थे शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप

24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट में ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि, बाद में इसमें रिकवरी आई।

2. अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में चार जनहित याचिका दायर

मनोहर लाल शर्मा ने याचिका में हिंडनबर्ग रिसर्च के फाउंडर नाथन एंडरसन और भारत में उनके सहयोगियों के खिलाफ जांच करने और एफआईआर की मांग की थी। इसके साथ ही इस मामले पर मीडिया कवरेज पर रोक की भी मांग की गई थी।

विशाल तिवारी ने एससी के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली एक कमेटी बनाकर हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच की मांग की थी। तिवारी ने अपनी याचिका में लोगों के उन हालातों के बारे में बताया था जब शेयर प्राइस नीचे गिर जाते हैं।

जया ठाकुर ने इस मामले में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की भूमिका पर संदेह जताया था। उन्होंने एलआईसी और एसबीआई की अडाणी एंटरप्राइजेज में भारी मात्रा में सार्वजनिक धन के निवेश की भूमिका की जांच की मांग की थी।

मुकेश कुमार ने अपनी याचिका में एसईबीआई, ईडी, आयकर विभाग, डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस से जांच के निर्देश देने की मांग की थी। मुकेश कुमार ने अपने वकीलों रूपेश सिंह भदौरिया और महेश प्रवीर सहाय के जरिए ये याचिका दाखिल कराई थी।

3. कोर्ट ने 2 मार्च को बनाई थी 6 सदस्यीय कमेटी

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में जो कमेटी बनाई थी, उसके हेड रिटायर्ड जज एएम सप्रे हैं। उनके साथ इस कमेटी में जस्टिस जेपी देवधर, ओपी भट, एमवी कामथ, नंदन नीलेकणि और सोमशेखर सुंदरेसन शामिल हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की बेंच ने कमेटी बनाने का यह आदेश 2 मार्च को दिया था।

4. सेबी को इन 2 पहलुओं पर जांच करने के लिए कहा था

क्या सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट रेगुलेशन रूल्स के नियम 19(ए) का उल्लंघन हुआ?

क्या मौजूदा कानूनों का उल्लंघन कर स्टॉक की कीमतों में कोई हेरफेर हुआ?

मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग से जुड़ा है नियम 19(ए)

कॉन्ट्रैक्ट रेगुलेशन रूल्स का नियम 19(ए) शेयर मार्केट में लिस्टेड कंपनियों की मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग से जुड़ा है। भारतीय कानून में किसी भी लिस्टेड कंपनी में कम से कम 25% शेयरहोल्डिंग पब्लिक यानी नॉन इनसाइडर्स की होनी चाहिए।

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी विदेश में शेल कंपनियों को मैनेज करते हैं। इनके जरिए भारत में अडाणी ग्रुप की लिस्टेड और प्राइवेट कंपनियों में अरबों डॉलर ट्रांसफर किए गए। इसने अडाणी ग्रुप को कानूनों से बचने में मदद की।

पेटीएम की मूल कंपनी ने भावेश गुप्ता को अध्यक्ष और सीओओ नियुक्त किया

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। प्रमुख फिनटेक फर्म पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने भावेश गुप्ता को अपना अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। अपनी नई भूमिका में गुप्ता पेटीएम के ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के उधार, बीमा व भुगतान से जुड़े कार्यों की देखरेख करेंगे। वह उपयोगकर्ता वृद्धि, संचालन जोखिम प्रबंधन, धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन और अनुपालन जैसी प्रमुख पहलों के लिए जिम्मेदार होंगे। वित्तीय सेवा के क्षेत्र में 25 से अधिक वर्षों के अनुभव के

साथ गुप्ता अपने क्षेत्र के विशेषज्ञों में एक हैं। उनके पास भुगतान, प्रौद्योगिकी, एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म, खुदरा ऋण, डिजिटल उधार, एसएमई बैंकिंग और खुदरा बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में सफल व्यवसाय खड़ा करने का ट्रैक रिकॉर्ड है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	मेष--	03-53 बजे
चंद्र-	मेष में	वृष--	05-37 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	07-37 बजे
बुध-	मेष में	कर्क....	09-50 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह....	12-02 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	14-08 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला....	16-14 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	18-24 बजे
केतु-	तुला में	धनु......	20-38 बजे
		मकर..	22-43 बजे
		कुंभ....	00-34 बजे
		मीन ..	02-12 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-47
सूर्य अस्त- 18-37
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - 21 -43 तक उपरान्त अमावस
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष , गुरुवार May 18
नक्षत्र - अश्विनी - 07- 22 - तक उपरान्त भरणी
योग - सौभाग्य -19 - 36 - तक उप - शोभन
करण- विष्टि - 10 -02 - तक उप- शकुनि
विशेष:- भद्रा काल-10-03 तक
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग-

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:50 से 15:27 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	05:47 - 07:22	शुभ	अमृत	18:38 - 20:04	शुभ
रोग	07:22 - 08:59	अशुभ	चंचल	20:04 - 21:27	शुभ
उत्पात	08:59 - 10:36	अशुभ	रोग	21:27 - 22:50	अशुभ
चंचल	10:36 - 12:13	शुभ	काल	22:50 - 00:12	अशुभ
लाभ	12:13 - 13:50	शुभ	लाभ	00:12 - 01:35	शुभ
अमृत	13:50 - 15:27	शुभ	उत्पात	01:35 - 02:58	अशुभ
काल	15:27 - 17:04	अशुभ	शुभ	02:58 - 04:21	शुभ
शुभ	17:04 - 18:38	शुभ	अमृत	04:21 - 05:47	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी। आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं। सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे। इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता। इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है। एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज कर्म में आपका विश्वास और पक्का हो जाएगा। आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है। आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं। आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे। कोई आपसे मदद मांगेगा।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपके लिए अच्छा दिन है। आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा। आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी। आप काफी लोकप्रिय हैं। आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी, आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं। आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं। इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है। परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है। आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा। पुरानी अधूरी-अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी। लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें। हारना या जीतना नही, आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। आपने निरंतर प्रयास किये हैं, लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा। आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे। लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा। आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं। आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं। आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है, आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा। आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है, पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी। अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

फॉरेन टूर के लिए बुकिंग संख्या में उछाल

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। फाइनेंशियल ईयर 2023 की पहली तिमाही में विदेश घूमने के लिए की गईं बुकिंग में भारी उछाल दर्ज किया गया है। वहीं, घरेलू यात्रा के लिए सबसे लोकप्रिय जगहों में गोवा, बेंगलुरू, पुणे, दिल्ली और कुल्लू को पर्यटकों ने पहली पसंद बताया है। एयरबीएनबी के डेटा अनुसार वर्ष 2022 की पहली तिमाही के मुकाबले वर्ष 2023 की पहली तिमाही में भारतीय यात्रियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए की जाने वाली रातों की बुकिंग की संख्या दोगुनी से भी ज़्यादा हो गई है। विदेश जाने वाले भारतीय यात्रियों के बीच यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और विभिन्न यूरोपीय देश सबसे लोकप्रिय जगहों के तौर पर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए भारतीयों में रुझान तेजी से बढ़ रहा है। जो लोग देश के विभिन्न स्थानों का आनंद उठाना चाह रहे हैं और वे अलग-अलग शहरों की खास जगहों और पहाड़ों पर छुट्टियां बिताने के विकल्प तलाश रहे हैं।

मुकेश अंबानी से मिले अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में रिलायंस के इनोवेशन पर चर्चा की, एनएमएसीसी का भी दौरा किया

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। भारत में अमेरिका के नए राजदूत एरिक गार्सेटी ने बुधवार (17 मई) को रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में रिलायंस के इनोवेशन और भारत-अमेरिका के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा की।

गार्सेटी ने इस मीटिंग की एक तस्वीर शेयर करते हुए ट्वीट किया, 'रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में रिलायंस के इनोवेशन के बारे में जानने और अमेरिका-भारत के बीच आर्थिक सहयोग के रास्ते तलाशने के लिए मुकेश अंबानी के साथ शानदार मीटिंग की।'

गार्सेटी ने एनएमएसीसी का भी दौरा किया

मुकेश अंबानी से मिलने से पहले गार्सेटी ने नीता मुकेश

अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) का भी दौरा किया, जिसे हाल ही में लॉन्च किया गया है। एनएमएसीसी के फैशन शो में उन्होंने भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री के बारे में जाना। इसके साथ ही, उन्होंने द ग्रैंड थियेटर में ब्रॉडवे क्लासिक 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' के आर्टिस्ट से भी मुलाकात की।

शाहरुख खान से मिलने उनके घर मन्नत पहुंचे एरिक

इससे पहले मंगलवार को एरिक गार्सेटी बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान से मिलने उनके घर मन्नत पहुंचे। एरिक ने ट्विटर पर शाहरुख के साथ मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने ट्वीट किया,' क्या यह मेरे बॉलीवुड डेब्यू का समय है?

सुपरस्टार के साथ शानदार बातचीत हुई। इस दौरान मैंने बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के बारे में जाना और मैंने बॉलीवुड और हॉलीवुड के उन पहलुओं पर बात की जिसका कल्चरल इम्पैक्ट दुनियाभर में देखने को मिला है।'

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी की मुलाकात

गार्सेटी ने मंगलवार को ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच बिजनेस, क्लाइमेट एक्शन और विमेंस वर्कप्लेस इन्क्लूजन के बारे में चर्चा हुई।

जय शाह के साथ गार्सेटी ने देखा आईपीएल मैच

मंगलवार को ही गार्सेटी ने मुंबई में महात्मा गांधी के घर मणि भवन का दौरा किया। इसके साथ ही, उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह के साथ गुजरात टाइटन्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल 2023 मैच भी देखा।

11 मई को राष्ट्रपति से की थी मुलाकात

इससे पहले 11 मई को एरिक गार्सेटी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की थी। उन्होंने ट्वीट किया,' आज मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना क्रेडेंशियल प्रस्तुत करते हुए अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ घनिष्ठ और उपयोगी साझेदारी के लिए भारत सरकार को धन्यवाद। मैं यूएस इंडिया संबंधों को बढ़ाने के लिए उत्साहित हूं क्योंकि हम अपने समय के परिभाषित मुद्दों पर एक साथ काम करते हैं।'

शेयर मार्केट में रही गिरावट

सेंसेक्स 371 अंक फिसलकर 61,560 पर बंद, इसके 30 शेयरों में से 23 लुढ़के

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार (17 मई) को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 371 अंकों की गिरावट के साथ 61,560 के स्तर पर बंद हुआ। कल ये इतने पर ही बंद हुआ था। निफ्टी 104 अंक फिसलकर 18,181 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में गिरावट और सिर्फ 7 में तेजी देखने को मिली है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे कमजोर होकर 82.28 रुपए पर बंद हुआ। बाजार बंद होने तक ऑटो और एफएमसीजी मामूली

मजबूती के साथ बंद हुए। मीडिया 2.09% और रियल्टी 1.33% सबसे ज्यादा टूटे। आईटी 0.97% टूटा है। एनर्जी, बैंकिंग और फार्मा शेयरों में भी गिरावट रही।

डॉलर इंडेक्स में रिबाउंड से कमोडिटीज पर दबाव दिख रहा है। कच्चा तेल 0.5% से ज्यादा फिसल है। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई 71 डालर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है।

टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने मंगलवार को अपने क्यू4एफवाई23 यानी चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के रिजल्ट्स अनाउंस किए। मार्च तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 50% बढ़कर 3,006 करोड़ रुपए हो गया है।

4 बैंकों ने मई में डिपॉजिट स्कीम्स के निवेशकों को लिए खोला पिटारा

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में बदलाव नहीं करने के बाद भी कई बैंकों ने अपनी लोन की ब्याज दरों और फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी की है। डिपॉजिट ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी से निवेशकों का एफडी में निवेश की ओर रुझान बढ़ रहा है। मई महीने में 4 बैंकों ने ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी की है, जिसके बाद 9.60 फीसदी तक ब्याज दर बढ़ गई है।

डीसीबी बैंक ने 2 करोड़ रुपये से कम डिपॉजिट राशि के लिए एफडी ब्याज दरों में संशोधन किया है। डीसीबी बैंक की वेबसाइट के मुताबिक नई दरें 8 मई 2023 से प्रभावी की गई हैं। संशोधन के बाद नियमित ग्राहकों के लिए हाईएस्ट ब्याज दर 8 फीसदी हो गई है और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8.50 फीसदी ब्याज दर दी जा रही है।

लीज पर विमान देने वाली कंपनी पहुंची हाई कोर्ट

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। गो फर्स्ट को लेकर अब इंसॉल्वेंसी प्रक्रिया चल रही है। इसी बीच एयरलाइन को लीज पर एयरक्राफ्ट देने वाली एक कंपनी ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। लीज पर विमान देने वाली कंपनी ने हाई कोर्ट से आग्रह किया है कि वह अधिकारियों को इस बात का निर्देश दे कि उसके द्वारा संकटग्रस्त एयरलाइन को लीज पर दिए गए विमानों को रिलीज किया जाए।

इसी बीच एयरलाइन को लीज पर विमान देने वाली दो कंपनियों ने नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) का रुख किया है। ये दोनों कंपनियां एयरलाइन की इंसॉल्वेंसी का विरोध कर रही है।

सोना-चांदी के दामों में गिरावट

61 हजार के नीचे आया सोना, देखें कैरेट के हिसाब से इसकी कीमत

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार (17 मई) को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का दाम 448 रुपए गिरकर 60,618 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत

55,526 रुपए हो गई है। आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार आज चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट देखने को मिली है। ये 191 रुपए सस्ती होकर 71,739 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 71,930 रुपए पर थी। कमोडिटी बाजार के जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी डॉलर की कीमतों में तेजी के कारण आज सोने की कीमतों में गिरावट आ रही है, क्योंकि डॉलर इंडेक्स 102 के स्तर पर पहुंच गया है।

कांग्रेस-बीजेपी के खिलाफ आंदोलन करेगी आप

नवीन पालीवाल बोले- राजस्थान में जमकर हो रहा भ्रष्टाचार, आंख मूंद बैठी सरकार

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही सियासी बयानबाजी का सिलसिला भी शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए है। आप के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने कहा कि जिस राज्य में एक साल में भ्रष्टाचार की 1450 शिकायतें आएं। तो सोचा जा सकता है कि भ्रष्टाचार किस हद तक फैल चुका है। इतनी शिकायतों के बावजूद पिछले पांच साल में सिर्फ़ 22 लोगों पर ही कार्रवाई की गई।

इतना ही नहीं भ्रष्टाचार में शामिल ज्यादातर अधिकारियों को फिर से फील्ड में पोस्टिंग भी दे दी गई। जिससे ये साफ होता है कि भ्रष्ट अधिकारियों को राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के एक बड़े नेता को आज भ्रष्टाचार और भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई कराने के लिए पहले धरना और फिर सड़क पर उतरना पड़ गया। बावजूद इसके प्रदेश सरकार की कुंभकरणीय नींद नहीं टूटी।

पालीवाल ने कहा कि राजस्थान में सरकारी अधिकारी और कर्मचारी रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जा रहे हैं। हालात यह है कि विधायकों को भी वसूली की खुली छूट दे रखी है। लोग तो कहते हैं कि सीएम ने सरकार बचाने के लिए सपोर्ट करने वाले विधायकों को अधिकारियों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार करने का अधिकार दे रखा है।

उन्होंने कहा कि सरकारी सरपरस्ती में पेपर माफिया, बजरी माफिया पनप गये हैं। क्यों कि भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई करने की गहलोत सरकार की इच्छाशक्ति ही नहीं हैं।

क्योंकि अगर भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई हुई। तो उनको राजनीतिक संरक्षण देने वाले राजनेताओं तक भी कानून के हाथ पहुंच सकते हैं।

इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री भ्रष्टाचारी अधिकारियों को नहीं बल्कि राजनीतिक संरक्षण देने वाले राजनेताओं को भी बचाने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री खुद अपने विभागों में भ्रष्टाचार रोकने की गारंटी नहीं लेने की लाचारी दिखा रहे हैं।

पालीवाल ने कहा कि ताज़ा उदाहरण श्रम आयुक्त प्रतीक झाझड़िया का देख लीजिए। उनको कल ही श्रम विभाग में सचिव बना दिया गया। झाझड़िया दो साल पहले श्रम आयुक्त रहते हुए घूस लेते हुए पकड़े गए थे। पालीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी राजस्थान में जनता के मुद्दों को लेकर गांव-ढाणी जाएगी और जनता को बीजेपी-कांग्रेस की कारगुजारियों को एक्सपोज़ करेगी। इसके साथ ही अगर जरूरत पड़ी। तो जनहित के मुद्दों को लेकर आप बड़ा आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगी।

सहप्रभारी निजामुद्दीन बोले- पायलट मजबूत स्तंभ, जल्द फैसला करेंगे खड़गे

अधीर रंजन ने कहा- गहलोत का कोई मुकाबला नहीं, पायलट को जो करना है करने दीजिए

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। सचिन पायलट को लेकर कांग्रेस में खींचतान तेज हो गई है। पायलट को लेकर कांग्रेस के भीतर अलग अलग राय सामने आ रही है। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी खुलकर सीएम अशोक गहलोत के पक्ष में उतर गए हैं। अधीर रंजन ने यहां तक कह दिया कि पायलट को जो करना है वह करने दीजिए। वहीं, राजस्थान कांग्रेस के सहप्रभारी काजी निजामुद्दीन ने पायलट को मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा- राजस्थान पर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जल्द फैसला करेंगे।

सचिन पायलट के आंदोलन की चेतावनी और यात्रा पर अधीर रंजन ने कहा- जिसकी जो मर्जी है, वह करने दिया जाए। पिछले दिनों भी उन्होंने बहुत कुछ किया है। एक बात में दावे से कह सकता हूं कि हिंदुस्तान में अगर काबिल चीफ मिनिस्टर की सूची बनाई जाए तो उसमें जरूर पहले पंक्ति में हमारे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रहेंगे। इतने काबिल चीफ मिनिस्टर हैं। किसी को अच्छा लगे बुरा लगे वह अलग बात है, लेकिन काबिलियत के तौर पर हमारे चीफ मिनिस्टर अशोक गहलोत का कोई जवाब नहीं है। जिस व्यक्ति की जो मर्जी कर सकते हैं, कांग्रेस पार्टी हर चुनौती से निपटना जानती है।

सह प्रभारी बोले- पायलट मजबूत स्तम्भ, उनका पिन पॉइंट मामला होगा तो सरकार देखेगी

राजस्थान कांग्रेस के सह प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने सचिन पायलट के मुद्दे पर कहा- सचिन पायलट पार्टी के मजबूत स्तंभ है। अगर कोई उनकी भ्रष्टाचार को लेकर पिनपॉइंट शिकायत है तो उसे दिखवाया जा सकता है। इस मामले को पूरी तरह से मलिकार्जुन खड़गे ही देख रहे हैं। काजी ने कहा- पायलट के मामले पर कांग्रेस प्रेसिडेंट मलिकार्जुन खड़गे का ऑफिस पैनी निगाह रखे है। वे खुद इसे ऑब्जर्व कर रहे हैं। उनके ऑब्जरवेशन में चीजें हैं। कर्नाटक में डिसीजन हो जाए उसके बाद राजस्थान पर निर्णय होगा। इस पर निर्णय मलिकार्जुन खड़गे ही लेंगे। क्योंकि हम लोग हमारा काम कर रहे हैं। कांग्रेस प्रेसिडेंट अपना काम करेंगे।

काजी ने कहा- पिछले विधानसभा चुनाव से इन विधानसभा चुनाव की परिस्थितियां अलग है। हर बार चुनावों में हर प्रदेश की स्थिति अलग होती है, यकीनन पिछली बार और इस बार में यहां फर्क है। सह प्रभारी वीरेंद्र राठौड़ ने पायलट मामले पर कहा- घर का मामला है, घर का मामला घर में ही निपटा लिया जाएगा।

राजेंद्र राठौड़ बोले- आरपीएससी भंग कर पीड़ितों को मिले मुआवजा

कहा- अडानी से दोस्ती निभाने के लिए गहलोत महंगे दाम पर खरीद रहे कोयला

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। सचिन पायलट द्वारा अरपीएससी की पुनर्गठन की मांग का नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि जिस RPSC में बाबूलाल कटारा जैसे लोग पकड़ में आए। वहां एक मछली नहीं बल्कि पूरा तालाब ही गंदा है। ऐसे में RPSC को भंग कर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही पेपर लीक की वजह से जिन लाखों युवाओं को परेशानी हुई। उन्हें भी मुआवजा दिया जाना चाहिए।

मंगलवार को बीजेपी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस की ए टीम और बी टीम है। मुकेश भाकर जैसे लोग कह रहे हैं कि रीट के अंदर राजीव गांधी स्टडी सर्किल की जांच होनी चाहिए। इस दौरान राठौड़ ने सचिन पायलेट की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि हम भी चाहते है, RPSC को भंग कर दिया जाए। इसके साथ ही पीड़ित छात्रों को मुआवजा देना चाहिए।

अडानी से दोस्ती निभा रहे गहलोत

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा राजस्थान की जनता को लूटा जा रहा है। जो फ्यूल चार्ज हमारे समय में 18 पैसे प्रति यूनिट था। वो अब बढ़कर 59 पैसे हो चुका है। सीएम गहलोत अडानी से अपनी दोस्ती निभाने के लिए महंगे दरों पर कोयला खरीद रहे हैं। जहां से कोयला चोरी की भी शिकायतें आ रही है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग में संस्थागत भ्रष्टाचार हो रहा है।

सरकार खरीद रही महंगी बिजली

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार महंगे दाम पर बिजली खरीद रही है। जिससे आम उपभोक्ता को 11 रुपए से ज्यादा प्रति यूनिट बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अडानी टैक्स के रूप में भी पैसा वसूल रही है। हमारे थर्मल पावर प्रोजेक्ट की क्षमता साढ़े आठ हमार मेगावाट से ज्यादा की है। लेकिन उन्हें जानबूझकर रख-रखाव के नाम पर बंद रखा जा रहा है। जिसकी वजह से महंगी बिजली खरीदी जा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की विद्युत कम्पनियां बैंक करप्ट होने की तरफ बढ़ रही है। किसानों के लिए अलग बिजली कम्पनी बनाने की घोषणा भी थोथी साबित हो रही है। जिसे राजस्थान की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

किसान बिजली के लिए परेशान

राजेंद्र राठौड़ ने बिजली बिल, किसानों का बिजली बिल सहित योजनाओं से जुड़े कई मुद्दे उठाया। अब जो बिल आपके पास आता है, वो फ्यूल चार्ज और अन्य सेस मिलाकर आता है। जो राहत ये सरकार दे रही है। फ्यूल चार्ज के नाम से दूसरे सरचार्ज भी वसूल रही है। 4 हजार मेगावाट से ज्यादा कभी बिजली नहीं मिलती। ये संस्थागत भ्रष्टाचार का तांडव कर रही है सरकार।

जो संयंत्र लगें हैं उनमें 23 प्रतिशत बिजली का उत्पादन होता है। रूफटॉप सोलर प्लेट पर भी सरकार अंधाधुंध कमाई कर रही है। खुद भ्रष्टाचार करें और झूठी बातें जनता से कहती हैं। सरकार दावा करती है हम सरप्लस स्टेट हो गए। ओद्योगिक क्षेत्र में दूसरे पायदान पर है। बड़े पैमाने पर बिजली निजी कंपनियों से खरीदी जाती हैं। सरकार ने वादा किया था कि 1 अप्रैल 2022 से किसानों को दिन में बिजली देंगें लेकिन आज किसान को 4 से 5 घंटे बिजली दी जा रही है।

राठौड़ ने कहा कि सरकार ने जो वादे किये अब तक पूरे नहीं हुए है। सरकार ने किसानों को पेंडिंग कनेक्शन देने की बात की थी। 2300 करोड़ का प्रोजेक्ट था, लेकिन वो भी आज तक पूरा नहीं हुआ। नए जिलों की बाउंड्री के लिए प्रारूप तक नहीं बनाया। वैसे भी जिले बनाने से पहले प्रारूप बनाना होगा, लोगों के सुझाव लेने होंगे, आपत्तियां लेनी होंगी। लेकिन अब तक इनमे से कुछ भी नहीं हुआ है।

बीजेपी ने की हॉर्स ट्रेडिंग, तो करें करवाई

राठौड़ ने कहा कि हॉर्स ट्रेडिंग की बात जो सरकार कर रही है। वो खुद के नेताओं की ललकार झेल रही है। सीएम के पास कोई जानकारी है। तो देना हमने कहां रोका है, करवाई करें। आज डिप्टी सीएम को याद आता है कि पूर्ववर्ती सरकार की सीएम ने भ्रष्टाचार किया है। अभी तक तो उन्होंने ये बात कहीं नहीं की। जिन खानों के आवंटन का आरोप लगाया गया था। उसकी जांच भी हो गई है और फैसला भी आ गया है। अब इस मुद्दे को उठाकर सिर्फ राजनीति की जा रही है। ये तो वही बात हो गई कि कहीं पर निगाहें कहीं पर निशाना।

सरकारी पैसे का हो रहा दुरूपयोग

राठौड़ ने कहा कि महंगाई राहत शिविरों में सरकारी पैसे का दुरूपयोग हो रहा है। पहली बार सरकार के खजाने से छपे विज्ञापनों में पीसीसी के नेताओं के फोटो छापे जा रहे हैं। सरकारी धन का धड़ल्ले से निजी कार्यों के लिए उपयोग किया जा रहा हैं। आम जनता के लिए सरकारी पैसे से आयोजित हो रहे शिविर का सरकार ने कांग्रेसीकरण कर दिया गया है। जबकि चुनाव में कुछ वक्त का ही समय बचा है। ऐसे में आम जनता का जिन योजनाओं में पहले से ही रजिस्ट्रेशन हो चुका है। उनमें फिर से रजिस्ट्रेशन कर जनता को भी परेशान किया जा रहा है।

पाकिस्तान से भारत में एक बार फिर ड्रग्स तस्करी

ड्रोन से फेंकी 25 करोड़ रुपए की हेरोइन

बीएसएफ ने किए 42 राउंड फायर

अनूपगढ, 17 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की तरफ से लगातार भारत की सीमा में ड्रोन से ड्रग्स तस्करी की जा रही है। ऐसा एक बार फिर मंगलवार रात करीब 2 बजे किया गया। इसकी भनक लगते ही बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने 42 राउंड फायरिंग की। बीएसएफ ने मौके से करीब 25 करोड़ रुपए की 5 किलो हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ की बीकानेर रेंज के डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह आज मामले का खुलासा करेंगे।

रात 2 बजे मिली 5 किलो ड्रग्स

जानकारी अनुसार हेरोइन श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ के रावला मंडी में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बनी निमिचंद पोस्ट के पास फेंकी गई थी। पोस्ट पर BSF जवान गश्त कर रहे थे। इस दौरान ड्रोन की आवाज सुनाई दी। जवानों ने ड्रोन को देखते ही फायरिंग करना शुरू कर दिया। करीब 42 राउंड फायर कर ड्रोन को नीचे गिरा दिया।

5 किलो हेरोइन बरामद

ड्रोन गिरने के बाद जवानों ने जांच की। इस पर 5 किलो हेरोइन बरामद की गई। हेरोइन की कीमत करीब 25 करोड़ रुपए आंकी गई है। मामले की जानकारी पर बीएसएफ की बीकानेर रेंज के डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह निमिचंद पोस्ट के लिए रवाना हो गए हैं। वे मौका मुआयना कर और अधिकारियों से जानकारी लेंगे।

ड्रोन से लगातार हो रही तस्करी

पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन उड़ता है और तारबंदी को पार करके भारतीय सीमा में आता है। ऑटोमेटिक तरीके से ड्रोन के साथ लगे पैकेट्स को छोड़ दिया जाता है और ड्रोन वापस पाकिस्तान सीमा में चला जाता है। बीएसएफ ने पहले भी कुछ ड्रोन भी बरामद किए हैं।

हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में भीषण आग कैमिकल ड्रम में धमाके

20 से ज्यादा दमकलों ने 4 घंटे तक की मशक्कत

जोधपुर, 17 मई (एजेंसियां)। जोधपुर शहर में एम्स अस्पताल के सामने बासनी औद्योगिक क्षेत्र में एक हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में मंगलवार देर रात भीषण आग लग गई। आग के कारणों का पता नहीं लग सका लेकिन करीब 4 घंटे तक दमकल इसको बुझाने का प्रयास करती रही।

फैक्ट्री में बड़ी संख्या में सूखी लकड़ी और केमिकल होने के कारण आग को काबू पाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कुछ केमिकल क्रम में धमाके भी हुए। दमकल के पास फॉम नहीं होने से आग बुझाने में काफी दिक्कतों का सामना करना।

मंगलवार रात करीब 11:30 बजे दमकल कार्यालय में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सबसे पहले बासनी और शास्त्री नगर दमकल कार्यालय से वाहनों को रवाना किया गया। एम्स हॉस्पिटल के सामने बासनी औद्योगिक क्षेत्र की गली नंबर 10 में फैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में यह आग लगी थी।

आग केक काबू नहीं होने पर एयर फोर्स, बोरानाडा और नागोरी गेट से भी दम को लोग को बुलाया गया। दमकलों ने देर रात तक 20 से ज्यादा फेरे लगाए। रात करीब 2:30 बजे के बाद आग पर कुछ हद तक काबू पाया जा सका। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास की फैक्ट्रियों को भी खाली करवाया गया। आग की लपटें और धुआं 3 किलोमीटर दूर से देखा गया।

20 से ज्यादा जिलों में आंधी का अलर्ट

बारिश की भी संभावना, 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे आया पारा

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में बीते दो दिन से लगातार चल रहे आंधी-बारिश के कारण राजस्थान के कई शहरों में पारा लुढ़ककर 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। इससे इन शहरों के लोगों को तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली। जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर जैसे गर्म इलाकों में पिछले तीन दिन के अंदर तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। मौसम केन्द्र जयपुर ने आज भी राज्य के 20 से ज्यादा जिलों में दोपहर बाद धूलभरी आंधी चलने और कहीं-कहीं हल्के बादल छाने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो भीलवाड़ा और उसके आसपास कल दोपहर बाद बारिश हुई। जबकि अजमेर, टोंक, बूंदी समेत अन्य शहरों में दिन में हल्के बादल छाए रहे। शेष राजस्थान के शहरों में मौसम शुष्क रहा और धूप निकली। दो दिन से लगातार उत्तरी-पश्चिमी और पूर्वी करीब 18 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली धूल भरी हवाओं के कारण धूल के कण ऊपरी वातावरण में चल गए। लेकिन, जैसे ही हवा बंद हुई। मौसम शांत हुआ। हवा के कम दबाव के कारण धूल के कण धीरे-धीरे फिर से सतह की ओर लौटने लगे। जिससे वातावरण पूरा धूल भरा हो गया।

मौसम केन्द्र जयपुर से जारी फोरकास्ट के मुताबिक आज अजमेर, अलवर, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं करौली, कोटा, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक के अलावा पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जोधपुर, नागौर और गंगानगर एरिया में दोपहर बाद अचानक तेज धूलभरी हवाएं चल सकती है। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में तो आंधी चलने के साथ कहीं-कहीं बादल छाने और बूंदाबांदी या ओले भी गिर सकते हैं।

राजस्थान में हो रही बारिश-आंधी के कारण राज्य में गर्मी के तेवर थोड़े नरम हुए। कल 8 शहरों में दिन का तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस गिरकर 40 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे आ गया। मौसम केन्द्र जयपुर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक जालोर, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़, सीकर, पिलानी, जयपुर, अलवर, भीलवाड़ा के अलावा अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, डूंगरपुर, सिरोही में कल दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सीकर में सबसे कम गर्मी रही, जहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहा।

सीकर जिले में जारी आंधी और बारिश का दौर अभी 2 दिन और चलेगा। सीकर जिले में 17 और 18 मई को 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। इस दौरान जिले के कई इलाकों में बारिश भी हो सकती है। 19 मई से मौसम में बदलाव होना शुरू होगा। मौसम शुष्क रहने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी होना भी शुरू हो जाएगी। कोटा में मार्च-अप्रैल की तरह ही मई में भी मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। मई में तीसरी बार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इससे मंगलवार को 24 घंटे में तापमान 4 डिग्री बढ़ गया। उमस वाली गर्मी ने बेचैन किए रखा। हालांकि, दिन में हल्के बादल होने से तापमान में 1.1 डिग्री की कमी हुई। शाम को शहर में आंधी आई।

झालावाड़ बुधवार को भी भट्टी की तरह तप रहा है। इससे पहले मंगलवार दोपहर को 42 डिग्री में भट्टी की तरह तप रहे शहर को शाम को बूंदाबांदी और 30 से 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवा ने गर्मी से राहत दी। शाम 7 बजे तापमान 35 डिग्री रह गया। पश्चिमी विक्षोभ के चलते शाम को अचानक मौसम बदला। जिले के खानपुर और पनवाड़ में पौन घंटे तेज बारिश हुई, वहीं खानपुर के पदमिया गांव में बारिश के साथ ओले भी गिरे। बारिश के साथ तेज हवा चलने से कई जगह बिजली के पोल भी गिर गए। इधर, झालावाड़ में भी बूंदाबांदी होने से मौसम में ठंडक घुल गई। भीलवाड़ा में बुधवार को मौसम साफ है। इससे पहले मंगलवार सुबह करीब 10 बजे तक धूल भरा मौसम रहा। इसका प्रमुख कारण रविवार देर रात आई तेज आंधी को बताया जा रहा है।

घर के पास से नाबालिग का किडनैप, गैंगरेप

जंगल में ले जाकर पहले लड़की से मारपीट की, फिर दो युवकों ने किया दुष्कर्म

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। प्रताप नगर थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की से मारपीट अपहरण और गैंगरेप का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता के पिता की शिकायत पर प्रताप नगर थाना पुलिस ने 2 बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पीड़िता के पिता ने शिकायत दी है कि 15 मई को शाम 6:30 बजे उसकी बेटी गोदावरी अपार्टमेंट के आस-पास घूम रही थी। इसी दौरान दो युवक आए और जबरन उसे अपने साथ बाइक पर बिठा कर ले गए।

आरोपियों ने जंगल में ले जाकर युवती के साथ पहले मारपीट की और फिर उसके साथ एक-एक कर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। गैंगरेप की शिकार नाबालिग जब घर पहुंची तो उसने परिवार को आप बीती बताई। जिस पर नाबालिग के परिजन उसे प्रताप नगर थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। अपहरण,मारपीट और गैंगरेप को देखते हुए इस मामले की जांच एडिशनल डीसीपी नारायण तिवारी को दी गई है।

प्रताप नगर थाना पुलिस ने बताया कि गोदावरी अपार्टमैंट के आसपास नाबालिग लड़की अकेली घूम रही थी। इसी दौरान दो युवक उसके पास आते हैं उससे बात करते हैं और फिर जबरन उसे वहां से उठाकर अपने साथ ले जाते हैं। इस दौरान आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी उसे कुछ दूरी पर जंगलों में लेकर चले गए।

किसान आंदोलन शुरु होने से पहले खत्म

मंत्री खाचरियावास के आश्वासन के बाद किसानों ने किया धरना स्थगित

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। भारतीय किसान संघ के प्रदेशव्यापी आह्वान के तहत मंगलवार को राजस्थान के किसान अपनी मांगों को लेकर राजधानी जयपुर में जुटे। किसानों ने विद्याधर नगर स्टेडियम में अपना डेरा डाला। यहां सभा के बाद किसान सचिवालय घेराव के लिए निकलें। जिसे पुलिस ने कुछ दूरी पर ही बैरिकेडिंग के द्वारा रोक दिया। जिससे किसानों ने वहीं पड़ाव डाल दिया। इसपर प्रशासन की समझाइश के बाद किसान वापस पांडाल में लौटे। वहीं सरकार से वार्ता करने के लिए प्रतिनिधिमंडल सचिवालय गया।

आंदोलन संयोजक तुलछाराम सींवर ने बताया कि आंदोलन के तहत ग्राम समितियों की बैठकों में और गांव ढाणी से आई समस्याओं को मिलाकर मांग पत्र तैयार किया गया था। जिसके बाद 34 सूत्रीय मांगपत्र सरकार को सौंपा है। जिसमें सस्ते और टैक्समुक्त कृषि आदान, उपज के आधार पर लाभकारी मूल्य देने, हर खेत को सिंचाई का पानी, 8 घंटे सस्ती व निर्बाध बिजली देने समेत विभिन्न मांगें की गई थी।

महिला तांत्रिक के कहने पर 600 करोड़ लूटने पहुंचे

परिवार को बंधक बनाया, रुपए जमीन में दबे होने के शक में टाइल्स तोड़ी

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। जयपुर के 2 प्रॉपर्टी डीलर अपने ही जानने वाले प्रॉपर्टी डीलर के यहां 600 करोड़ रुपए लूटने पहुंच गए। इसके लिए उन्होंने लुटेरों की गैंग से संपर्क साधा और पहुंच गए लूट की वारदात को अंजाम देने। घर वालों को पहले बंधक बनाया, फिर 600 करोड़ रुपए ढूंढने लगे। कमरे की टाइल्स तक तोड़ डाली। फिर भी सफलता नहीं मिली। इतना सब उन्होंने एक महिला तांत्रिक के कहने पर किया। तांत्रिक ने कहा था कि घर में 600 करोड़ रुपए हैं। बाद में लुटेरे घर में पड़े कीमती सामान (गहने) व कैश लूट कर फरार हो गए। मामला करणी विहार इलाके का है।

महिला तांत्रिक सहित 15 गिरफ्तार डीसीपी वेस्ट वंदिता राणा ने बताया- पुलिस ने महिला तांत्रिक समेत सभी 15 आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार किया है। करणी विहार थाने के धाबास में 12 मई की देर रात प्रॉपर्टी कारोबारी यादराम मौर्य के घर में हथियारों से लैस होकर बदमाश घुसे थे। पुलिस ने इस वारदात का खुलासा तीन दिन में कर दिया है।

जमीन को लेकर विवाद था डीसीपी वंदिता राणा की मानें तो जांच में सामने आया कि यादराम मौर्य का अपने परिचित रामदयाल और रामेश्वर राठी से जमीन को लेकर विवाद था। रामदयाल और रामेश्वर राठी ने बदला लेने की नीयत से तंत्र विद्या करने वाली अपनी धर्म बहन शीबा बानो से चर्चा की।

68 ब्लैक स्पॉट चिन्हित, हादसों को रोकने के लिए उठाए गए कदम : विष्णु एस वॉरियर

खम्मम, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त विष्णु एस वारियर के अनुसार, जिले में 68 ब्लैक स्पॉट की पहचान की गई है और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों को रोकने के लिए संबंधित विभागों द्वारा ब्लैक स्पॉट्स में बैरिकेड्स, डेंजर साइन इंडिकेटर बोर्ड, स्टॉपर्स, सिग्नल लाइट और ब्लिंकिंग लाइट जैसे उपाय किए गए हैं।

निवारक उपायों के बावजूद, इस वर्ष चार महीनों में 250 सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 78 लोगों की मौत हो गई और 247 लोग घायल हो गए। वारियर ने कहा कि रिपोर्टों के अनुसार, ओवर-स्पीडिंग, तेज और लापरवाही से वाहन चलाना दुर्घटनाओं का कारण है। सीपी ने कहा कि जिला सड़क सुरक्षा समन्वय समिति, जिसमें पुलिस सहित विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी शामिल हैं, ने एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस (आईआरएडी) के आधार पर दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान की और निवारक उपाय किए। सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है क्योंकि सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश लोगों की जान चली जाती है।

खम्ममपुलिस अधिकारियों को उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया गया था जो क्षमता से अधिक वाहनों में भारी सामान ले जाते हैं और कारों में अनुमत संख्या से अधिक यात्रियों को ले जाते हैं। सीपी ने कहा कि अधिकारियों को सड़क सुरक्षा मानकों और हेलमेट पहनने के महत्व पर जनता को जागरूक करने के लिए छात्रों और गैर सरकारी संगठनों को शामिल करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि भारी वाहनों की पीठ पर रेडियम स्टिकर होना चाहिए क्योंकि जब भी कोई वाहन सड़क पर टूट जाता है, तो चलते हुए वाहन खड़े वाहनों से टकरा जाते हैं, जो रात में दिखाई नहीं देते हैं और ऐसी घटनाओं में दुर्घटनाओं की गंभीरता बढ़ रही है, उन्होंने कहा। सीपी के निर्देशों के बाद, एसीपी (यातायात) रामोजी रमेश, वायरा एसीपी रहमान, एनएचएआई प्रबंधक पद्मावती, डीई सुरिबाबू और इंजीनियरिंग अधिकारियों ने बुधवार को छह ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों का दौरा किया जहां खम्मम से वायरा खंड पर कोनिजेरला रोड पर दुर्घटना के कारणों का विश्लेषण किया गया। घातक दुर्घटनाओं का कारण बनता है और निवारक उपाय करता है।

हर्षोल्लास के साथ 22 को मनाई जायेगी महाराणा प्रतापसिंह जयंती

नांदेड, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री रेणुका माता मंदिर ट्रस्ट क्षत्रिय राजपूत समाज के तत्वाधान मे 22 मई को महाराणा प्रतापसिंह जयंती बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी। उल्लेखनीय है कि नांदेड में हर वर्ष महाराणा प्रतापसिंह जयंती तिथि के अनुसार मनाई जाती है। इस अवसर पर 22 मई को विशाल शोभा यात्रा शाम 4 बजे निकाली जायेगी। शोभा यात्रा में परम्परिक झांकियां, तोफ, ढोल आदि होंगे। शोभा यात्रा नांदेड शहर के मुख्य मार्ग गुरहद्वारा चौरस्ता, महावीर चौक, छत्रपति शिवाजी चौक, रेलवे ब्रिज, अण्णाभाऊ साठे चौक से होकर महाराणा प्रतापसिंह चौक जायगी। शोभायात्रा का समापन महाराणा प्रतापसिंह की विशाल प्रतिमा की पूजा अर्चना तथा माल्यार्पण के साथ सम्पन्न होगा। इस प्रकार की जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष राजूसिंह अग्निवंशी, सचिव बजरंगसिंह ठाकुर ने देते हुए समस्त क्षत्रिय राजपूत समाज तथा धर्मप्रेमी बंधुओं से शोभा यात्रा में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

राज्यपाल ने कोत्तागुडेम और खम्मम जिले का दौरा किया

पांच तेलंगाना ग्राम पंचायतों को आंप्र में विलय करने के मामले में केंद्र से बात करने का दिया आश्वासन

कोत्तागुडेम, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने आश्वासन दिया है कि वह पांच तेलंगाना ग्राम पंचायतों को आंध्र प्रदेश में विलय करने के मामले को केंद्र सरकार के संज्ञान में लेगी। वह बुधवार को कोत्तागुडेम और खम्मम जिलों के एक दिन के दौरे के लिए यहां पहुंचीं और भद्राचलम में आदिवासियों के साथ बातचीत की, जहां आदिवासियों ने उनसे तेलंगाना के साथ पांच ग्राम पंचायतों के विलय के मुद्दे को हल करने की अपील की।

उनकी अपील का जवाब देते हुए डॉ. सौंदरराजन ने कहा कि वह विलय की गई ग्राम पंचायतों में लोगों की समस्याओं से अवगत हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि आदिवासियों ने उन्हें इस मुद्दे को हल करने की जिम्मेदारी दी है, इसलिए इसे जल्द से जल्द हल करने के उपाय किए जाएंगे। स्थानीय विधायक पोडेम वीरैया ने भी राज्यपाल से पांच ग्राम पंचायतों को तेलंगाना में विलय करने के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की। इससे पहले, राज्यपाल ने श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम, भद्राचलम का दौरा किया और पीठासीन देवताओं के दर्शन किए। उन्होंने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला बैठक में भी भाग लिया।

आंप्र सरकार ने वाईएसआर मत्स्यकारा भरोसा के तहत 123.52 करोड़ रुपये जारी किए

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 15 अप्रैल से 14 जून तक समुद्री मछली पकड़ने पर प्रतिबंध की अवधि के दौरान राज्य भर में 1,23,519 मछुआरों की सहायता के लिए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने वाईएसआर मत्स्यकारा भरोसा के तहत 123.52 करोड़ रुपये जारी किए। प्रत्येक लाभार्थी परिवारों के बैंक खातों में सीधे 10,000 रुपये की राशि जमा की जाएगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कोनासीमा और काकीनाडा जिलों में ओएनजीसी पाइपलाइन निर्माण के कारण अपनी आजीविका खो चुके 23,458 मछुआरा परिवारों को 107.91 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान किए। उन्होंने निजामपट्टनम मछली पकड़ने के बंदरगाह के लिए 417 करोड़ रुपये की आधारशिला भी रखी। वाईएसआर मत्स्यकारा भरोसा लांच करने के बाद, मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने जनसभा को संबोधित किया और कहा कि वर्तमान सरकार 25 करोड़ वार्षिक व्यय वाले डीजल की खरीद पर 9 रुपये की सब्सिडी दे रही है, जबकि तेदेपा सरकार ने केवल मछुआरों द्वारा अपनी नावों के संचालन के लिए डीजल की खरीद पर 6 रुपये सब्सिडी दे रही थी। उन्होंने कहा कि रोगग्रस्त मछुआरा परिवारों के परिजनों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को टीडीपी शासन के दौरान दिए गए 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है।

इंदिरा गांधी जूलॉजिकल पार्क में जिराफ की मौत

विशाखापत्तनम, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखापत्तनम के इंदिरा गांधी प्राणी उद्यान में बुधवार को करीब 10 साल की मे नाम की मादा जिराफ की मौत हो गई.

मे को 2013 में मलेशिया के नेगेरा चिड़ियाघर से शहर के चिड़ियाघर में लाया गया था जब वह केवल चार महीने की थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, जानवर का पिछले तीन महीने से इलाज चल रहा था और मौत का कारण क्रॉनिक मेट्राइटिस और निमोनिया है। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने कहा कि आमतौर पर जिराफ की औसत उम्र 20-25 साल होती है।

मतदाताओं से संबंधित मुद्दों के हल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए : विकास राज

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चार जिलों के डीईओ के साथ बैठक की

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने बुधवार को हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल और संगारेड्डी के डीईओ के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य फोकस पूर्व में हुई बैठक में राजनीतिक दलों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर रहा। सीईओ ने शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं से संबंधित मुद्दों को हल करने के बारे में विस्तार से चर्चा की और डीईओ को जीएचएमसी और उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए एक विशिष्ट अभियान चलाने का निर्देश दिया। सीईओ ने आगे डीईओ को मानक संचालन दरवाजे के नंबरों और मतदाताओं के विवरण के सत्यापन के संबंध में विभिन्न पहलुओं पर प्रक्रियाएं (एसओपी) के साथ आने के लिए कहा है। चार जिलों के डीईओ ने मतदाता सूची पर उठाए जाने वाले कदमों, मतदान केंद्र प्रस्तावों, विशेष रूप से जहां एक ही स्थान पर कई बूथ हैं और चुनाव से पहले किए जाने वाले चुनाव संबंधी अन्य कार्यों पर भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि वे इन सभी गतिविधियों के लिए विस्तृत कार्य योजना और एसओपी लेकर आएंगे और शीघ्र ही प्रस्तुत करेंगे। डीईओ ने उल्लेख किया कि वे शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों के लिए एक समर्पित योजना लेकर आएंगे। वर्तमान में प्रमुख ध्यान उन घरों के नंबरों को अपडेट करने पर होगा जहां कहीं भी मतदाता विभिन्न परिवारों में कई हिस्सों या अपार्टमेंट वाले भवन में रह रहे हैं और मतदाताओं के फोन नंबर एकत्र करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है ताकि चुनाव संबंधी जानकारी सीधे उन्हें भी भेजी जा सके। बीएलओ ऐसे सभी घरों का दौरा करेंगे और इन मतदाताओं से उनके घर के नंबरों को सही करने के लिए फॉर्म-8 एकत्र करेंगे। मतदाता भागीदारी में सुधार और द्वार संख्या में सुधार के लिए निवासी कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) को शामिल करने का निर्णय लिया गया। इसे लेकर सोशल मीडिया में एक संबद्ध अभियान भी चलाया जाएगा।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल महिला सेविका शाखा के चुनाव संम्पन

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल महिला सेविका शाखा के चुनाव अत्तापुर स्तिथ डिंपल अग्रवाल के निवास पर सम्पन हुए। जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा की मंत्री अनु अग्रवाल ने बताया की सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी पूजा-अर्चना की गयी तत्पचात शाखा की अध्यक्ष ने पधारे सभी सदस्यों का स्वागत किया, तत्पचात अध्यक्ष ने सभी को अवगत कराया की अग्रवाल समाज अत्तापुर वेस्ट महिला शाखा से निकल कर अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल महिला सेविका शाखा बनाई गई, जिसमे नवनिर्वाचित 2023-25, के पद के लिए अध्यक्ष श्रीमती डिंपल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सविता अग्रवाल, मानद मंत्री अनु अग्रवाल, सह मंत्री दक्षा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुनीता गुप्ता, केंद्रीय समिति सदस्य निधि अग्रवाल को सर्वसमीति से चुना गया।

लोग बीआरएस सरकार से परेशान : एनवीएसएस प्रभाकर

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य बीजेपी उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आज यहां कहा कि कांग्रेस नेताओं के दावे के मुताबिक तेलंगाना में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों का कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन तेलंगाना के लोग सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के विकल्प के रूप में बीजेपी को वोट देंगे। यहां राज्य पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रभाकर ने कहा कि अगर हम चुनाव के बाद के विश्लेषण में जाते हैं तो ऐसा लगता है कि कर्नाटक के लोगों ने एक विकल्प के लिए मतदान किया है और तेलंगाना में भी यही दोहराया जाएगा, क्योंकि भाजपा राज्य में सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी का एक प्रभावी विकल्प बन गई है।

इस तर्क पर विश्वास करने के बहुत सारे कारण है कि बीजेपी सीएम केसीआर के नेतृत्व वाली बीआरएस पार्टी का विकल्प क्यों है, चाहे वह दुब्बका और हुजूराबाद के उपचुनाव हों और जीएचएमसी में चुनाव हों या भाजपा के राज्य पार्टी प्रमुख बंडी संजय कुमार द्वारा शुरू किया गया आंदोलन हो।

उन्होंने कहा कि लोग बीआरएस सरकार के अयोग्य प्रदर्शन और प्रशासन से तंग आ चुके हैं जिसने जनविरोधी जीओ जारी किए हैं। प्रभाकर ने कहा कि यह भाजपा है जिसने केसीआर सरकार की गरीब विरोधी और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया है और भाजपा के राज्य पार्टी प्रमुख बंदी संजय कुमार लोगों के मुद्दों को उठा रहे हैं और आरोप लगाया कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों सत्ता के सपने देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बीआरएस तेलंगाना की जनता को धोखा देकर दोबारा सत्ता में आने का दिवास्वप्न देख रही है और कर्नाटक के नतीजों के बाद कांग्रेस अति आत्मविश्वास में है। प्रभाकर ने 21 दिन लंबे राज्य गठन दिवस के केसीआर सरकार के फैसले की निंदा की। इसे जश्न मनाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, जिसने "नीरू, निधुलु और नियामकलु" (जल, निधि और नियुक्ति) के अपने नारे के साथ लोगों को धोखा दिया है और मूर्ख बनाया है। उन्होंने कहा कि अगर इन तीन मुद्दों पर खुली बहस हुई तो बीआरएस सरकार और उसके नेता बेनकाब हो जाएंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार नौ साल के दौरान शराब, लीकेज और उधारी में मशहूर हो गई।

सूर्या कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन ने गरीब युवक-युवती का विवाह कराया

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्या कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा कोटेश्वर शिव मंदिर, सूर्या कॉलोनी सुभाष नगर में सुभाष नगर 130 डिवीजन कॉर्पोरेटर सुरेश रेड्डी के मार्गदर्शन में एवं सूर्या कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष एम. चतुर्वेदी की अध्यक्षता में गरीब लड़का राजू और लड़की लक्ष्मी गंगा का विवाह कराया गया। उपस्थित सभी लोगों ने नवविवाहित जोड़े को भरपूर आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष एमपी चतुर्वेदी, भक्त सुरेश सैनी, उपाध्यक्ष दास राजू, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता चतुर्वेदी, आरपी दिक्षित, सी चंद्रशेखर, दिलीप, राहुल उपस्थित हुए ।

एनएमडीसी में निवारक सतर्कता पर सत्र आयोजित

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के लौह अयस्क के सबसे बड़े उत्पादक एनएमडीसी ने आज हैदराबाद स्थित अपने मुख्यालय में निवारक सतर्कता पर सत्र का आयोजन किया। केन्द्रीय सतर्कता आयोग की अपर सचिव डॉ. प्रवीण कुमारी सिंह ने अपना प्रमुख व्याख्यान दिया। उक्त कार्यक्रम में दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन) तथा बी. विश्वनाथ, सीवीओ सहित एनएमडीसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। निवारक सतर्कता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. प्रवीण कुमारी सिंह ने कहा कि जिम्मेदारी और पारदर्शिता एक संगठन के महत्वपूर्ण सिद्धांत हैं। वास्तविक निवारक सतर्कता, जो आंतरिक क्षमता का निर्माण करता है, जिसे बातचीत के माध्यम से जागरूकता बढ़ाकर हासिल किया जा सकता है, जोकि लोगों और प्रक्रियाओं को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह होती है। किसी कंपनी के वरिष्ठ कर्मचारियों को संगठनात्मक लक्ष्यों को समझने और नैतिकता तथा सत्यनिष्ठा से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए अपने साथियों और अधीनस्थों को सक्रिय रूप से शामिल करने की आवश्यकता है। डॉ. प्रवीण कुमारी सिंह ने यह भी कहा कि सुशासन एक सांस्कृतिक परिणाम की मांग करता है जो ईमानदारी से जीवन निर्वाह करने का एक उपाय बनाता है ।

केबीआर पार्क में भगवान गणेशजी की पूजा आरती कार्यक्रम में भाग लेते हुए विजय कुमार अग्रवाल, अशोक रूंगटा, विजय कुमार, सुरेश अग्रवाल, श्रीमती श्रीनिवास पुष्पालता, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, रामराजू, डॉ. राधाकृष्ण, सुधाकर, अशोक लखोटिया, राहुल सिंघल, गोपाल बल्दवा, सुरेंद्र अग्रवाल व अन्य।

सिकंदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नियुक्त होने पर एन. अनिल कुमार का सम्मान करते हुए दयानंद यादव, अनीश शर्मा, नागराज यादव।

आत्महत्या से पहले युवक का सेल्फी वीडियो : पांच पर मामला दर्ज

मनचेरियल, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में एक 27 वर्षीय व्यक्ति द्वारा रिकॉर्ड किया गया सेल्फी वीडियो वायरल हो गया, जिसकी कथित तौर पर कीटनाशक खाने के बाद आत्महत्या कर ली गई थी। दांडेपल्ली के कोथममिडिपल्ली गांव में एक महिला की कथित आत्महत्या के मामले में दर्ज होने के बाद अपमानित महसूस करने वाले नौजवान नलिमेला विजय ने यह कहते हुए वीडियो रिकॉर्ड किया कि वह निर्दोष है।

उसके रहस्योद्घाटन के बाद, बुधवार को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पांच लोगों पर मामला दर्ज किया गया। दांडेपल्ली सब-इंस्पेक्टर प्रसाद ने कहा कि विनय की मंगलवार को हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मार्च में, विनय के खिलाफ उसी गांव की एक लड़की एम्बाडी सैशमा की कथित आत्महत्या के बाद मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्हें हाल ही में रिहा किया गया था। वीडियो में विनय ने कहा कि जब जेल से छूटने के बाद गांव वालों में से किसी ने भी उससे बात नहीं की तो उसका अपमान किया गया। उसने कहा कि वह निर्दोष है और ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वह सैशमा के साथ उसके चैटिंग इतिहास की जांच करें। उसने कहा कि वह वह थी जिसने उससे शादी करने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन जब उसके माता-पिता ने उस पर किसी अन्य व्यक्ति से शादी करने का दबाव डाला तो उसने आत्महत्या कर ली। यह कहते हुए कि उसने कोई अपराध नहीं किया है, विनय ने अपने माता-पिता और रिश्तेदारों से माफी मांगी और कहा कि वह अपमानित महसूस करने के बाद कठोर कदम उठा रहा है। उसने वीडियो क्लिप को अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसे बाद में कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से साझा किया गया। उसकी मां बुच्छव्वा से प्राप्त शिकायत के आधार पर, एक मामला दर्ज किया गया था और सेशमा के पांच रिश्तेदारों को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया था।

बंडी संजय ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज सीएम केसीआर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार मीडिया को लोगों के मुद्दों और सरकार की गलतियों पर सवाल उठाने से रोक रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आंदोलनकारी विपक्षी दल के नेताओं को उनकी सरकार द्वारा गिरफ्तार किया जा रहा है और धमकी दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम जनता के पैसे को गले लगाकर अपनी ही पार्टी का प्रचार कर रहे हैं और दावा किया कि सीएम मीडिया को भाजपा की खबरें न लिखने के लिए विज्ञापन दे रहे हैं। उन्होंने सीएम केसीआर को उनके शासन के दौरान तेलंगाना में हुए विकास पर एक श्वेत पत्र जारी करने की चुनौती दी।

बंडी संजय ने हैदराबाद के निजाम कॉलेज मैदान में 'खेलो भारत-जीतो भाग्यनगर' खेल प्रतियोगिता का फाइनल मैच देखने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया कार्यक्रम के नाम से भाजपा के प्रतिनिधित्व वाले सभी संसदीय क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि राज्य सभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण राज्य की राजधानी में खेलों को बढ़ावा देने के एक अच्छे विचार के साथ खेलो भारत-जीतो भाग्यनगर खेल प्रतियोगिता का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण क्रिकेट के साथ-साथ घरेलू खेलों को भी बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पुरस्कार उन्हीं को दिए गए जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। इसके हिस्से के रूप में, भाजपा खेलो इंडिया-जीतो भाग्यनगर के नारे के साथ काम कर रही थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सिद्धा पर मुहर ...

दूसरा: सिद्धारमैया को सीएम बना दिया जाए। डीके को पीसीसी के चीफ के अलावा दो बड़े मंत्रालय दिए जाएं।

इससे पहले सिद्धारमैया सुबह 11.15 बजे राहुल गांधी से मिलने के लिए 10 जनपथ पहुंचे। दोनों के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। इस दौरान उनके साथ विधायक भी मौजूद रहे। राहुल से मुलाकात के बाद सिद्धारमैया ने फोन पर सोनिया गांधी से बात की। डीके शिवकुमार दोपहर 12:15 बजे राहुल से मिलने पहुंचे। दोनों की एक घंटे मीटिंग हुई। इससे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने सोनिया गांधी से मुलाकात की थी। दिल्ली कांग्रेस ऑफिस के बाहर डीके के समर्थक पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इनकी मांग है कि उन्हें सीएम बनाया जाए।

डीके शिवकुमार ने मंगलवार सुबह बेंगलुरु में कहा, 'हम सब एक हैं। हम 135 हैं। मैं किसी को डिवाइड नहीं करना चाहता। वे भले ही मुझे पसंद करें या नहीं। मैं एक जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मैं धोखा नहीं दूंगा और ना ही ब्लैकमेल करूंगा। हमने कांग्रेस पार्टी को बनाया, हमने इस घर को बनाया। मैं इसका हिस्सा हूं।' उन्होंने कहा, 'एक मां अपने बच्चे को सब कुछ देती है। सोनिया गांधी हमारी आदर्श हैं। कांग्रेस हर किसी के लिए परिवार की तरह है। हमारा संविधान बेहद महत्वपूर्ण है और हमें सभी के हितों की रक्षा करनी है। लोकसभा में 20 सीट जीतना हमारा अगला लक्ष्य है।' 13 मई को चुनाव का परिणाम आने के बाद से अब तक कांग्रेस सीएम का ऐलान नहीं कर सकी है।

आतंकी कनेक्शन को ...

विदेश में बैठे आतंकी गैंगस्टर्स की कर रहे थे मदद

जांच एजेंसी को जब इस बात का पता चला कि विदेशों में स्थित आतंकवादी संगठन देश के उत्तरी राज्यों में हत्याओं और हिंसक घटनाओं को अंजाम देने के लिए नेताओं और संगठित आपराधिक गिरोहों के सदस्यों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। तब एनआईए ने 20 सितंबर 2022 को खुद ही मामला दर्ज किया था।

आतंकी-गैंगस्टर-ड्रग तस्कर नेटवर्क का नेक्सस

यह भी सामने आया था कि आतंकी-गैंगस्टर-ड्रग तस्कर नेटवर्क बंदूक चलाने वालों, अवैध हथियार और गोला-बारूद बनाने वालों के माध्यम से सीमा पार आतंकवादी हार्डवेयर, जैसे हथियार, गोला-बारूद विस्फोटक, आईईडी आदि की तस्करी में लगा हुआ था। इसको लेकर एनआईए ने पहले ही 19 लोगों और विभिन्न गिरोहों के सदस्यों, दो हथियार सप्लायर और नेटवर्क से जुड़े एक बड़े फाइनेंसर को गिरफ्तार कर लिया है।

बंगाल सरकार ने सौरव गांगुली की सुरक्षा बढ़ाई

अब जेड-श्रेणी के घेरे में रहेंगे दादा, पहले वाई श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी

खेल डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की सुरक्षा को अपग्रेड किया गया है। अब उनको जेड श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। यानी अब उनके साथ हर समय एक एस्कॉर्ट कार चलेगी। गांगुली को पहले से ही वाई श्रेणी की सुरक्षा बंगाल सरकार की ओर से प्राप्त है।

हालांकि, सुरक्षा को बढ़ाने को लेकर सौरव गांगुली की ओर से बंगाल सरकार को कोई अनुरोध नहीं किया गया है। यह कदम बंगाल गवर्नमेंट ने खुद अपने स्तर पर उठाया है। सरकार की ओर से उनकी सुरक्षा को बढ़ाए जाने को लेकर कोई स्पष्ट वजह अब तक नहीं बताई गई है। ऐसे में बंगाल सरकार की ओर से उनकी सुरक्षा बढ़ाए जाने को लेकर राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं।

दरअसल बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सौरव गांगुली के बीजेपी में जाने की चर्चा थी। हालांकि, सौरव गांगुली ने कभी भी अपनी ओर से बीजेपी या अन्य किसी भी पार्टी में शामिल होने को लेकर अब तक कुछ भी नहीं कहा है। बाद में यह भी खबरें आईं की केंद्र सरकार और बीजेपी नेताओं से उनके रिश्ते खराब हो गए हैं। सौरव को बीसीसीआई अध्यक्ष पद से हटना पड़ा।

सौरव दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं

सौरव गांगुली आईपीएल की फ्रेंचाइजी टीमी दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं। दिल्ली कैपिटल्स का आईपीएल के 16वें सीजन में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। दिल्ली टीम पहले ही प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। दिल्ली को आज पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में मैच खेलना है। दिल्ली ने अब तक खेले 12 मैचों में 4 जीते हैं और 8 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वह पॉइंट टेबल में 8 पॉइंट के साथ सबसे नीचे है।

जेडसहित अन्य सुरक्षा घेरे में क्या होता है

1. जेड+ सिक्योरिटीः भारत की टॉप सिक्योरिटी है। इसमें 10 से ज्यादा एनएसजी कंमाडो होते हैं। साथ ही 55 से ज्यादा ट्रेंड पुलिस के जवान होते हैं और ये आधुनिक हथियारों से लैस होते हैं। साथ ही सभी कमांडो मार्शल आर्ट स्पेशलिस्ट भी होते हैं। ये सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति के साथ 24 घंटे रहते हैं।

2. जेड सिक्योरिटीः इसमें 6 एनेसजी कमांडो शामिल होते हैं जो मार्शल आर्ट स्पेशलिस्ट होते हैं। साथ ही 22 ट्रेंड पुलिस के जवान भी सुरक्षा में लगे होते हैं। जिनके पास आधुनिक हथियार होते हैं।

3. वाई+ सिक्योरिटीः इसमें सुरक्षा में 1 या दो कमांडो और पीएसओ के जवान होते हैं।

4.वाई सिक्योरिटीः इसमें 1 या 2 कमांडो और 8 पुलिस फोर्स के जवान शामिल होते हैं।

5. एक्स सिक्योरिटीः एक्स इस श्रेणी की सुरक्षा में 2 सशस्त्र पुलिस के जवान होते हैं।

भारतीय हॉकी टीमः यूरोप चरण के लिए हरमनप्रीत को हॉकी टीम की कमान, कोच फुल्टोन का पहला टूर्नामेंट

खेल डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। अपने मैदान पर एफआईएच प्रो लीग के पिछले चरण में भारतीय टीम विश्व चैम्पियन जर्मनी और आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपराजेय रही। यूरोप में टीम इस लय को कायम रखना चाहेगी जहां उसका सामना लंदन में बेल्जियम और ब्रिटेन से होगा

ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच प्रो लीग हॉकी के यूरोप चरण के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया है। यह नए कोच क्रेग फुल्टोन का यह पहला टूर्नामेंट होगा। अपने मैदान पर एफआईएच प्रो लीग के पिछले चरण में भारतीय टीम विश्व चैम्पियन जर्मनी और आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपराजेय रही।

यूरोप में टीम इस लय को कायम रखना चाहेगी जहां उसका सामना लंदन में बेल्जियम और ब्रिटेन से होगा जबकि नीदरलैंड में उसे अर्जेंटीना और नीदरलैंड से खेलना है। अपनी शादी के कारण घरेलू मैचों से बाहर रहे गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की टीम में वापसी हुई है जिनके साथ अनुभवी पी आर श्रीजेश होंगे । इनके अलावा टीम में पांच पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ हरमनप्रीत, अमित रोहिदास,जरमनप्रीत सिंह, संजय और मनदीप मोर हैं।

मनप्रीत सिंह अब मिडफील्ड की बजाय बैकलाइन में सुमित और गुरिंदर सिंह के साथ होंगे। मिडफील्ड में उपकप्तान हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, एम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, आकाशदीप सिंह और विवेक सागर प्रसाद हैं। फॉरवर्ड पंक्ति में सिमरनजीत सिंह की वापसी हुई है जो आखिरी बार जकार्ता में एशिया कप में खेले थे। उनके साथ अभिषेक, ललित उपाध्याय, एस कार्ति, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह, राजकुमार पाल और मनदीप सिंह होंगे।

भारतीय टीम :

गोलकीपर : कृष्ण बहादुर पाठक, पी आर श्रीजेश

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान) ,अमित रोहिदास,जरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, मनदीप मोर, गुरिंदर सिंह

मिडफील्डर : हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, एम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, आकाशदीप सिंह और विवेक सागर प्रसाद

फॉरवर्ड : सिमरनजीत सिंह, अभिषेक, ललित उपाध्याय, एस कार्ति, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह, राजकुमार पाल और मनदीप सिंह।

तीसरे दौर में नोवाक जोकोविच ने दिमित्रोव को हराया

खेल डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। जोकोविच का सामना अब 13वीं वरीयता प्राप्त कैमरन नॉरी से होगा जिसने मार्टोन फुस्कोविक्स को 6-2, 7-6 से हराया। महिला वर्ग दो बार की चैंपियन इगा स्वियातेक ने लेसिया सुरेंको को 6-2, 6-0 से हराया। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने इटालियन ओपन के तीसरे दौर में जीत हासिल की। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन जोकोविच ने दूसरा सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-3, 4-6, 6-1 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। पिछले दो टूर्नामेंटों में जोकोविच जल्दी बाहर हो गए जिसके मायने हैं कि इस टूर्नामेंट के बाद वह एक बार फिर नंबर एक रैंकिंग कार्लोस अल्कारेज को गंवा देंगे। जोकोविच का सामना अब 13वीं वरीयता प्राप्त कैमरन नॉरी से होगा जिसने मार्टोन फुस्कोविक्स को 6-2, 7-6 से हराया।

महिला वर्ग दो बार की चैंपियन इगा स्वियातेक ने लेसिया सुरेंको को 6-2, 6-0 से हराया। पिछले मैच में उन्होंने अनास्तासिया पी को 6-0, 6-0 से मात दी थी। अब उनका सामना 21वीं वरीयता प्राप्त डोन्ना वेकिच से होगा जिसने 16वीं वरीयता प्राप्त लियुडमिला सैमसोनोवा को 2-6, 7-6, 6-2 से हराया।

एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका

समर सीजन से बाहर हुआ मैच विनर खिलाड़ी

खेल डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए बड़ा झटका लगा है। टीम के दिग्गज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड क्रिकेट ने एक ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी है। जिसमें बताया गया है कि आईपीएल से बाहर होने के बाद अब जोफअरा आगामी एशेज सीरीज का भी हिस्सा नहीं होंगे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट टीम का ऐलान किया है, जिसमें जोफ्रा का नाम नहीं है।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के के प्रबंध निदेशक रॉब ने कहा कि 'जोफ्रा आर्चर के लिए यह निराशाजनक और परेशान करने वाला समय रहा है। वह कोहनी की चोट से जूझ रहे हैं और इसलिए उन्हें कुछ समय के लिए क्रिकेट से दूर रखा जाएगा। हम उनके ठीक होने के लिए शुभकामनाएं देते हैं। मुझे यकीन है कि हम जोफ्रा को उसके सर्वश्रेष्ठ और विजयी खेल में वापस देखेंगे।'

पूरे समर सीजन से बाहर रहेंगे जोफ्रा

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज अगले महीने से शुरू होगी। जब भी यह दोनों टीमें टेस्ट क्रिकेट में आमने-सामने होती हैं तो रोमांच बढ़ जाता है और एक टफ फाइट देखने को मिलती है। हालांकि इस बार एशेज में इंग्लैंड के स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर नहीं दिखेंगे। उनकी स्ट्रेस फ्रैक्चर की चोट एक बार फिर उभर कर आ चुकी है। इसलिए वह इंग्लैंड के लिए पूरे समर से बाहर रहने वाले हैं।

मुंबई के लिए खेले थे आईपीएल

जोफ्रा आर्चर हाल में मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में कुछ मैच खेले थे, जिसमें वह फॉर्म में नहीं दिखे। उन्होंने 5 मैचों में सिर्फ 2 विकेट निकाले, जबकि इकॉनमी भी 9.50 का रहा। आईपीएल से लौटने के बाद उन्होंने जब स्केन कराया तो उनकी दाहिनी कोहनी में स्ट्रेस फ्रैक्चर निकला है। अब यह तेज गेंदबाज इंग्लैंड और ससेक्स की मेडिकल टीमों के साथ समय बिताएगा, जो उनकी चोट प्रबंधन के प्रभारी हैं।

2021 में खेला था आखिरी टेस्ट

जोफ्रा आर्चर पिछले 2 साल से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेले हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मार्च 2021 में खेला था। इसके बाद वह एल्बो इंजरी और बैक इंजरी की वजह से क्रिकेट से दूर रहे। हाल ही में जोफ्रा आर्चर ने रिकवर होकर आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलना शुरू किया था, लेकिन उनकी पुरानी चोट फिर उभर आई और अब वह फिर लंबे समय के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं।

आयरलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की टेस्ट टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जॉनी बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, ज़क क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, जैक लीच, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, क्रिस वोक्स, मार्क वुड

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले स्टीव स्मिथ ने काउंटी क्रिकेट में बिखेरा जलवा

एक हाथ से लपका बेहतरीन कैच

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए स्टीव स्मिथ ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए स्टीव स्मिथ ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। वे इन दिनों इंग्लैंड में ही हैं और वहां पर काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। अपनी टीम ससेक्स की ओर से उन्होंने सोमवार को लीसेस्टरशायर के खिलाफ एक शानदर कैच पकड़ा। इसकी हर तरफ तारीफ हो रही है।

स्टीव स्मिथ को दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में गिना जाता है। वो काफी अच्छे फिल्डर भी है। हाल ही में ससेक्स और लीस्टरशायर के बीच मैच में वे स्लिप में फील्डिंग कर रहे थे। जो कि उनके फेवरेट पोजीशन है। मैच के चौथे दिन रहमान अहमद क्रीज पर थे। रहमान ड्राइव खेलने की कोशिश में थे लेकिन गेंद बल्ले के किनारे पर लगकर स्लिप की ओर चली गई। गेंद स्टीव स्मिथ से काफी दूर थी। उन्होंने एक हाथ स्ट्रेच किया और डाइव लगाकर गेंद को पकड़ा। स्मिथ का कैच देखकर सभी काफी हैरान रह गए। इसका वीडियो भी हर तरफ वायरल हो रहा है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले आईसीसी ने किए 3 बड़े बदलाव, सॉफ्ट सिग्नल खत्म

हेलमेट और फ्री हिट पर लागू होंगे ये नए नियम

खेल डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। तीन बड़े बदलाव 1 जून से लागू होंगे। नए नियम सॉफ्ट सिग्नल, हेलमेट की अनिवार्यता और फ्री हिट से संबंधित हैं।

क्रिकेट की शीर्ष संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार को बड़े बदलावों का ऐलान किया। आईसीसी ने सौरव गांगुली के नेतृत्व वाली पुरुष क्रिकेट समिति और महिला क्रिकेट समिति की सिफारिशों को मंजूरी देने के बाद खेल की स्थिति में बदलाव की घोषणा की। तीन बड़े बदलाव 1 जून से लागू होंगे। नए नियम सॉफ्ट सिग्नल, हेलमेट की अनिवार्यता और फ्री हिट से संबंधित हैं।

सॉफ्ट सिग्नल किया खत्म

पहला बदलाव सॉफ्ट सिग्नल के लिए किया गया है। आईसीसी ने सॉफ्ट सिग्नल को खत्म कर दिया है। ग्राउंड अंपायरों को अब टीवी अंपायर के लिए डिसिजन रेफर करते समय सॉफ्ट सिग्नल देने की जरूरत नहीं होगी। पहले कंफ्यूजन की स्थिति में पहले ग्राउंड अंपायर एक सिग्नल देते थे- जिसे सॉफ्ट सिग्नल कहा जाता था। इसके बाद वह थर्ड अंपायर को डिसिजन रेफर करते।

आईसीसी ने कहा- मैदानी अंपायर कोई भी निर्णय लेने से पहले टीवी अंपायर से परामर्श करेंगे। पिछले कुछ वर्षों में क्रिकेट समिति की बैठकों में सॉफ्ट सिग्नल्स पर चर्चा की गई है। समिति ने इस पर विस्तार से विचार किया और निष्कर्ष निकाला कि सॉफ्ट सिग्नल अनावश्यक हैं। ये कई बार भ्रमित करने वाले भी थे क्योंकि कैच के रेफरल रिप्ले से कई बार निर्णय लेने में असमंजस की स्थिति बन जाती है।

हेलमेट पहनना होगा जरूरी

अन्य बड़ी घोषणाओं में हाई रिस्क पोजिशन पर हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। हेलमेट इन तीन जगहों पर जरूरी होगाः

– जब बल्लेबाज तेज गेंदबाजों का सामना कर रहे हों। – जब विकेटकीपर स्टंप तक खड़ा हो। – जब फील्डर विकेट के सामने बल्लेबाज के करीब हो।

फ्री हिट नियम में किया गया ये बदलाव

वहीं फ्री हिट नियम में एक मामूली बदलाव किया गया है। नए नियम के अनुसार, जब फ्री हिट गेंद स्टंप्स पर हिट करेगी तो इस पर बने रन गिने जाएंगे। इसका मतलब यह होगा कि अगर किसी बल्लेबाज को फ्री हिट पर बोल्ड किया जाता है और रन बनते हैं, तो उन्हें बल्लेबाज के खाते में जोड़ा जाएगा। नए नियम 1 जून 2023 को इंग्लैंड और आयरलैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट के साथ लागू होंगे, जो चार दिवसीय टेस्ट मैच है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भी ये नियम लागू रहेंगे।

मोहम्मद आमिर के बदले सुर, बाबर आजम की तारीफ में पढ़े कसीदे

खेल डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। मोहम्मद आमिर ने कहा है कि उन्होंने कभी भी पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को औसत खिलाड़ी या पुछल्ले बल्लेबाज नहीं कहा। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने बाबर आजम को लेकर अपने पिछले बयान पर सफाई दी है। आमिर ने कहा है कि उन्होंने कभी भी पाकिस्तान के कप्तान को औसत खिलाड़ी या पुछल्ले बल्लेबाज नहीं कहा। आमिर ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए बाबर की तकनीक की तारीफ कर उन्हें पाकिस्तान का सबसे अच्छा बल्लेबाज बताया।

उन्होंने कहा- सबसे पहले मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं जिन्होंने इस मामले को गलत तरीके से पेश किया। मुझे एक भी इंटरव्यू दिखाओ जिसमें मैंने कहा था कि बाबर एक औसत या पुछल्ले खिलाड़ी हैं। मैंने अपने सभी इंटरव्यू में उन्हें पाकिस्तान का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज कहा है। मैं इसे अपने मुंह से कह रहा हूं और कई जगहों पर कहा है कि उनकी तकनीक के कारण वनडे और टेस्ट मैचों में उनके खिलाफ गेंदबाजी करना मुश्किल है। मैं इन लोगों को स्पष्ट कर दूं कि उसे टेलेंडर नहीं कह सकता। आमिर ने कहा कि एक गेंदबाज के रूप में उनका काम विकेट लेना है, भले ही बल्लेबाज कोई भी हो। उन्होंने कहा कि बाबर हो या पुछल्ले खिलाड़ी, हर विकेट उनके लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे टीम को फायदा होता है। मेरा कहना था कि बाबर आजम हों या 11वें नंबर का खिलाड़ी...मेरे लिए विकेट लेना अहम है क्योंकि इससे टीम को फायदा होता है। उदाहरण के लिए यदि अंतिम 2 ओवर में 12 रन चाहिए और 8 विकेट गिरे हैं, तो पुछल्ले खिलाड़ी खेल रहे हैं, है ना? इसलिए उन्हें आउट करना भी उतना ही जरूरी है। वह मेरी बात थी। मेरे लिए हर विकेट महत्वपूर्ण है चाहे वह बाबर का हो या पुछल्ले बल्लेबाज का। दरअसल, हाल ही पीएसएल के आठवें संस्करण के दौरान आमिर ने कहा था कि बाबर या पुछल्ले गेंदबाज को गेंदबाजी करना उनके लिए समान था। उन्होंने कहा- "मेरा काम विकेट लेना और अपनी टीम के लिए मैच जीतना है, इसलिए मेरे लिए बाबर का सामना करना या 10वें नंबर पर पुछल्ले बल्लेबाज का सामना करना एक जैसा होगा।"

कप गोल्फ में अदिति संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहीं, किम ने जीता खिताब

खेल डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। पहले तीन दिन खिताब की होड़ में शामिल रहीं भारत की गोल्फर अदिति अशोक ने एलपीजीए टूर के टूर्नामेंट फाउंडर्स कप में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहीं। कोरिया की सेई यंग किम ने गत विजेता मिंजी ली को पछाड़कर पांच साल में तीसरा बार फाउंडर्स कप जीता। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही अदिति अंतिम दिन वन ओवर 73 का स्कोर ही कर पाईं। अदिति 2017 से एलपीजीए टूर में खेल रही है लेकिन अभी तक वह खिताब नहीं जीत पाई हैं।

अदिति को सोमवार को शीर्ष पर चल रहीं मिंजी ली को चुनौती देने के लिए अच्छी शुरुआत की जरूरत थी। मिंजी उनसे चार शॉट आगे चल रही थीं।

यह आशानुरूप फिनिश नहीं रहा लेकिन बावजूद इसके उनका कुल मिलाकर प्रदर्शन अच्छा रहा। इससे पहले वह जेएम ईगल एलए चैंपियनशिप में उपविजेता रही थीं। अगले हफ्ते वह फ्लोरिडा में एरामको सीरीज में खेलेंगी।

अदिति ने नौवें होल से शुरुआत की और पहले दौर में कुल पांच बर्डी बनाई। इस बीच हालांकि उन्होंने 16वें और पहले होल में बोगी भी की।

बेसबॉल अंपायर ने धूल के बवंडर से बच्ची को बचाया

फ्लोरिडा, 17 मई (एजेंसियां)। फ्लोरिडा में धूल के बवंडर में फंसी 7 साल की बच्ची को 17 साल के युवा ने बाहर निकालकर उसकी जान बचाई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। लोग युवा की तारीफ कर रहे हैं। यह घटना फ्लोरिडा के एक बेसबॉल ग्राउंड में रविवार को हुई। फॉक्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक फ्लोरिडा के जैक्सनविले के फोर्ट कैरोलीन एथलेटिक्स एसोसिएशन बेसबॉल ग्राउंड पर कुछ लोग बेसबॉल खेल रहे थे। उसी दौरान धूल का बवंडर में 7 साल की लड़की फंस गई।

शॉटपुट में तेजिंदरपाल सिंह तूर और भालाफेंक में रानी ने जीते खिताब

खेल डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। एशियाई रिकॉर्डधारी तूर ने 20.42 मीटर के साथ स्वर्ण जीता। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21.49 मीटर है । पंजाब के तूर ने 19 मीटर का एशियाई खेल क्वालीफाइंग मार्क पार किया ।

एशियाई खेलों के मौजूदा चैम्पियन शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदरपाल सिंह तूर और राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी अन्नु रानी ने फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के दूसरे दिन अपने अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

तीस वर्ष की अन्नु हालांकि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी और 59.24 मीटर का निशाना लगाया लेकिन वह आगामी एशियाई चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने के लिए काफी था । उत्तर प्रदेश की अन्नु का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 63. 82 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। जुलाई 12 से 16 तक होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप में क्वालीफाइंग स्तर 54.73 मीटर है जबकि हांगझोउ खेलों के लिए यह 56.46 मीटर है। एशियाई रिकॉर्डधारी तूर ने 20.42 मीटर के साथ स्वर्ण जीता। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21.49 मीटर है। पंजाब के तूर ने 19 मीटर का एशियाई खेल क्वालीफाइंग मार्क पार किया। दिल्ली के साहिब सिंह और पंजाब के करणवीर सिंह ने भी 19 मीटर की बाधा पार की।

ओडिशा की स्रबानी नंदा ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 11.57 सेकंड में जीती हालांकि एशियाई चैम्पियनशिप का क्वालीफाइंग आंकड़ा 11.44 सेकंड पार नहीं कर सकी। पुरूष वर्ग में ओडिशा के अमिय कुमार मलिक विजयी रहे जिन्होंने 10.31 सेकंड का समय निकाला। एशियाई चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिये क्वालीफाइंग आंकड़ा 10.19 सेकंड है। महिलाओं की 400 मीटर में महाराष्ट्र की ऐश्वर्य मिश्रा 52.57 सेकंड का समय निकालकर विजयी रही लेकिन बाद में लेन तोड़ने के कारण उन्हें अयोग्य करार दिया गया। दूसरे स्थान पर रही कर्नाटक की प्रिया मोहन को विजयी घोषित किया गया जबकि पुरूष वर्ग में तमिलनाडु के रमेश ने खिताब जीता। दोनों ने एशियाई चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई कर लिया। प्रिया ने तकनीकी पेनल के समक्ष विरोध दर्ज कराया था और फैसला उनके पक्ष में आया।

पशु चिकित्सकों की समस्याओं का समाधान होगा : तलसानी

मंत्री ने वीएएस एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ की चर्चा

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने खुलासा किया है कि वे पशु चिकित्सकों की समस्याओं को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के ध्यान में लाएंगे और उन्हें हल करने का काम करेंगे।

मंत्री बुधवार को अपने कक्ष में डॉ बीआर अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में वीएएस एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में बोल रहे थे। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद प्रशासनिक सुविधा के लिए मुख्यमंत्री के आदेशानुसार नए जिलों, मंडलों और मंडलों का गठन किया गया। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मंत्री से अनुरोध किया कि उसके अनुसार नियुक्तियां कर जीव-जंतुओं को बेहतर सेवाएं देने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पशुपालन विभाग को पुनर्गठित किया जाए, ताकि कई पद सृजित किए जा सकें और इस प्रकार जिन लोगों की कई वर्षों से पदोन्नति नहीं हुई है। उन्हें पदोन्नति का मौका मिल सके।

इसी तरह, जीएचएमसी की तरह, राज्य की नगरपालिकाओं में आवारा कुत्तों और बंदरों की रोकथाम, आवश्यक चिकित्सा सेवाओं और निगरानी के प्रावधान के लिए एक विशेष विभाग स्थापित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। जवाब में, मंत्री ने पशुपालन विभाग के तत्वावधान में गांवों में भेड़ इकाइयों के वितरण, कार्यक्रम, टीकाकरण और पशुओं को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने जैसे कई कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में पशु चिकित्सकों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की प्रशंसा की। मंत्री ने पशुपालन विभाग के विशेष मुख्य सचिव को विभाग में डॉक्टरों और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए किए जाने वाले उपायों का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिपोर्ट सौंपने के बाद इसे मुख्यमंत्री के ध्यान में लाने का आश्वासन दिया। इस बैठक में पशुपालन विभाग के निदेशक रामचंदर, वीएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णुवर्धन गौड़, महासचिव चंद्रशेखर रेड्डी, कोषाध्यक्ष धर्म नाइक, तेलंगाना पशु चिकित्सा संघ के अध्यक्ष रमेश, महासचिव मधुसूदन गौड़ और अन्य ने भाग लिया।

तापमान बढ़ने से कोयला खदानों के खनिक परेशान

पेड्डापल्ली, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ओपन कास्ट खनिक पेद्दापल्ली में चिलचिलाती गर्मी के मौसम की स्थिति से जूझ रहे हैं। राज्य पिछले कुछ दिनों से अत्यधिक गर्मी का सामना कर रहा है, तापमान असहनीय स्तर तक बढ़ रहा है, जिससे लोग दोपहर के समय घर के अंदर रहने को मजबूर हैं। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की ओपनकास्ट कोयला खदानों में काम करने वाले खनिकों के लिए स्थिति और भी खराब है। खानों में सामान्य क्षेत्रों की तुलना में चार से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया जाता है, जिससे खनिकों के लिए भीषण गर्मी में काम करना असंभव हो जाता है। एआईटीयूसी के नेतृत्व में कामगारों ने प्रबंधन से अनुरोध किया है कि उनके लिए काम करना आसान बनाने के लिए शिफ्टों के समय में बदलाव किया जाए। रामागुंडमकोयला बेल्ट शहर के सतह क्षेत्रों में तापमान लगभग 44.8 से 45 डिग्री सेल्सियस है, लेकिन दोपहर के दौरान ओपनकास्ट खानों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

16 कोचों के साथ सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस की यात्रा शुरू

पहले की तुलना में 15 मिनट कम समय में यात्रा पूरी करेगी

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद-तिरुपति-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस की भारी लोकप्रियता को दर्शाते हुए, कोचों की संख्या (पहले की स्थिति से) की दोगुनी संख्या वाली ट्रेन की पहली यात्रा को रेल यात्रियों से सहज प्रतिक्रिया मिली है। बुधवार को सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली यात्रा 109 प्रतिशत संरक्षण के साथ शुरू हो गई है। सिकंदराबाद-तिरुपति-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत के बाद से, ट्रेन को यात्रियों से भारी प्रतिक्रिया मिली है। यह दोनों दिशाओं में ट्रेन के लगातार उच्च संरक्षण (130 प्रतिशत से अधिक) में परिलक्षित हुआ। तदनुसार, यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने17 मई 2023 से ट्रेन में कोचों की संख्या को 8 कोचों की पिछली संरचना से बढ़ाकर 16 कोच कर दिया है। इसी क्रम में 17 मई से ट्रेन की बैठने की क्षमता 530 से 1,128 सीटों से दोगुनी से अधिक है। इसमें एग्जीक्यूटिव क्लास की 104 सीटें और चेयर कार की 1,024 सीटें शामिल हैं। इसके बावजूद, ट्रेन की लोकप्रियता को दर्शाते हुए, आज की ट्रेन की पहली यात्रा में 1,228 यात्रियों ने ट्रेन यात्रा शुरू होने से पहले अपनी ट्रेन बुकिंग करायी है। रेल यात्रियों की सुविधा को और अधिक बढ़ाने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे ने भी आज से प्रत्येक दिशा में यात्रा के समय में 15 मिनट की कमी कर दी है। नतीजतन, अब किसी भी दिशा में यात्रा 8 घंटे 30 मिनट की बजाय 8 घंटे 15 मिनट में पूरी की जाएगी। इससे रेल यात्रियों को तेजी से समय अवधि में अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। सिकंदराबाद-तिरुपति-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन दो तेलुगु राज्यों के रेल यात्रियों को तेजी से और अधिक आरामदायक तरीके से भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर में जाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। स्वदेशी रूप से विकसित इस ट्रेन में जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे, बैठने की सीटें, सभी कोचों में सीसीटीवी कैमरे, एलईडी लाइटिंग, हर सीट के नीचे चार्जिंग पॉइंट आदि जैसी कई विश्व स्तरीय विशेषताएं हैं, जो बेहतर सवारी सुविधा और अधिक सुरक्षा प्रदान करती हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा है कि कोचों के जुड़ने से जोन को अधिक संख्या में रेल यात्रियों की यात्रा मांगों को पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि, यह अधिक से अधिक लोगों को भारत की स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन की सेवाओं का लाभ उठाने का अवसर देगा। उन्होंने कहा कि रेल यात्रियों की मांगों को पूरा करना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और रेल यात्रियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेगा।

अमरावती के किसानों को झटका

आर-5 में हाउस साइट आवंटन का बरकरार

अमरावती, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक ऐतिहासिक फैसले में अमरावती के किसानों को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा राजधानी क्षेत्र के आर-5 ज़ोन में आर्थिक रूप से वंचित व्यक्तियों को आवास स्थलों के आवंटन को बरकरार रखा है। इस फैसले को मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी की अध्यक्षता वाली वाईएसआरसीपी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण जीत के रूप में देखा जा रहा है, और यह तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और अन्य लोगों के लिए विशेष रूप से प्रभावशाली है जो वर्तमान शासन के खिलाफ किसानों के विरोध का समर्थन कर रहे हैं।

देश के सर्वोच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाली आबादी के लिए घर की जगह आवंटित करने के लिए सरकार के कानूनी विशेषाधिकार की दृढ़ता से पुष्टि की। ऐसा करने में, सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की पहल को मान्य किया और उस विधायी शर्त को मान्यता दी जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आवास स्थलों के पांच प्रतिशत आवंटन की आवश्यकता है। राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (सीआरडीए) अधिनियम की धारा 53.1 डी पर भरोसा करते हुए, न्यायमूर्ति के एम जोसेफ के नेतृत्व वाली खंडपीठ ने आर्थिक रूप से वंचित लोगों को घर उपलब्ध कराने के राज्य सरकार के फैसले का समर्थन किया। यह निर्णय इस मुद्दे पर आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय की पहले की स्थिति के अनुरूप है। 5 मई, 2023 को, मुख्य न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा के नेतृत्व में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने अमरावती राजधानी क्षेत्र के किसानों द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णायक फैसला अमरावती के आर-5 जोन में आर्थिक रूप से वंचित लोगों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने और उनके जीवन स्तर को उन्नत करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

आंध्र-तेलंगाना सीमा के पास भीषण सड़क हादसा, छह आदिवासी श्रमिकों की मौत

सीएम केसीआर ने मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश-तेलंगाना सीमा के पास आंध्र प्रदेश के पलनाडू जिले के पोंडुगला गांव में बुधवार तड़के एक ऑटो रिक्शा की एक ट्रक से टक्कर हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

दुर्घटना के शिकार आदिवासी तेलंगाना के रहने वाले है और कृषि श्रमिकों के रूप में काम करने के लिए पालनाडु जिले के पुलीपाड़ा जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, तेलंगाना के नलगोंडा जिले की ओर जा रहे एक ट्रक ने नलगोंडा से पलनाडु की ओर आ रहे ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी। ऑटो रिक्शा में टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक तेलंगाना की ओर भाग गया। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया और उस ट्रक का पता लगाया, जिसका तमिलनाडु पंजीकरण नंबर था। घायलों को गुरजाला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पालनाडु जिले के पुलिस अधीक्षक वाई. रवि शंकर रेड्डी ने कहा कि पीड़ित नलगोंडा जिले के दमचेरला मंडल के रहने वाले है और कृषि क्षेत्रों में काम करने के लिए पालनाडू जिले जा रहे थे। इस बीच, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने छह आदिवासी मजदूरों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सभी पीड़ित तेलंगाना के दमराचारला मंडल के नरसापुर गांव के रहने वाले थे। मुख्यमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की और शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मिरयालगुडा के विधायक एन भास्कर राव को घायल व्यक्तियों को तत्काल बेहतर चिकित्सा प्रदान करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिवार को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

राजमार्गों पर दुर्घटनाओं की जांच के लिए विशेष उपाय

जनगांव, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर सी शिवलिंगैया ने अधिकारियों को जनगांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष उपाय करने का निर्देश दिया है। बुधवार को यहां सड़क सुरक्षा पर समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में सबसे अधिक दुर्घटनाएं विपरीत दिशा में आने वाले वाहन चालकों और यातायात नियमों का उल्लंघन कर सड़क पार करने के कारण होती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर रणनीतिक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर, ज़ेबरा क्रॉसिंग, साइनबोर्ड और सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों से परेशानी वाले शहतूत के पेड़ों को हटाने और सड़कों पर चेकडैम और छोटी पुलियों की मरम्मत करने को भी कहा।

सबसे खतरनाक क्षेत्र थे जनगांव टाउन, नेल्लुटला फ्लाईओवर, मोंडराई, पेम्बर्टी, चागलू, चिन्ना पेंडियल, करुणापुरम, स्टेशन घनपुर, पल्लगुट्टा और राघवपुर। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में कई दुर्घटनाएं हुई हैं जिनमें मोटर चालक गलत तरीके से गाड़ी चला रहे हैं या सड़क पार कर रहे हैं।

सड़क और भवन विभाग, पंचायत राज, राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग, नगरपालिका, पुलिस, परिवहन विभाग, आरटीसी, 108 कर्मचारी और संबद्ध विभागों को सड़कों के किनारे दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान करने और दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में आरटीसी चालकों को शिक्षित करने की आवश्यकता है, कलेक्टर ने कहा।

उत्तम कुमार रेड्डी ने अज्ञात लोगों द्वारा "ट्रोलिंग" करने में पुलिस की मदद मांगी

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेताओं के बीच आंतरिक कलह पार्टी के सांसद और टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष एन. उत्तम कुमार रेड्डी के साथ एक नई ऊंचाई पर पहुंच गई, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अज्ञात लोगों द्वारा "ट्रोलिंग" करार दिया।

हालांकि, पुलिस जांच में बंजारा हिल्स में एक युवा कांग्रेस नेता के कार्यालय पर छापा मारा गया और कुछ कंप्यूटर जब्त किए गए। छापे में एक नाटक के सभी आकर्षण थे, जिसमें युवा कांग्रेस शिवसेना रेड्डी ने सत्तारूढ़ बीआरएस को छापे के लिए जिम्मेदार ठहराया। सोमवार को बंजारा हिल्स में यूथ कांग्रेस के सोशल मीडिया वॉर रूम पर पुलिस की छापेमारी का रहस्य मंगलवार को समाप्त हो गया, जब हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने कहा कि पुलिस ने टीपीसीसी के पूर्व नेता और नलगोंडा के सांसद उत्तम कुमार रेड्डी की शिकायत के बाद कंप्यूटर और लैपटॉप जब्त किए हैं। सादी वर्दी में चार पुलिसकर्मियों ने सोमवार शाम यूथ कांग्रेस नेता शिवसेना रेड्डी के सोशल मीडिया वॉर रूम सह कार्यालय पर छापा मारा था। इसके तुरंत बाद यूथ कांग्रेस नेता ने छापेमारी के लिए बीआरएस पार्टी को जिम्मेदार ठहराया था।

हालांकि, मंगलवार को पुलिस ने स्पष्ट किया कि 5 मई को उत्तम कुमार रेड्डी ने खुद हैदराबाद शहर की साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ लोग उनके खिलाफ झूठी खबरें फैला रहे हैं। साइबर क्राइम पुलिस ने जांच के बाद कार्यालय पर छापा मारा और प्रशांत को पकड़ लिया। प्रशांत को उनके सामने पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, सोशल मीडिया वॉर रूम टीपीसीसी अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी के तहत चलाया जाता है।

जंगली सुअर ने महिला मजदूर पर किया हमला

जगतियाल, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेतपल्ली मंडल के मेटलाचिट्टापुर में बुधवार को जंगली सूअर के हमले में एक मनरेगा मजदूर घायल हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, गुगलावथ गंगूभाई गांव के बाहरी इलाके में मनरेगा के काम में शामिल थे। बीच में वह शौच के लिए गई थी तभी एक जंगली सूअर ने उस पर हमला कर दिया। मदद के लिए उसके चिल्लाने पर अन्य मजदूरों ने दौड़कर उसे सुअर से बचाया। गंगूभाई के दाहिने पैर में चोट लगी थी और उन्हें अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था। चोट में नौ टांके लगाने पड़े।

साइबराबाद पुलिस और एससीएससी ने आईटी कॉरिडोर में यातायात को लेकर बैठक की

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र, संयुक्त आयुक्त, यातायात नारायण नाइक आईपीएस, सुश्री शिल्पावल्ली, डीसीपी, माधापुर, कृष्णा येदुला सचिव एससीएससी, संयुक्त सचिव यातायात फोरम, एससीएससी श्रीनिवास सीआर, आईटी उद्योग के प्रतिनिधि के साथ अन्य यातायात अधिकारियों ने एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। बैठक में विभिन्न बाधाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उद्योग से प्रतिक्रिया लेने के लिए परिवर्तनों का सुझाव दिया गया और यातायात परिदृश्य में सुधार व सड़क उपयोगकर्ताओं के आने-जाने के समय को कैसे कम किया जाए, इस पर उनके सुझाव एकत्र किए गए। सभा को संबोधित करते हुए सीपी स्टीफन रवींद्र ने कहा कि कुछ जंक्शनों को कम करने के लिए कुछ उपायों को लागू करने से पहले, जंक्शनों और मुख्य सड़कों पर, पीक ट्रैफिक घंटों और गैर-पीक घंटों के दौरान और सड़क उपयोगकर्ताओं को शामिल करके बहुत से वैज्ञानिक अध्ययन किए गए थे। नए ट्रैफिक डायवर्जन के फैसले लिए गए और भले ही कुछ उपाय घुमावदार मार्ग की ओर ले जाते हैं, विचार यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कई स्टॉप होने के बजाय, वाहन बिना किसी रुकावट के सुचारू गति से आगे बढ़ सकें। आईटी उद्योग के इंटरैक्टिव सत्र में बोलते हुए, एससीएससी के महासचिव कृष्णा येदुला ने कहा कि यह साइबराबाद पुलिस का सक्रिय दृष्टिकोण रहा है, जिससे कई समाधान सामने आए हैं और आज की बैठक इस बात का एक और उदाहरण है कि एससीएससी और साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस कैसी है। आईटी कॉरिडोर में यातायात प्रवाह में सुधार के लिए उद्योग के साथ दो तरफा संवाद और उद्योग से सभी अच्छे सुझावों को स्वीकार करके सहयोग करना है।

नारायण नाइक, ज्वाइंट सीपी ट्रैफिक ने गचीबोवली जंक्शन के पास फ्लाईओवर के निर्माण की प्रगति के बारे में सड़क उपयोगकर्ताओं को अद्यतन किया है और कैसे ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों को खोलकर फ्लाईओवर के पूरा होने तक कम से कम असुविधा पैदा करने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। उन्होंने आईटी उद्योग को प्रस्तुत किया है कि कैसे साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस आने वाले मानसून के लिए भी तैयारी कर रही है। श्री स्टीफन ने मेट्रो स्टेशनों, कार पूल विकल्पों से कंपनियों द्वारा शटल के उपयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कंपनियों को यह भी सुझाव दिया कि वे अपने गेट सुरक्षा कर्मचारियों को रुकावटों को रोकने के लिए प्रवेश/निकास द्वारों के पास यातायात प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि एससीएससी द्वारा ट्रैफिक वॉलंटियर्स बढ़ाने की जरूरत है।

विजयवाड़ा डिवीजन ने 'मिशन लाइफ साइकिल रैली' निकाली

भारत स्काउट और गाइड छात्रों ने रैली में भाग लिया

विजयवाड़ा, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा मंडल ने एपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के सहयोग से रेलवे मिनी स्टेडियम, विजयवाड़ा से जीवन शैली और पर्यावरण जागरूकता पर मिशन लाइफ साइकिल रैली का आयोजन किया। रैली को डॉ. एल. रविकांत, एसीएमएस, प्रशासन रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा और टी. प्रसाद राव, पर्यावरण अभियंता, एपीपीसीबी क्षेत्रीय कार्यालय ने झंडी दिखाकर रवाना किया। लगभग 100 भारत स्काउट और गाइड, विजयवाड़ा के छात्रों ने सुरक्षित पर्यावरण के लिए जीवन शैली में बदलाव के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए साइकिल रैली में भाग लिया। इस मिशन लाइफ अभियान का उद्देश्य व्यक्तियों और समुदायों को जीवन शैली का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करना है जो प्रकृति के साथ समकालिक है, यानी उनके दैनिक जीवन में सरल व्यवहार परिवर्तन, जो जलवायु कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण योगदान में अनुवाद करता है। साइकिल रैली को संयुक्त रूप से 100 भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, डिवीजनल रेलवे हॉस्पिटल स्टाफ, एपीपीसीबी के अधिकारियों ने सुबह-सुबह आदि संदेशों वाले तख्तियों को पकड़कर निकाला। रैली मिनी स्टेडियम से शुरू होकर पुराने सरकारी अस्पताल होते हुए रेलवे अस्पताल न्यू ओपीडी ब्लॉक पर समाप्त हुई। टी. प्रसाद राव, पर्यावरण अभियंता, एपीपीसीबी क्षेत्रीय अधिकारी ने इस जनपहुंच अभियान को सफल बनाने के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, रेलवे प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के जागरूकता अभियान नियमित रूप से तब तक चलाए जाएंगे जब तक कि यह पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा और संरक्षण के लिए निवासियों के बीच एक जन आंदोलन नहीं बन जाता है। इस अवसर पर बोलते हुए एसीएमएस डॉ. एल. रविकांत ने इस साइकिल रैली में भाग लेने पर अपार खुशी और प्रसन्नता व्यक्त की। डॉ. एल. रविकांत ने कहा कि साइकिल चलाना बहुत अच्छा कार्डियो वर्कआउट है और उन्होंने उपस्थित लोगों से कार्य स्थल और स्कूल तक पहुंचने के साधन के रूप में साइकिल का उपयोग करने की अपील की। डॉ. एम. सौरी बाला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा ने इस जागरूकता अभियान को चलाने के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, एपीपीसीबी के अधिकारियों और रेलवे अस्पताल के कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। सी.एम.एस. ने जनता से अपील की कि वे आगे आयें, पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए दैनिक जीवन में आवश्यक परिवर्तन करें। उन्होंने यह भी कहा कि उपलब्ध ऊर्जा, पानी और अन्य उपलब्ध संसाधनों के विवेकपूर्ण और विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने और इसे एक नियमित आदत बनाने के लिए मिशन लाइफ अभियान शुरू किया गया था।

तेदेपा गुट में झड़प मामले में पूर्व मंत्री अखिला प्रिया गिरफ्तार

नंद्याल, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री भूमा अखिला प्रिया को बुधवार को तेलुगू देशम पार्टी के नेता एवी सुब्बारेड्डी पर हमले के लिए अग्रणी समूह संघर्ष के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया।

यह घटना नंद्याल निर्वाचन क्षेत्र के अल्लागड्डा शहर में नारा लोकेश की पदयात्रा के दौरान हुई। सुब्बारेड्डी और अखिला प्रिया के प्रतिद्वंद्वी समूह, जो लोकेश का शहर में स्वागत करने के लिए एक-दूसरे के साथ होड़ कर रहे थे, मारपीट पर उतर आए, जिसके दौरान सुब्बारेड्डी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनका इलाज चल रहा है। नंद्याल पुलिस ने मामला दर्ज किया और प्रारंभिक पूछताछ के बाद, अखिला प्रिया को गिरफ्तार कर लिया और उसे पुलिस स्टेशन स्थानांतरित कर दिया। बाद में, मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने सुब्बारेड्डी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए, हालांकि बाद के समर्थकों ने इनकार कर दिया। घटना को गंभीरता से लेते हुए, टीडीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ एक टेलीकॉन्फ्रेंस की और मामले की जांच करने और उन्हें एक व्यापक रिपोर्ट देने के लिए वरिष्ठ नेताओं के साथ एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन करने वाले को बख्शने का कोई सवाल ही नहीं है।

मालूम हो कि पूर्व मंत्री भूमा अखिलप्रिया और तेदेपा के वरिष्ठ नेता एवी सुब्बारेड्डी के बीच राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन करते हुए नंद्याला में झड़प हुई थी। दोनों नेता, अपने अनुयायियों की एक महत्वपूर्ण संख्या के साथ, नंद्याला विधानसभा क्षेत्र में नारा लोकेश का स्वागत करने के लिए कोतपल्ली में एकत्रित हुए। अखिलप्रिया और सुब्बारेड्डी के बीच टकराव क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य के भीतर तनाव को और बढ़ा देता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.